भोपाल

रविवार, 22 फरवरी 2026

फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष-05

वर्ष : 12, अंक : 323

पृष्ठ : 14 मूल्य : 4.00 **

मौसम

अधि. 27

न्यून. 17

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मप्र में एसआईआर के बाद मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

अब 5,39,81,065 मतदाता, इसमें 8,49,082 नए जुड़े

▸▸ एसआईआर के पहले कुल 5,74,06,143 मतदाता पंजीकृत थे

▸▸ यानी, 34 लाख 25 हजार 078 मतदाता कम हो गए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

चुनाव आयोग ने शनिवार को मप्र के मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया। अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची के अनुसार प्रदेश में कुल मतदाताओं की संख्या 5 करोड़ 39 लाख 81 हजार 65 है। इनमें पुरुष मतदाता 2 करोड़ 79 लाख 4 हजार 975, महिला मतदाता 2 करोड़ 60 लाख 75 हजार 186 तथा थर्ड जेंडर मतदाता 904 हैं।

हालांकि, वर्ष 2025 के प्रारंभिक मतदाता सूची व अंतिम प्रकाशन के बाद कुल 34 लाख 25 हजार 078 मतदाता कम हो गए। इस अनुसार एसआईआर

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) संजीव झा (मध्य में) जानकारी देते हुए

के बाद प्रत्येक जिले से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम कट गए। मप्र के मुख्य ▸▸ शेष पेज 6 पर, ▸▸ पढ़ें पेज 03 भी

बीएलओ व बीएलए की बैठकों के बाद अंतिम जानकारी ली गई

सीईओ झा ने बताया कि एसआईआर के दौरान व इसके बाद में इस दौरान बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) एवं राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) के साथ बैठकों का आयोजन किया ▸▸ शेष पेज 6 पर

मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर उपलब्ध

लगभग 4 माह चली प्रक्रिया के बाद एक जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर अंतिम मतदाता सूची सभी मतदान केंद्रों एवं निर्धारित स्थलों पर प्रकाशित की गई है। यह सूची मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है, जहां मतदाता अपनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। प्रत्येक जिले में अंतिम मतदाता सूची की प्रतियां नियमानुसार मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई हैं।

27 अक्टूबर 2025 से शुरु हुई थी

एसआईआर की प्रक्रिया करीब 4 महीने तक चली

झा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मप्र में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेंसिव रिवीजन) अभियान शुरू किया गया था। 27 अक्टूबर, 2025 से राज्य में आरंभ हुए अभियान में लगभग 4 माह तक विभिन्न चरणों में व्यापक एवं प्रभावी कार्रवाई के बाद 21 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में नाम शामिल करने, विलोपन एवं संशोधन आदि के संबंध में दावे एवं आपत्तियां 23 दिसंबर से 22 जनवरी 2026 तक प्राप्त की गईं। इसके बाद 14 फरवर तक निर्वाचन अधिकारियों की ओर से प्राप्त दावे आपत्तियों का सत्यापन कर उनका निराकरण किया गया।

55 जिलों में 71,930 बीएलओ ने दिन-रात मेहनत कर सूची संशोधित की

झा ने कहा कि अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन पर मप्र के सभी लोग इस अभियान में अभूतपूर्व सहयोग के लिए धन्यवाद एवं अभिनंदन के पात्र हैं। निर्धारित समय में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए 55 जिला निर्वाचन अधिकारियों, 230 निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों, 533 सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों, 71,930 बीएलओ, अनेक वालंटियर्स की सक्रिय भागीदारी रही। प्रदेश के मतदाताओं का उत्साहपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। मीडिया, ▸▸ शेष पेज 6 पर

मध्यप्रदेश में सियासी संग्राम

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में यूथ कांग्रेस के टी-शर्टलेस प्रदर्शन पर भाजपा ने जताया तगड़ा विरोध, मप्र सहित देश भर में कांग्रेस कार्यालयों का किया घेराव

इंदौर में पथराव, एसआई जख्मी पुलिस ने भी वाटर कैनन चलाई

एसआई बघेल घायल

सभी प्रमुख शहरों में कांग्रेस कार्यालयों के बाहर भारी पुलिस बल तैनात, कांग्रेस ने कहा कि भाजपा को कांग्रेस नहीं, बल्कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यालय का घेराव करना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

दिल्ली के इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में यूथ कांग्रेस के टी-शर्टलेस प्रदर्शन कांग्रेस को भारी पड़ गया। दिल्ली में प्रदर्शन के अगले दिन ही भाजपा ने मप्र समेत पूरे देश में कांग्रेस दफ्तरों पर धावा बोल दिया। भाजपा कार्यकर्ता एक पोस्टर लेकर चल रहे थे, जिस पर राहुल गांधी का फोटो था और लिखा था- देशद्रोही कांग्रेस। इंदौर में यह प्रदर्शन हिंसक झड़प में बदल गया। यहां दोनों पक्षों के बीच जमकर पथराव हुआ। पुलिस को स्थिति संभालने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। इंदौर में भाजयुमो कार्यकर्ता जब कांग्रेस कार्यालय (गांधी भवन) का घेराव करने पहुंचे तो वहां पहले से मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ उनकी भिड़ंत हो गई।

दोनों ओर से कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर पत्थर, पानी की बोतलें और तेल की थैलियां फेंकी। प्रदर्शनकारियों ने एक-दूसरे पर संतरे और टमाटरों से भी हमला किया। उपद्रव के दौरान सुरक्षा में तैनात सब इंस्पेक्टर आरएस ▸▸ शेष पेज 6 पर

भाजपा की बिंदु

कांग्रेस के वानखेड़े

दोनों तरफ के प्रदर्शनकारियों से पुलिस बल सख्ती से पेश आया

पत्थरबाजी करने वाले उपद्रवियों की पहचान सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की जा रही

▸▸ *भाजपा ने कहा- कांग्रेस अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की छवि खराब करने की साजिश रच रही*

▸▸ *कांग्रेस ने इसे बेरोजगारी और डेटा सुरक्षा के मुद्दों पर अपनी आवाज उठाने का तरीका बताया*

ग्वालियर में फूंका राहुल गांधी का पुतला

ग्वालियर में भी भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया। विशाल रैली निकालते हुए कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व और राहुल गांधी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उनका पुतला फूंका। प्रदर्शनकारियों ▸▸ शेष पेज 6 पर

कांग्रेस का पलटवार-यह तो सुनियोजित हमला

कांग्रेस संगठन महामंत्री संजय कामले ने आरोप लगाया कि भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने पीसीसी कार्यालय में घुसने की कोशिश की और तोड़फोड़ की। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन ने पहले से पर्याप्त ▸▸ शेष पेज 6 पर

जबलपुर में प्रदर्शन, 10 थानों की पुलिस तैनात

जबलपुर के बलदेव बाग चौराहे पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्रित हुए और नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान माहौल कुछ समय के लिए तनावपूर्ण हो गया। प्रदर्शन के ▸▸ शेष पेज 6 पर

भोपाल में कांग्रेस के होर्डिंग्स उखाड़ फेंके

राजधानी भोपाल में सैकड़ों भाजयुमो कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए प्रदेश कांग्रेस कार्यालय (पीसीसी) का घेराव करने निकले। पुलिस ने शिवाजी नगर की ओर जाने वाले रास्तों पर ▸▸ शेष पेज 6 पर

भिंड में नेशनल हाईवे पर हादसा

रात में बस-वैन में सीधी टक्कर, भीषण हादसे में पांच की मौत हुई

हादसे के बाद मौके पर लंबा जाम लग गया था

दुर्घटनाग्रस्त बस

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिंड

यहां शुक्रवार की देर रात एक भयावह सड़क हादसा हो गया। नेशनल हाईवे 719 पर गोहद चौराहा थाना क्षेत्र में छींमका गांव के पास एक यात्री बस और ईको वैन की आमने-सामने टक्कर में पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। ईको वैन ग्वालियर से सवारियों को लेकर भिंड की ओर ▸▸ शेष पेज 6 पर

रीवा में रूह कंपा देने वाली वारदात

8वीं की छात्रा को पिलाई शराब, फिर किया गैंगरेप

दोनों दरिंदों को गिरफ्तार किया गया

फाइल फोटो

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रीवा

मामला समान थाना क्षेत्र का है, जहां कक्षा आठवीं में पढ़ने वाली एक छात्रा को दो युवकों ने अपनी हवस का शिकार बनाया। आरोपियों ने पहले छात्रा को बहला-फुसलाकर शराब पिलाई और फिर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि 19 फरवरी की रात करीब 9 बजे वह अचानक अपने घर से लापता हो गई थी। परिजनों ने थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। 20 फरवरी की ▸▸ शेष पेज 6 पर

खबर संक्षेप

सीएम सुक्खू की तबीयत बिगड़ी, एम्स ले गए

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू शनिवार की सुबह के दिल्ली में बीमार पड़ गए। पेट में हल्के दर्द के बाद वह दिन में करीब 12 बजे उपचार के लिए एम्स दिल्ली पहुंचे। टेस्ट कराने के बाद सीएम सुक्खू वापस हिमाचल सदन लौट आए हैं।

सलीम खान की तबीयत सुधरी, वेंटिलेटर से हटाया

मुंबई। अभिनेता सलमान खान के पिता सलीम खान का मुंबई के लीलावती अस्पताल में उपचार चल रहा है। खान के नजदीकी संतोष शुक्ला ने बताया कि उनकी हालत में सुधार के चलते वेंटीलेटर हटा लिया गया है। संतोष शुक्ला ने बताया कि उनकी तबीयत ठीक है।

कांग्रेस ने इस्तीफा किया नामंजूर

हेमंत कटारे उप नेता और वे बने रहेंगे: जीतू

विशेष प्रतिनिधि ▸▸ भोपाल

■ कटारे बोले- पूरी ताकत से भाजपा को धोने का काम करूंगा

विधानसभा की कार्यवाही में हिस्सा लेने के बाद उप नेता प्रतिपक्ष के पद से इस्तीफा देने वाले अटेर सीट से कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे ने एक्स के जरिए स्पष्ट किया है कि मेरे इस्तीफे के और अर्थ नहीं निकाले जाने चाहिए। मैं कांग्रेस में हूं और 23 फरवरी ▸▸ शेष पेज 6 पर

फोन पे का नया बायोमेट्रिक फीचर

अब बिना 'यूपीआई पिन' के 5000 तक कर सकेंगे पेमेंट

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

■ भीड़ में पिन चोरी का खतरा होगा खत्म

फोन पे ने यूपीआई पेमेंट के लिए बायोमेट्रिक फीचर शुरू किया है। अब 5,000 तक के ट्रांजेक्शन फिंगरप्रिंट या फेस आईडी से होंगे। यह सुविधा अभी एंड्राइड यूजर्स के लिए उपलब्ध है और जल्द आईओएस पर भी आएगी। इससे भुगतान की प्रक्रिया पहले से कई ज्यादा तेज और आसान हो ▸▸ शेष पेज 6 पर

तीन आरतियों का भी बदलेगा समय

4 मार्च से ठंडे जल से स्नान करेंगे महाकाल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ उज्जैन

■ होली तक भस्म आरती 4 बजे से सुबह 6 बजे तक

होली के अवसर से राजाधिराज महाकाल ठंडे जल से स्नान करेंगे। इसके पहले अभी तक बाबा महाकाल को गरम जल से स्नान कराया जाता रहा। बाबा महाकाल ठंड के दौरान गरम जल से और गर्मी के मौसम के दौरान ठंडे पानी से स्नान करते है। ठंडे जल से स्नान कराने की शुरूआत ▸▸ शेष पेज 6 पर

यौन शोषण केस में कोर्ट का आदेश

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर दर्ज होगी एफआईआर

एजेंसी ▸▸ प्रयागराज

■ स्वामी ने कहा केस करने वाला हिस्ट्रीशीटर

विवादों में रहे ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ यौन शोषण के गंभीर आरोपों के मामले में एडीजे रेप एवं पॉक्सो स्पेशल कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने झूंसी थाना पुलिस को निर्देशित किया है कि वह स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और ▸▸ शेष पेज 6 पर

पत्नी की आरटीआई याचिका खारिज

पति के वेतन का विवरण निजी सूचना, जानना पत्नी का हक नहीं

राजस्थान हाइकोर्ट का बड़ा फैसला

फाइल फोटो

एजेंसी ▸▸ जयपुर

राजस्थान हाइकोर्ट ने राज्य सरकार का आदेश बरकरार रखा, जिसमें पत्नी द्वारा दायर सूचना अधिकार आवेदन के तहत पति के वेतन संबंधी विवरण देने से इनकार किया गया था। अदालत ने कहा कि किसी कर्मचारी के वेतन और सेवा संबंधी विवरण व्यक्तिगत सूचना की श्रेणी में आते हैं। मामले में याचिकाकर्ता ने संबंधित विभाग में कार्यरत अपने पति के एक निश्चित अवधि के वेतन पर्ची और वेतन भुगतान का विवरण मांगा। राज्य ने यह कहते हुए सूचना देने से इनकार किया कि मांगी गई ▸▸ शेष पेज 6 पर

'सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय' पर वैश्विक सहमति

भारत के विजन पर 88 देशों-संगठनों की मुहर

वैष्णव बोले- यह ह्यूमन-सेंट्रिक एआई की दिशा में ऐतिहासिक कदम

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

एआई समिट 2026 में 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भारत के एआई घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसे ह्यूमन-सेंट्रिक एआई की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। वैष्णव ने शनिवार को इसकी घोषणा करते हुए साफ किया कि दुनिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मानव-केंद्रित एआई दृष्टिकोण को खुले तौर पर स्वीकार कर लिया है। यह कदम वैश्विक स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक के सुरक्षित, समान और जवाबदेह विकास की दिशा में एक अहम मील का पत्थर माना जा रहा है। वैष्णव ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि कुल 88 हस्ताक्षरकर्ताओं में से 86 देशों और दो अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय (सभी का कल्याण, सभी की खुशी) के सिद्धांत को ▸▸ शेष पेज 6 पर

अश्विनी वैष्णव

तकनीक पर अब एकाधिकार नहीं

यह ऐतिहासिक घोषणापत्र बताता है कि एआई जैसी क्रांतिकारी तकनीक पर अब किसी एक देश या चंद टेक कंपनियों का एकाधिकार नहीं रहेगा। 88 देशों और संगठनों की यह एकजुटता एआई के सुरक्षित विकास और इसके आर्थिक लाभों को विकासशील देशों तक पहुंचाने का रास्ता साफ ▸▸ शेष पेज 6 पर

भारत-ब्राजील के बीच कई समझौते...हैदराबाद हाउस में साझा प्रेस वार्ता

20 अरब का कारोबार! दुर्लभ खनिज-रक्षा क्षेत्र में सहयोग

▸▸ ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा ने कहा कि छठी बार इस देश में वापस आना मेरे लिए खुशी की बात

▸▸ भारत-ब्राजील व्यापार को बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने में रणनीतिक भूमिका निभाने के लिए तैयार

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा और पीएम मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच कई व्यापार समझौते पर मुहर लगी है। लूला दा सिल्वा प्रधानमंत्री मोदी के न्योते पर भारत आए हैं।

वे 18-22 फरवरी तक भारत के राजकीय दौरे पर हैं। ब्राजील के सरकारी बैंक बैंको डी ब्राजील की अध्यक्ष टार्सियाना मेडेरोस ने कहा है कि उनका बैंक भारत-ब्राजील व्यापार को बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने में रणनीतिक भूमिका निभाने के लिए तैयार है। नई दिल्ली में आयोजित भारत-ब्राजील बिजनेस फोरम में उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन इसमें अभी और बहुत संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि कृषि, ऊर्जा, खनिज, दवा, तकनीक और मैन्युफैक्चरिंग ऐसे सेक्टर हैं जिनमें सहयोग बढ़ाकर व्यापार को तेजी से बढ़ाया जा सकता है। साथ ही ग्रीन ▸▸ शेष पेज 6 पर

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा और पीएम मोदी

एनर्जी कोऑपरेशन हमारे रिश्ते का एक मजबूत स्तंभ: पीएम मोदी

हैदराबाद हाउस में साझा प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा ने कहा कि छठी बार इस देश में वापस आना मेरे लिए खुशी की बात है। भारत और ब्राजील के बीच मीटिंग बहुत बढ़िया मीटिंग है। यह एक डिजिटल सुपरपावर और एक रिन्यूएबल एनर्जी सुपरपावर ▸▸ शेष पेज 6 पर

खबर संक्षेप

ब्राह्मण समाज का परिचय सम्मेलन 18 को

भोपाल। जिझौतिया ब्राह्मण समाज द्वारा परशुराम सेना मध्य प्रदेश एवं ब्राह्मण एकता अस्मिता सहयोग संस्कार मंच के सहयोग से सर्व ब्राह्मण युवा-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन 18 अप्रैल को सुबह 10 बजे से किया जाएगा। यह सम्मेलन मानस भवन, गुफा मंदिर परिसर में आयोजित होगा। आयोजक राकेश चतुर्वेदी ने बताया कि कार्यक्रम में विवाह योग्य लड़के-लड़कियों की जानकारी से युक्त एक वैवाहिक पुस्तिका का विधिवत विमोचन भी कियाजाएगा।

बीयू में रैगिंग मामले में छह छात्रों को किया बाहर

भोपाल। राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में एंटी रैगिंग कमेटी की बैठक के बाद 6 छात्रों को विश्वविद्यालय और हॉस्टल से निष्कासित किया गया है। बीयू प्रशासन के अनुसार यह सभी छात्र बीई चतुर्थ वर्ष, बीई द्वितीय वर्ष और बीई तृतीय वर्ष के छात्र हैं। बीयू प्रशासन के आदेश के अनुसार यह विद्यार्थी तत्काल प्रभाव से जवाहर छात्रावास को खाली करेंगे और छात्रावास तथा अध्ययनरत संस्थान में प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। शैक्षणिक संस्था अथवा हॉस्टल के आसपास पाए जाने पर पुलिस कार्रवाई होगी।

राजधानी में आरटीओ का सर्वर धीमा होने के कारण लोग हो रहे परेशान

भोपाल। आरटीओ संबंधी कार्य बार-बार अटक रहे हैं। कारण एनआईसी का पोर्टल सर्वर धीमा होना है। इससे कभी ड्राइविंग लाइसेंस के ऑनलाइन आवेदन अटक जाते हैं तो कभी वाहनों के पंजीयन की प्रक्रिया नहीं होती है। शुक्रवार को इस तरह की शिकायत देखने को मिली थी। ऐसे में अब जिन लोगों के काम नहीं हो सकेंगे, अब उनके काम सोमवार को हो सकेंगे। ऐसे में शनिवार व रविवार के अवकाश के बाद सोमवार को कार्यालय में भारी दबाव रहेगा। जानकारी के अनुसार वाहन डीलरों की ओर से पंजीयनों की फाइल आरटीओ भेज जाती हैं, लेकिन यहां पर पंजीयन कार्ड की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाती। इसी तरह फिटनेस के कार्य भी प्रभावित होते हैं।

शीतला माता मंदिर में हुई माता गौरा की मुंह दिखाई महिलाओं ने माता रानी से की अटल सुहाग की प्रार्थना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में में महाशिवरात्रि पर शिव विवाह के बाद पारंपरिक धार्मिक रस्में शुरू हो गई हैं, जो होली तक चलेंगी। इसके तहत शीतला माता मंदिर और बड़वाले महादेव मंदिर में शनिवार को मुंह दिखाई रस्म हुई।

मेरी गौरा लाडो पार्वती तेरा दूल्हा सबसे न्यारा है

नई दुल्हन के ससुराल पहुंचते ही होने वाली सबसे अहम मुंह दिखाई की रस्म शनिवार को टीला जमालपुरा स्थित शीतला माता मंदिर में धूमधाम से संपन्न हुई। मंदिर के पुजारी श्रीहरि जोशी ने बताया कि माता गौर का दुल्हन स्वरूप में श्रृंगार कर एक मंच पर विराजित किया गया। जहां बड़ी संख्या महिला श्रद्धालुओं ने सुहाग सामग्री व अन्य चढ़ावा चढ़ाकर माताजी का मुख निहारा एवं स्वयं के अटल सुहाग की प्रार्थना की। ढोलक की थाप पर मेरी गौरा लाडो पार्वती तेरा दूल्हा सबसे न्यारा है... मेरी प्यारी सी गौरा बनी है दुल्हनिया..., सज के बेठें हैं भोले बाबा..., ब्रह्मा विष्णु बजा रहे बाजा... अपनी तो जैसे तैसे... भांग धतूरा खाके कट जाएगी.. जैसे भजनों की स्वर लहरियों पर महिलाओं ने जमकर नृत्य किया।

आई नई दुल्हनिया हमारे अंगना में

सबका दुलार ले लो गोरा तू आज मुंह दिखाई में.....। घूंघट में आई प्यारी गौरा अंगना में ढोलक बजे.....। आई नई दुल्हनिया हमारे अंगना में घूंघट करके। आई हो पहली बार गोरा जी धीरे से पग रखना.....। श्री बड़वाले महादेव मंदिर में शनिवार मां पार्वती की मुंह दिखाई रस्म के मौके पर उक्त बधाई गीत गाते हुए, बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने दुल्हन स्वरूपा मां भगवती की बलैईया ली एवं स्वयं के लिए अखंड सौभाग्य की कामना के साथ जमकर नृत्य किया। बुलउआ होने के बाद सभी श्रद्धालु महिलाओं को बूंदी, बताशा एवं सुहाग सामग्री का वितरण समिति की ओर से किया गयो समिति के संयोजक संजय अग्रवाल एवं प्रमोद नेमा ने बताया कि रविवार को बाबा बटेश्वर एवं मां पार्वती का दूल्हा-दुल्हन रूप में आलौकिक श्रृंगार कर छप्पन भोग अर्पित किया जायेगा । इसके बाद सभी दर्शनार्थियों को महाप्रसाद का वितरण होगा 1 मार्च को माता जी की विदाई एवं प्रदोष उत्सव के साथ 21 दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव का समापन होगा।

शहर के 85 वार्डों और 165 स्थानों पर शनिवार को लगे राजस्व वसूली शिविर, कार्यालयों में दिन भर रहा सन्नाटा

राजस्व वसूली शिविरः वार्ड कार्यालयों से बकायादारों को दिन भर मोबाइल से पहुंचे कॉल, भेजे गए मैसेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति में अब चंद दिन ही शेष हैं। ऐसे में भोपाल नगर निगम राजस्व वसूली को लेकर अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। शरिवार को अवकाश के दिन भी निगम के 85 वार्ड कार्यालयों के 500 से ज्यादा कर्मचारी 165 स्थानों पर लगे राजस्व वसूली शिविरों के अलावा घर-घर दस्तक देने पहुंचे ताकि अधिक से अधिक राजस्व वसूली हो सके। वार्ड प्रभारी अपने वार्ड के कर्मचारियों को क्षेत्र में भेजने, मोबाइल से मैसेज भेजने और मोबाइल पर काल करने को कहते रहे और वसूली की जानकारी लेते रहे। अधिकांश वार्ड प्रभारी फील्ड में रहे और वसूली की जानकारी लेते रहे, लेकिन वार्ड कार्यालयों में दिनभर सन्नाटा ही रहा। इक्का-दुक्का लोग ही स्वयं संपत्तिकर और जल दर की बकाया राशि जमा करने पहुंचे। शहर के लगातार दूसरे शनिवार को भी सभी 85 वार्डों में राजस्व वसूली के लिए विशेष अभियान चलाया गया। आलम यह रहा कि वार्ड कार्यालयों और 165 स्थानों पर लगाए गए शिविरों में दिन भर सन्नाटा पसरा रहा। अधिकांश कर्मचारी फील्ड में ही रहे। वार्ड कार्यालयों व शिविरों में इक्का-दुक्का लोग ही पहुंचे। स्थिति देख निगम कर्मचारियों ने खुद मोर्चा संभाला। वे वार्डों में 'डोर-टू-डोर' दस्तक देने निकले। कर्मचारियों ने घर-घर जाकर बकायादारों को बकाया राशि जमा करने की चेतावनी दी और कई उपभोक्ताओं से मौके पर ही कर वसूली की प्रक्रिया पूरी की।

वार्ड प्रभारी बकायादारों की सूची लेकर कर्मचारियों को दिनभर अपने-अपने क्षेत्र में भेजते रहे

वार्ड 25 में आयोजित शिविर।

बड़े बकायादारों को दिए नोटिस, संपत्ति होगी कुर्क

निगम अमले ने ऐसे बड़े बकायादारों जिन्होंने लंबे समय से टैक्स नहीं भरा है, उनके खिलाफ वार्ड स्तर पर संपत्ति कुर्की की कार्रवाई करने के नोटिस दिए। आगामी तीन दिन में राशि जमा नहीं करने पर संपत्ति कुर्क होगी। वार्ड नंबर-13 में कई बकायादारों ने नोटिस मिलने के बाद राशि जमा भी करवाई। ऐसा कई वार्डों में हुआ।

अधिकांश कर्मचारी फील्ड में रहे

वार्ड नंबर-25, 46, 47, 45, 70, 58, 13, 40 में हरिभूमि की टीम मौके पर पहुंची। यहां इक्का-दुक्का लोग ही टैक्स जमा करने के लिए पहुंचे जबकि कर्मचारी इंतजार करते रहे। कुछ कर्मचारी फील्ड में थे तो कुछ वार्ड कार्यालय से उनसे फीड बैक लेते रहे।

700 करोड़ से ज्यादा करना है वसूली

नगर निगम प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चिंता राजस्व का लक्ष्य है। आंकड़ों पर नजर डालें तो 700 करोड़ से अधिक की वसूली करना है। अब तक 400 करोड़ से ज्यादा का राजस्व मिल चुका है। बीते सप्ताह लगे शिविरों में 1 करोड़ 21 लाख रुपए से ज्यादा की वसूली हुई थी। 31 मार्च की समय सीमा तक निगम को अभी 300 करोड़ से अधिक की वसूली करना है।

जल दर जमा नहीं करने पर पांच नल कनेक्शन काटे

संपत्ति कुर्क करने पहुंची टीम हड़कंप मचा, 7 बकायादारों की संपत्ति पर जड़े ताले

संपति कुर्क करने पहुंची निगम की टीम।

भोपाल। राजस्व वसूली को लेकर ननि एक्शन मोड में है। इस दौरान जब टीम पहुंची तो क्षेत्र में हडकंप मच गया और लोग एकत्र हो गए। इस दौरान सात बकायादारों की संपित पर ताले जड़ दिए जबकि जलदर के पांच बकायादारों के नल कनेक्शन काटे गए। निगमायुक्त के निर्देश पर निगम के अमले ने वार्ड नं-13 के फिरदौस नगर बैरासिया रोड के एजाज मो. खान पर संपत्तिकर की बकाया राशि 2 लाख 33 हजार 784, फिरदौस नगर बैरासिया रोड की हामिदा खान पर संपत्तिकर की बकाया राशि 1 लाख 40 हजार 408 आदि संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की।

संपति कर में गड़बड़ी सुधार की फाइलें अब आरओ देखेंगे

भोपाल। निगम मुख्यालय में संपत्तिकर में गड़बड़ियों में सुधार की फाइलें अब सहायक आयुक्त की जगह आरओ देखेंगे। निगम प्रशासन ने बड़ी संख्या में निगम मुख्यालय में पेंडिंग फाइलों को देखते हुए यह निर्णय लिया है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार नगर निगम की सहायक आयुक्त कीर्ति चौहान इन मामलों को देख रही थीं, लेकिन उनके निराकरण में देरी हो रही थी। इसकी शिकायत निगम आयुक्त तक पहुंची तो उन्होंने यह जिम्मा अब विधानसभा वार बनाए गए आरओ को दे दिया।

गैस पीड़ितों के मेडिकल रिकॉर्ड होंगे पूरी तरह डिजिटल

बीएमएचआरसी का एमओयू।

भोपाल। बीएमएचआरसी ने गैस पीड़ितों एवं उनकी आश्रित संतानों को और अधिक आधुनिक व सुगम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। अस्पताल ने भारत सरकार के उपक्रम एचएलएल इन्फ्राटेक सर्विसेज लिमिटेड (हाइट्स) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। शनिवार को बीएमएच आरसी की प्रभारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने हाइट्स के मध्य भारत के जोनल हेड एवं एसोसिएट वाइस प्रेजिडेंट प्रेम प्रकाश के साथ इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने बताया कि समझौते के तहत बीएमएचआरसी में उपलब्ध सभी गैस पीड़ितों एवं उनकी आश्रित संतानों के पुराने मेडिकल रिकॉर्ड को स्कैन कर डिजिटल प्रारूप में परिवर्तित किया जाएगा और उन्हें अस्पताल के हॉस्पिटल इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम (एचआईएमएस) से जोड़ा जाएगा। यह कार्य एक वर्ष की निर्धारित अवधि में पूर्ण किया जाएगा।

- बीएमएचआरसी का एचएलएल इन्फ्राटेक सर्विसेज लिमिटेड के साथ हुआ एमओयू

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में पहली बार रियोलिटिक थ्रोम्बेक्टॉमी सुविधा नोबल हॉस्पिटल में शुरू

125 से ज्यादा मरीजों पर थ्रोमबेक्टमी सफलतापूर्वक संपन्न

बड़ी उपलब्धिः न ही सर्जरी, न ही करना होगा बेहोश, एक छोटी सुई से हटेगा रक्त का थक्का

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हाथ, पैर, पेट, डायलिसिस फिस्टुला सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों में बने रक्त के थक्कों हटाने के लिए अब ना ही बड़ी सर्जरी करनी होगी और ना ही मरीज को बेहोश करना पड़ेगा। राजधानी भोपाल के नोबल हॉस्पिटल में शुरू हुई रियोलिटिक थ्रोम्बेक्टॉमी तकनीक से मरीज के हाथ, पैर, पेट, डायलिसिस फिस्टुला में रक्त के थक्के को बिना सर्जरी किए सिर्फ एक छोटी सुई से हटाया जा सकेगा।

यह सुविधा पूरे मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में अपनी तरह की पहली उन्नत तकनीक है, जो जटिल रक्त के थक्कों (ब्लड क्लॉट) के उपचार में सहायक है। शनिवार को आयोजित पत्रकारवार्ता में डॉ. अगम्य सक्सेना (एमडी, ईबीआईआर) चीफ इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट, नोबल हॉस्पिटल और डॉ. सर्वेश मिश्रा (एमबीबीएस, एमडी), डायरेक्टर, नोबल हॉस्पिटल ने बताया कि यह प्रणाली फार्मोकोमैकेनिकल तकनीक पर आधारित है, जिसमें दवा और मैकेनिकल प्रक्रिया के संयोजन से थक्के को हटाया जाता है तथा प्रभावित हिस्से में रक्त प्रवाह को शीघ्र बहाल किया जाता है। डॉ. सक्सेना ने बताया कि इस तकनीक के माध्यम से हाथ, पैर, पेट, डायलिसिस फिस्टुला सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों में बने रक्त के थक्कों को बिना बड़ी सर्जरी के हटाया जा सकता है। इस प्रक्रिया में बड़े चीरे की आवश्यकता नहीं होती। केवल एक छोटी सी सुई के माध्यम से धमनी के रास्ते प्रभावित हिस्से तक पहुंचकर थक्का हटाया जाता है। नोबल अस्पताल में डॉक्टर अगम्य सक्सेना ने इस तकनीक से अभी तक 125 से ज्यादा मरीजों पर जटिल थ्रोमबेक्टमी सफलतापूर्वक संपन्न की हैं।

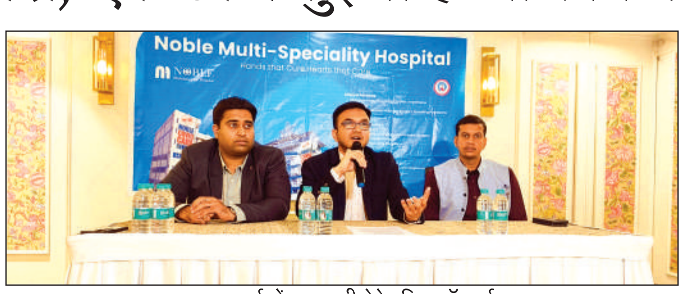

पत्रकारवार्ता में जानकारी देते वरिष्ठ डॉक्टर्स।

यह हैं लक्षण

डॉ. सर्वेश मिश्रा ने बताया कि अचानक हाथ या पैर में कमजोरी, सूजन, तेज दर्द, त्वचा का रंग बदलना, बोलने में कठिनाई या शरीर के किसी हिस्से में सुन्नता जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करें और तत्काल इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट से परामर्श लें।

भोपाल मंडल होकर पुणे-गाजीपुर सिटी-पुणे के मध्य होली स्पेशल ट्रेन

भोपाल। रेलवे द्वारा आगामी त्यौहारों होली पर यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। इसी के तहत मध्य रेल से प्रारम्भ/टर्मिनेट होने वाली स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 01431/01432 पुणे-गाजीपुर सिटी-पुणे स्पेशल ट्रेन भोपाल मंडल के इटारसी होकर जाएगी। गाड़ी संख्या 01431 पुणे से गाजीपुर सिटी स्पेशल ट्रेन यात्रा मांग पर 24 एवं 27 फरवरी एवं होली के अवसर पर 3 एवं 6 मार्च को पुणे स्टेशन से सुबह 06:40 बजे प्रस्थान कर मार्ग से होते हुए, इटारसी 21:00 बजे, पिपरिया 22:10 बजे, नरसिंहपुर 23:05 बजे, पहुंचकर अगले दिन मदनमहल मध्यरात्रि 00:40 बजे, कटनी 02:45 बजे, मैहर 04:10 बजे, सतना 06:00 बजे पहुंचकर मार्ग से होते हुए रात में 19:05 बजे गाजीपुर सिटी स्टेशन पहुंचेगी।

सूचना पटल पर गलत रोल नंबर लिखने से विद्यार्थी और अभिभावक हुए परेशान

स्कूल में परीक्षा के दौरान विद्यार्थी परेशान हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

इन दिनों सीबीएसई की परीक्षाएं चल रही है। इसी के चलते सेज इंटरनेशनल स्कूल में सूचना पटल पर एक पर्चा चिपकाया गया है। इस पर्चे में छात्र-छात्राओं के रोल नंबर एवं रूम नंबर लिखे गए है। इन रोल नम्बरों में छात्र-छात्राओं के माता-पिताओं का कहना है कि कुछ रोल नबंर में गलतियां होने के कारण परीक्षा के समय छात्र-छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। जब इस विषय में प्रिंसीपल नीलम चौधरी सेज इंटरनेशनल स्कूल से बात की गई तो उनका कहना है कि ऐसा कुछ नहीं है। हम समय के अनुसार छात्र-छात्राओं के एग्जाम कराएंगे। इससे किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होगी। जबकि अभिभावको कहना है कि रोल नंबर सही नहीं लिखे जाने से कन्फ्यूजन हुआ जिसके कारण समय एवं छात्रों में तनाव की स्थिति बनी।

12वीं की परीक्षा में 3 नकलची पकड़े

भोपाल। शनिवार को प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हायर सेकेंडरी परीक्षा विषय कृषि, होम साइंस, एकाउटेंसी की परीक्षा हुई। माशिमं के अनुसार सुबह 9 से 12 बजे के बीच हुई परीक्षा प्रदेशभर में शांतिपूर्ण रही। सम्पन्न हुई इस परीक्षा में जिला मंदसौर में 2, छिंदवाड़ा में एक कुल 3 नकल के प्रकरण दर्ज हुए हैं।

एसपीएम कॉलेज में जागरुकता अभियान

डरना नहीं, समझना होगा तभी एड्स से बचना होगा

मानव श्रृंखला बनाकर युवाओं और आसपास के रहवासियों को एचआईवी, एड्स के प्रति जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी स्थित शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय के रेड रिवन क्लब एवं प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा संयुक्त रूप से एचआईवी, एड्स जागरुकता अभिमान के तहत सेमीनार का आयोजन प्रभारी प्राचार्य डॉ कीर्ति जैन के संरक्षण, डॉ हेमलता वर्मा रेड रिवन क्लब प्रभारी एवं डॉ कल्पना दवे विभागाध्यक्ष प्राणी शास्त्र के मार्गदर्शन में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में डां राजेन्द्र चौहान सेवा निवृत्त प्राध्यापक प्राणी शास्त्र ने विद्यार्थियों को एचआईवी, एड्स के विषय में जानकारी दी एवं मुख्य वक्ता डॉ आईए दुर्रानी ने एड्स कैसे होता है और इसके गंभीर परिणाम से विद्यार्थियों को अवगत कराया। इस अवसर पर मानव श्रृंखला बनाकर महाविद्यालय के युवाओं एवं आसपास के रहवासियों को एचआईवी, एड्स के प्रति जागरुक किया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों द्वारा रहवासियों एवं युवाओं को भी बताया कि एड्स एक जानलेवा बीमारी है। एचआईवी संक्रमण के बाद मानव शरीर में प्रतिरोधक क्षमता घटने से व्यक्ति कई बीमारियों से ग्रसित हो जाता है। अतः एड्स की जानकारी से ही एड्स का बचाव किया जा सकता है।

अभी छत्तीसगढ़ के ऊपर एक सर्कुलेशन करेगा प्रदेश के पूर्वी हिस्से में मामूली असर

दो दिन बाद मौसम साफ होगा

कल कुछ जिलों में बारिश, भोपाल में गिरेगा रात का पारा, दिन के पारे 8 डिग्री बढ़ोतरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में अभी मौसम मिलाजुला है। सोमवार को भी कुछ जिलों में बारिश होगी। भोपाल में बादल छंटने से रात में ठंड बढ़ेगी। अभी छत्तीसगढ़ के ऊपर एक सकुर्लेशन होने से पूर्वी मप्र के कुछ हिस्से भीगेंगे। दो दिन बाद मौसम पूरी तरह साफ होने से प्रदेशभर में दिन के तापमान में औसतन 3 से 4 डिग्री तक बढ़त होगी।

शनिवार को भोपाल में बादलों का असर कम होने से दिन के तापमान में 7.6 डिग्री की बढ़त रही। दिन के पारे में यह रतलाम के बाद प्रदेश में सर्वाधिक बढ़त है। रतलाम में 8 डिग्री बढ़कर 29.2 डिग्री रहा, जो नॉर्मल से आधा डिग्री कम है। प्रदेश में औसत अधिकतम पारे में शनिवार को औसतन 3 डिग्री की बढ़त रही। रात का औसतन दो डिग्री तक गिरा। औसत दिन का पारा अब 28 और रात का 14 डिग्री पर रहा है। भोपाल में 7.6 डिग्री की बढ़त के साथ पारा 29.8 डिग्री रहा, जो नॉर्मल से दशमलव दो डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री गिरकर 14.6 डिग्री रहा, जो सामान्य से आधा डिग्री अधिक है। मौसम केंद्र के अनुसार कल के बाद मौसम साफ होगा। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अभी छत्तीसगढ़ के ऊपर एक सकुर्लेशन होने से सोमवार को भी कुछ जिलों में हल्की बारिश होगी। मंगलवार या इसके बाद मौसम साफ होने से रात का पारा गिरेगा।

भदभदा रोड पर शाम 5 .30 का दृश्य।

आज यहां बारिश का अलर्ट

रविवार को सिंगरौली, सीधी, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, मंडला आदि जिलों में कुछ जगह हल्की से मध्यम हवाओं के साथ बारिश का अलर्ट है। भोपाल में धुंध और बीच-बीच में हल्के बादलों का असर रहेगा। रविवार को शहर के रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री की और कमी आएगी।

अब दिन में गर्मी बढ़ेगी

विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार दो से तीन दिन में प्रदेशभर में मौसम पूरी तरह साफ होने से धूप में बढ़त होगी। हवाएं भी बदलेंगी। इससे दिन के तापमान में 3 से 5 डिग्री तक अभी और वृद्धि होगी। इससे दिन का औसत दिन का पारा 31 से 32 डिग्री तक पहुंचने की उम्मीद है। भोपाल में अभी ज्यादा बदलाव नहीं होगा।

एसआईआर में जोड़ दिए 82 हजार नए नाम, फिर भी कम हुए तीन लाख 80 हजार वोटर्स

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

राजधानी में 22 साल बाद हुए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के ड्राफ्ट रोल में काटे गए 4 लाख 38 हजार नामों के बाद करीब 82 हजार नए नाम जोड़े गए हैं, जिनमें पहली बार नाम जुड़वाने वाले वोटर्स की तादाद 23 हजार 294 है। एसआईआर की फाइनल वोटर लिस्ट में अब 17 लाख 45 हजार 453 मतदाता शामिल हैं। जबकि 23 दिसंबर को जारी किए गए ड्राफ्ट रोल में वोटर्स की संख्या 16 लाख 87 हजार 33 थी। अब भोपाल में 8 लाख 88 हजार 530 पुरुष, 8 लाख 56 हजार 851 महिला मतदाता हैं। साथ ही 72 अन्य मतदाता शामिल हैं।

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि सभी दलों को वोटर लिस्ट की कॉपी सौप दी गई है। एसआईआर की अंतिम वोटर लिस्ट के प्रकाशन के बाद भी नए वोटर्स के नाम जुड़ते रहेंगे। लेकिन 2003 का रिकॉर्ड देना होगा। उसके बाद ही नाम जोड़ा जाएगा। यदि आपका नाम अंतिम मतदाता सूची में नहीं है, तो प्रपत्र संख्या 6 भरकर आवश्यक घोषणा और दस्तावेजों सहित ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन आवेदन किया जा सकता है।

एसआईआर की फाइनल वोटर लिस्ट जारी

नो मैपिंग, लॉजिकल डिस्पेंसी और संशोधन वाले 31 हजार नाम कटे

वोटर लिस्ट की कॉपी सौपते कलेक्टर।

पहले इतने थे मतदाता

एसआईआर से पहले 27 अक्टूबर 2025 की स्थिति में भोपाल की मतदाता संख्या 21 लाख 25 हजार 908 थी, जो अब 17 लाख 45 हजार 453 हो गई है। इस तरह वोटर लिस्ट से 3 लाख 80 हजार 455 मतदाता कम हो गए हैं।

दक्षिण-पश्चिम में बिगड़ा जेंडर रेशो

राजधानी में प्रोजेक्टेड आबादी 35 लाख मानी जाती है, जिसके आधार पर जेंडर रेशो 60 फीसद तक विधानसभा में होना चाहिए। जबकि भोपाल की कई विधानसभा में ये घटकर 55 फीसदी तक पहुंच गया है। अफसरों का कहना है कि भोपाल में नए वोटर्स के लिस्ट में 1 हजार पुरुष मतदाताओं पर महिला वोटर्स की संख्या 946 (55.79 फीसदी) हो गई है। इसी तरह उत्तर में 54.03 फीसद, नरेला में 54.11, दक्षिण-पश्चिम में 47.68, मध्य में 43.73 और गोविंदपुरा में 57.79 फीसद रह गई है।

किस विधानसभा में कितने कम हुए मतदाता विधानसभा

	प्रारंभिक लिस्ट		कम हुए
बैरसिया	253919	245030	8889
उत्तर	249708	205605	44103
नरेला	354854	283893	70961
दक्षिण पश्चिम	234139	172610	61529
मध्य	244245	181274	62971
गोविंदपुरा	401909	320746	81163
हुजूर	387134	336295	50839
कुल	2125908	1745453	380455

203 लोकेशन को ज्यादा दाम वाली लोकेशन में किया जाएगा मर्ज

जिले में 824 लोकेशन पर बढ़ेंगे प्रॉपर्टी के दाम घाटखेड़ी में 33, लाऊखेड़ी में 25% की बढ़ोतरी

अधिकतर लोकेशन पर बढ़ाए दस से 25 फीसदी तक दाम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

एक अप्रैल से लागू होने वाली प्रॉपर्टी की नई गाइडलाइन को लेकर एक बार फिर प्रॉपर्टी के खरीदारों को महंगाई का सामना करना पड़ेगा। पंजीयन विभाग ने दो हजार 881 लोकेशन में से 826 लोकेशन पर बढ़ोतरी प्रस्तावित कर दी है। जिसमें 621 लोकेशन पर सीधे दाम बढ़ाए जाएंगे, जबकि 203 लोकेशन को नजदीक स्थित ज्यादा दाम वाली लोकेशन में मर्ज कर दिया जाएगा। ऐसा करने से इन कॉलोनियों में भी प्रॉपर्टी के दाम बढ़ जाएंगे।

शनिवार को जिला मूल्यांकन समिति की बैठक में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के सामने पंजीयन विभाग के अफसरों ने बढ़ोतरी का प्रस्ताव पेश किया। जिसमें दस से लेकर 33 फीसद तक दाम बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस बार अधिकतर लोकेशन पर दस से 25 फीसदी तक की बढ़ोतरी का प्रस्ताव पेश किया गया है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह का कहना है कि प्रस्तावित बढ़ोतरी को लेकर जांच कराई जा रही है। जिसके लिए आम लोगों से भी सुझाव मांगे जाएंगे। लोकेशनों की पड़ताल में घाटखेड़ी में 33 फीसदी की बढ़ोतरी प्रस्तावि है, जबकि लाऊखेड़ी, दामखेड़ा खुर्द, नर्मदा एवेन्यू और झागरिया खुर्द में 25 फीसदी तक दाम बढ़ाए जा रहे हैं।

खास बातें

- एक अप्रैल से महंगी हो जाएगी प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री
- जिला मूल्यांकन समिति की बैठक में विधायक ने किया विरोध

जिला मूल्यांकन समिति की बैठक का दृश्य।

मास्टर प्लान क्षेत्र में दोगुनी बढ़ोतरी

राजधानी में भले ही अब तक मास्टर प्लॉन को लागू नहीं किया गया हो, लेकिन पंजीयन विभाग मास्टर प्लान में कमर्शियल क्षेत्र के नाम से चिन्हित लोकेशन पर आवासीय को कमर्शियल के बराबर करने का प्रस्ताव पेश किया गया है। ऐसे में अरेरा हिल्स, मिसरोद, अयोध्या और एयरपोर्ट के आसपास की जगहों पर प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री कमर्शियल रेट में की जाएगी। जिससे यहां पर भी प्रॉपर्टी के दामों में दोगुनी तक बढ़ोतरी हो जाएगी।

हायर रेट वाली 498 लोकेशन पर बढ़ेंगे दाम

विभाग ने 1307 लोकेशन पर हायर रेट में होने वाली लोकेशन की पड़ताल की थी। जिसमें से 498 लोकेशन्स पर बढ़ोतरी प्रस्तावित की जा रही है। ऐसे में इन जगहों पर भी पांच से 30 फीसद तक दाम बढ़ जाएंगे।

यहां भी बढ़ेंगे दाम: सागर एवेन्यू 18 से 20 हजार, एकतापुरी 15 हजार 800 से 17 हजार, पंतनगर 13 हजार 800 से 15 हजार और राजेंद्र नगर में 12 हजार 800 से 16 हजार रुपए प्रति वर्गमीटर बढ़े हुए रेट प्रस्तावित किए हैं।

विधायक ने किया विरोध, ब्यौरा भी नहीं सौंपा

जिला मूल्यांकन समिति के सदस्य दक्षिण पश्चिम के विधायक भगवानदास सबनानी बैठक में मौजूद रहे। पंजीयन अफसरों ने जब बताया कि गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र की सभी लोकेशन पर एक दर लागू की जानी चाहिए, जिस पर विधायक ने विरोध करते हुए कहा कि जेके रोड की लोकेशन को आप अंदर दो किलोमीटर की लोकेशन के बराबर नहीं मान सकते। विधायक के लोकेशन की डिटेल मांगने पर अफसर एक दूसरे का मुंह देखते रहे। जिस पर उन्होंने दोबारा से बैठक रखकर प्रजेंटेशन बनाने की बात कही।

इन जगहों पर बढ़ जाएंगे दाम

	लोकेशन वर्तमान आवासीय/कमर्शियल	प्रस्ताव बढ़ोतरी प्रतिशत आवासीय/कमर्शियल	
घाटखेड़ी	3000	4000	33
लाऊखेड़ी	12000/18000	15000/23000	25
दामखेड़ा खुर्द कॉलोनियां	16000	20000	25
नर्मदा एवेन्यू	16000	20000	25
झागरिया खुर्द	5600	7000	25
सीटीओ कॉलोनी	15000/22500	18000/27000	20
कैलाश नगर	15000/22500	18000/27000	20
पूजाश्री नगर	15000/22500	18000/27000	20
पंचवटी एलआईजी	10000/15000	12000/18000	20
लांबाखेड़ा	10000/15000	12000/18000	20
नबीबाग की कॉलोनियां	10000/15000	12000/18000	20
पुरुषोत्तम नगर	13000	15000	15
सुरम्य परिसर	26000	30000	15
पलासी की कॉलोनियां	15000/22000	17000/25000	13
एयरोसिटी राजाभोज	20000/30000	22000/33000	10

छह माह अभी और करना पड़ेगा इंतजार

विंध्याचल समेत आधा दर्जन ट्रेनें अभी नहीं आ सकेंगी आरकेएमपी

आरकेएमपी पिट तैयार होने के बाद रेलवे लेगा निर्णय

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

राज्यरानी-विंध्याचल समेत आधा दर्जन ट्रेनें आरकेएमपी अभी नहीं आ सकेंगी, इसके लिए यात्रियों को करीब छह माह का ओर इंतजार करना पड़ेगा। दरअसल आरकेएमपी पर नई पिट तैयार की जा रही है। लेकिन इस काम में देरी की वजह से अभी यात्रियों को यह सुविधा नहीं मिल पाएगी, पिट तैयार होने के बाद रेलवे निर्णय लेगा। उल्लेखीय है कि रेलवे की ओर से यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, राज्यरानी-विंध्याचल समेत आधा दर्जन ट्रेनें आरकेएमपी शिफ्ट करने की योजना थी। इन ट्रेनों के शिफ्ट से नए शहर के करीब एक लाख यात्रियों को लाभ मिलेगा।

घंटों तक आउटर पर खड़ी रहती हैं ट्रेनें

सुबह व शाम के समय दिल्ली से आने-जाने वाली ट्रेनों के कारण अप-डाउनर्स को खासतौर पर समस्या होती है। सुबह दिल्ली से आने वाली मालवा और अमृतसर एक्स सहित कुछ ट्रेनें भोपाल पहुंचती हैं। इनका समय सुबह 7 से लेकर 11 बजे तक होता है। यही समय राज्यरानी, विंध्याचल, जयपुर-भोपाल, जोधपुर-भोपाल और भोपाल-बीना पैसेंजर का भी है। दिल्ली वाली गाड़ियों की वजह से इन ट्रेनों को आउटर पर रोकना पड़ता है। इन गाड़ियों के लेट होने से यात्रियों को परेशानी होती है।

प्रस्ताव को फिलहाल मंजूरी नहीं

भोपाल रेल मंडल की ओर से मुख्य रेलवे स्टेशन पर यात्री भार कम करने राज्यरानी-विंध्याचल समेत आधा दर्जन ट्रेनों का आरकेएमपी तक एक्सटेंशन का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेजा था। लेकिन बोर्ड ने इस प्रस्ताव को फिलहाल मंजूरी नहीं दी। इसके चलते यह ट्रेनें अभी निधारित समय पर भोपाल स्टेशन से ही चलती रहेंगी। मंडल ने पिछले साल राज्यरानी, विंध्याचल, जयपुर एक्सप्रेस, भोपाल-बीना पैसेंजर, भोपाल-जोधपुर को आरकेएमपी तक एक्सटेंशन देने का प्रस्ताव भेजा था। इनके आरकेएमपी तक आने से भोपाल स्टेशन पर रोज 20 हजार से ज्यादा यात्रियों का लोड कम हो सकता था।

मध्य प्रदेश मेट्रो रेल निगम लिमिटेड के महाप्रबंधक को निर्देश

अदालत में हाजिर होकर बताएं झूठा हलफनामा क्यों पेश किया

कोर्ट ने कलेक्टर से मांगी थी मामले की रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जबलपुर

मप्र हाईकोर्ट ने मप्र मेट्रो रेल निगम लिमिटेड के महाप्रबंधक हरि ओम शर्मा को निर्देश दिए हैं कि वे व्यक्तिगत रूप से हाजिर होकर यह स्पष्टीकरण दें कि उन्होंने अदालत में झूठा हलफनामा क्यों पेश किया।

जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने महाप्रबंधक को 23 फरवरी को उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। यह मामला भोपाल मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 6 के समीप चल रहे मेट्रो निर्माण के

फाइल फोटो

कारण अवरोध एवं बैरिकेडिंग से संबंधित है। भोपाल के श्रीनिवास अग्रवाल व अन्य की ओर से दायर याचिका में कहा गया कि मेट्रो प्रबंधन ने फेंसिंग और बैरिकेडिंग पूरी तरह से नहीं हटाई है। इस पर मेट्रो रेल प्रशासन ने हलफनामे में कहा कि बैरिकेडिंग हटा दी गई है। इस पर हाईकोर्ट ने कलेक्टर से रिपोर्ट मांगी थी। कलेक्टर भोपाल द्वारा स्थल निरीक्षण के आधार पर रिपोर्ट में बताया गया कि याचिकाकर्ताओं को मात्र 3.75 फीट का संकरा मार्ग उपलब्ध कराया गया है, जो व्यवहारिक उपयोग हेतु पर्याप्त नहीं है। यह भी बताया गया कि तीनों ओर की बैरिकेडिंग हटाई नहीं गई है, जबकि महाप्रबंधक द्वारा कोर्ट में पेश शपथपत्र में यह उल्लेख किया गया था कि बैरिकेडिंग पूर्णतः हटा दी गई है।

ढाई एकड़ में बनी बांके बिहारी कॉलोनी में चला बुलडोजर

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

कोलार क्षेत्र के पिपलिया बेरखेड़ी में अवैध कॉलोनी पर कार्रवाई की गई है। यहां पर डेवलपर बांके बिहारी डेवलपर्स के नाम से ढाई एकड़ एरिया में अवैध कॉलोनी काटकर प्लॉट बेच रहा था।

सुनवाई के बाद डेवलपर्स कॉलोनी के वैध दस्तावेज पेश नहीं सका, जिसके आधार पर शनिवार को तहसीलदार जयवर्धन सिंह की टीम ने सड़क, बाउंड्री वॉल और गेट पर बुलडोजर चलवा दिया। कोलार एसडीएम पीसी पांडे ने बताया कि तहसीलदार की टीम ने शनिवार को

बाउंड्रीवाल तोड़ती जेसीबी।

पिपलिया बेरखेड़ी स्थित 2.5 एकड़ एरिया में बनाई गई बांके बिहारी डेवलपर्स की कॉलोनी में कार्रवाई की गई है। बिल्डर ने यहां कई लोगों को प्लॉट बेचकर रजिस्ट्री भी करा दी थी।

लंबे समय से नाबालिग का पीछा कर कर रहा था परेशान

मनचले को प्लान कर बुलाया फिर सरेराह पीटा, किया पुलिस के हवाले

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

छोला मंदिर थाना क्षेत्र में 17 साल की किशोरी से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को भाई और भाभी ने प्लान कर बुलाया और उसकी धुनाई कर दी। आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

हालांकि परिजन ने बदनामी का हवाला देते हुए एफआईआर दर्ज कराने से इंकार कर दिया। पुलिस ने मनचले के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। इलाके में रहने वाली 17 साल की किशोरी कक्षा 11वीं में पढ़ती है। अनुराग दुबे उसका पूर्व परिचित है। छात्रा का कहना है कि अनुराग उसे लंबे समय से परेशान कर रहा है। स्कूल आते जाते समस्य पीछा करता है। इसके

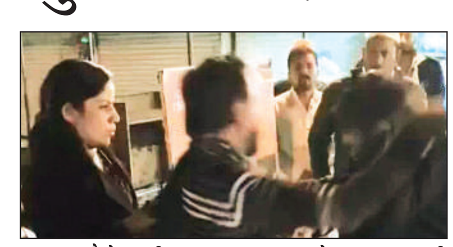

अलावा मैसेज भी कर रहा था। उसने यह जानकारी अपने भाई को दी। भाई ने उसे कहा कि मैसेज कर उसे घर के पास बुला लो। छात्रा ने शुक्रवार रात उसे घर के पास बुला लिया। आरोपी जैसे ही उससे मिलने पहुंचा। भाई-भाभी ने घेरकर उसकी जमकर पिटाई लगाई और पुलिस के हवाले कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद कचरा फेंकने वाले और नहीं उठाने वालों पर भी जुर्माना

सफाई में लापरवाही, सार्वजनिक स्थलों पर बिखरा है कचरा, 37 दिन बाद होगी सबकी जिम्मेदारी

बड़े कचरा उत्पादकों को अपने स्तर पर कचरे का प्रसंस्करण करना होगा या अधिकृत प्रमाणपत्र लेना होगा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

शहर में अब एक अप्रैल से नया नियम सालिड वेस्ट मेनेजमेंट लागू होगा। सुप्रीम कोर्ट ने सबकी जिम्मेदारी तय कर दी है। 37 दिन बाद अगर शहर में कहीं कचरे का ढेर दिखा तो आम आदमी से लेकर निगम प्रशासन सहित जनप्रतिनिधि तक जिम्मेदार होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में कचरा प्रबंधन के लिए नई जवाबदेही तय कर दी है। यह 37 दिन बाद यानि एक अप्रैल-2026 से लागू होगी।

इस आदेश के दूसरे दिन हरिभूमि की टीम ने शहर के कुछ सार्वजनिक स्थलों पर सफाई व्यवस्था देखी तो लापरवाही नजर आई। जिन सड़कों से दिनभर लोग गुजरते हैं, वहीं कचरा बिखरा मिला। जबकि जहांगीराबाद रोड पर एक व्यक्ति कचरा डालते हुए मिले।

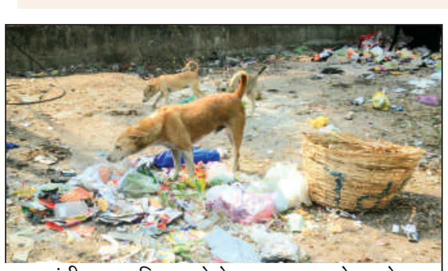
जहांगीराबाद पुलिस थाने के पास पड़ा कचरे का ढेर।

निगम ने बंद किया पुराना कचरा घर फिर भी कचरा डाल रहे लोग

जहांगीराबाद बाजार को जोड़ने वाले रोड पर पुराना कचरा घर है जिसे निगम की ओर से बंद कर दिया गया है, लेकिन यहां दिन में दो बार निगम के कर्मचारी कचरा उठाते हैं। इसके बावजूद लोग इसी स्थान पर कचरा डाल रहे हैं। नई गाइडलाइन के लागू होने से अब लोगों को घरों में चार प्रकार के डस्टबिन रखने होंगे और सार्वजनिक स्थल पर कचरा फैंकने से मुश्किलें बढ सकती हैं।

ऐशबाग स्टेडियम को जोड़ने वाले रोड के ये हाल

बाग फरहत अफजा से ऐशबाग को जोड़न वाले सार्वजनिक रोड किनारे ही कचरा घर है। यहां दिनभर कचरा बिखरा रहता है। कचरा वाहन यहां से कचरा उठाते तो हैं, लेकिन लोग इसी स्थान पर नियमित कचरा फेंक रहे हैं। इस तरह की प्रथा पर रोक लगाने अब निगम नए सिरे से व्यवस्था करेगा।

रंगमहल टॉकीज के पास पड़ा कचरा।

एक बड़ी समस्या यह भी

डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन करना तंग गलियों में निगम के लिए बेहद मुश्किल है। ऐसे क्षेत्रों में रहने वाले लोग ही सार्वजनिक स्थलों पर कचरा फेंकते हैं। अब इसके लिए निगम प्रशासन को अपनी व्यवस्था में बदलाव करना होगा। रोज निकलता है शहर से 900 टन कचरा शहर से रोजाना करीब 900 टन कचरा आदमपुर छावनी पहुंचता है। 500 टन सूखे कचरे के निष्पादन के लिए टोरीफाइड चारकोल प्लांट लगाया गया है। जबकि गीले कचरे के प्रोसेस के लिए निगम प्रशासन तैयारी कर रहा है, लेकिन 900 टन कचरे का रोज निष्पादन करना निगम के लिए बड़ी चुनौती होगा।

ऐशबाग क्षेत्र में फैला कचरा।

अस्पताल के सामने भी कचरे का ढेर

टीटी नगर स्थित रंगमहल टॉकीज के पास एक अस्पताल के गेट के सामने कचरा बिखरा हुआ था। जबकि यहां सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

नशे में था आरोपी चालक, तेज गति से चला रहा था मैजिक, हादसे के बाद मौके से हुआ फरार

बच्चों को स्कूल ले जा रही मैजिक पलटी आधा दर्जन से अधिक बच्चे हुए घायल

- पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मैजिक जब्त कर कार्रवाई शुरू कर दी
- घायल बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

परवलिया सड़क थाना क्षेत्र स्थित ग्राम शाहपुर के पास स्कूल के बच्चों को ले जा रही मैजिक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में आधा दर्जन से अधिक बच्चे घायल हुए हैं। लोगों का कहना है कि आरोपी चालक नशे में धुत था और बहुत तेज गति से मैजिक चला रहा था। हादसे के बाद से आरोपी चालक फरार है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मैजिक जब्त कर लिया है। पुलिस के मुताबिक ग्राम शाहपुर थाना परवलिया सडक निवासी दीपक मीना (34) खेती-किसानी करते हैं। उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए, बताया कि उनकी दो बेटियां गीता पब्लिक स्कूल ग्राम परवलिया में पढ़ती हैं। स्कूल की मैजिक से बच्चियां आती-जाती हैं। रोजाना की तरह विगत 20 फरवरी की सुबह करीब साढ़े 8 बजे मैजिक दोनों बच्चियों को लेने घर आई।

दीपक मीना ने ड्राइवर कपिल श्रीवास्तव से कहा कि तुम आज लेट हो गए हो। बच्चों को आराम से ले जाना। बातचीत के दौरान ड्राइवर उन्हें नशे में लगा। तब दीपक मीना ने स्कूल संचालक को कॉल कर बताने का प्रयास किया, लेकिन संचालक ने कॉल रिसीव नहीं किया। दो बार कॉल रिसीव नहीं होने पर दीपक ने अपनी बेटियों को मैजिक में बिठा दिया। करीब 15 मिनट बाद उन्हें सूचना मिली कि बच्चियों को लेकर स्कूल के लिए रवाना हुई मैजिक सीमेंट की फैक्ट्री के पास ग्राम शाहपुर रोड पर दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गई है। सूचना मिलते ही वह तत्काल मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर काफी लोग जमा थे और बच्चों को मैजिक से बाहर निकाल रहे थे। तभी मौके पर ड्रायवर कपिल श्रीवास्तव नहीं मिला। दीपक की बेटी प्रियल ने उन्हें बताया कि ड्राइवर अंकल मैजिक बहुत तेजी, लापरवाही और खतरनाक तरीके से गाड़ी चला रहे थे। सभी बच्चों ने उन्हें गाड़ी धीरे चलाने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं माने।

मैजिक पलटने के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया था। लोगों ने मैजिक को किसी तरह सीधा कर बच्चों को बाहर निकाला। सूचना मिलते ही दूसरे बच्चों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए और अपने-अपने बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल ले गए। फरियादी दीपक मीना ने भी अपनी बेटियों प्रियल व दिशिका को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि मैजिक में ग्राम शाहपुर और बड़ली के बच्चे बैठे थे।

खूबचंद भागचंदानी अध्यक्ष एवं हरीश सबनानी बने महासचिव

गांधीनगर पूज्य सिंधी पंचायत के नवीन पदाधिकारियों पर रजिस्ट्रार की मुहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

पूज्य सिंधी पंचायत गांधीनगर की गत दिवस साधारण सभा की बैठक खूबचंद भागचंदानी को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। इसके बाद सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का गठन कर जिसमें हरीश सबनानी- महासचिव, बलराम वाधवानी एवं सुरेश गंगवानी- उपाध्यक्ष, कमलेश ग्वालानी- संयुक्त सचिव, कमल लालवानी- सचिव, मंघाराम नरसिंघानी- कोषाध्यक्ष एवं नरेन्द्र वरलानी, सुरेश भोजवानी, प्रदीप ज्ञानचंदानी, चन्द्रप्रकाश सबनानी, जय मोतियानी, प्रकाश भागचंदानी, रवि चंदानी को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। पूज्य सिंधी पंचायत गांधीनगर की कार्यकारिणी की सूची धारा 27 के अंतर्गत नियमानुसार असिस्टेन्ट रजिस्ट्रार, फर्म्स एवं संस्थाएं भोपाल को 23 जनवरी 2026 को प्रस्तुत की गई। असिस्टेन्ट रजिस्ट्रार, फर्म्स एवं संस्थाएं ने 20 फ़रवरी को धारा 27 के अंतर्गत कार्यकारिणी की सूची जारी की, जिससे गांधीनगर में हर्ष की लहर है। नई कार्यकारिणी का शपथ समारोह भी आयोजित किया जाएगा।

खबर संक्षेप

नर्सिंग छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल। अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित वृंदावन नगर, जनकपुरी में नर्सिंग छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पड़ोस में रहने वाली एक अन्य छात्रा ने उसका शव फांसी के फंदे पर लटका देख मकान मालिक को सूचना दी थी। मकान मालिक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। प्रधान आरक्षक मनीष मिश्रा ने बताया कि उमा लोधी पिता नर्मदा प्रसाद लोधी (26) गांव बरखेड़ा, जिला सीहोर की रहने वाली थी। वह भोपाल के निजी कॉलेज से नर्सिंग की पढ़ाई कर रही थी और वृंदावन नगर, जनकपुरी में किराए का कमरा लेकर रह रही थी। निरीक्षण के दौरान पुलिस को सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने शव का पीएम के बाद परिजन को

बाथरूम में गिरकर बेसुध हुई युवती की मौत

भोपाल। स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित बापू कॉलोनी सेमरा में शुक्रवार दोपहर एक युवती बाथरूम में गिरकर बेसुध हो गई। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में पुलिस युवती की मौत के कारण हार्ट अटैक आने से मान रही है। हालांकि पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है। पुलिस ने शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार नेहा झा पिता राकेश झा (20) बापू कॉलोनी, सेमरा में रहती थी और बुटिक का काम करती थी।

सीएंडडी वेस्ट और गंदगी फैलाने वालों पर कार्रवाई

भोपाल। नगर निगम के अमले ने शनिवार को शहर में सीएंडडी वेस्ट व गंदगी फैलाने वालों पर कार्रवाई करते हुए 26 प्रकरण बनाए। उक्त मामलों में 7 हजार 500 रुपए स्पॉट फाइन के रूप में वसूल किए। निगम अमले ने वार्ड नंबर-56, 57, 61, 63, 64 तथा 67 में सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने, कचरा अलग-अलग न करने, अलग-अलग डस्टबिन न रखने तथा प्रतिबंधित पॉलीथीन का उपयोग करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की।

दो दिवसीय विज्ञान जागृति उत्सव का समापन

भोपाल। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक चिंतन और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान में शनिवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय विज्ञान जागृति उत्सव का समापन हो गया। कार्यक्रम का आयोजन उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान एवं मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मेकास्ट) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम के पहले दिन विज्ञान विषय पर रंगोली एवं पोस्टर की प्रतियोगिता हुई। इस वर्ष प्रतियोगिताओं का विषय प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक पद्धतियां एवं उसमें छिपा हुआ विज्ञान रखा गया।

शुभांक

कल्याण:	1736		
दिन:	146	15	357
रात:	158	41	137
तारा:			
दिन:	900	93	445
रात:	277	69	270

गला रेता, सिर में गंभीर चोट, पीएम रिपोर्ट के बाद दर्ज होगा हत्या का मामला

भेल के स्पोर्ट्स क्लब के पास जंगल में मिली युवक की लाश, हत्या की अशंका

मॉर्निंग वॉक कर रहे लोगों ने देखकर दी पुलिस को सूचना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गोविंदपुरा पुलिस ने भेल के स्पोर्ट्स क्लब के पास शनिवार सुबह अज्ञात युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मॉर्निंग वॉक पर निकले कुछ लोगों ने सड़क से करीब अस्सी मीटर अंदर जंगल में युवक की लाश देखी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस और एफएसएल की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद लाश पीएम के लिए मर्चुरी भेज दी थी। मृतक के पास से ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी शिनाख्त की जा सके। युवक का गला रेता गया है और सिर में पत्थर से हमला कर उसकी हत्या की गई है। थाना प्रभारी अवधेश सिंह तोमर ने बताया कि शनिवार सुबह कुछ लोग मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। उन्होंने भेल के स्पोर्ट्स क्लब में पीछे की तरफ साकेत नगर वाली रोड पर सड़क से अस्सी मीटर

घटना स्थल का निरीक्षण करती एफएसएल की टीम।

अंदर किसी युवक की लाश पड़ी देखी थी। सूचना पर पुलिस पहुंची और निरीक्षण किया। मृतक की उम्र करीब तीस साल के आसपास होगी। वह नीले सफेद रंग की चेक शर्ट और नेवी ब्लू रंग की जैकेट और नीला पेंट, काले-नीले रंग के जूते पहने हुए है। पुलिस मृतक की शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला हत्या से जुड़ा नजर आ रहा है। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद अज्ञात आरोपी पर हत्या का मामला दर्ज करेगी।

सीआईएसएफ जवान की पत्नी ने दवा का ओवरडोज लेकर की आत्महत्या

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित सी सेक्टर में सीआईएसएफ जवान की पत्नी ने दवाइयों को ओवरडोज ले लिया। तबीयत बिगड़ने पर पति उन्हें कस्तूरबा अस्पताल लेकर पहुंचा, वहां से अपोलो सेज अस्पताल रेफर कर दिया। अपोलो सेज अस्पताल में इलाज के दौरान शुक्रवार शाम उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार स्नेहलता शुक्ला पति दीपक शुक्ला (37) सी सेक्टर, गोविंदपुरा में रहती थी। स्नेहलता के पति दीपक शुक्ला सीआईएसएफ में जवान हैं और उनकी ड्यूटी भेल सुरक्षा में लगी है। दीपक शुक्ला ने बताया कि पत्नी को थाइराइड, बीपी शुगर की समस्या थी। वह सभी के अलग-अलग दवाइयां लेती थी। दवाइयां लेने के कारण वह परेशान हो गई थी। गुरुवार शाम स्नेहलता ने सारी दवाइयां का ओवरडोज ले लिया। ओवरडोज लेने के कारण उनकी तबीयत बिगड़नी लगी। वह पत्नी को लेकर कस्तूरबा अस्पताल ले गए। वहां से अपोलो सेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। शुक्रवार शाम अपोलो सेज में इलाज के दौरान स्नेहलता की मौत हो गई।

प्राइवेट पार्ट समेत शरीर बुरी तरह झुलसा, आईटी पार्क में माली थे

लघुशंका कर रहे बुजुर्ग माली को लगा करंट, मौत

गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित आईटी पार्क के बुजुर्ग माली की शनिवार सुबह करंट लगने से मौत हो गई। वह पार्क के बगल में लघुशंका कर रहे थे। हाइटेंशन लाइन के टूटे तार पर लघुशंका करने से वह बुरी तरह से झुलस गए। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। एएसआई जंगलू पाटिल के मुताबिक शांति नगर, गांधी नगर निवासी मलखान सिंह बघेल (60) गांधी नगर स्थित आईटी पार्क में माली थे। शनिवार सुबह करीब सवा दस बजे पेड़-पौधों में पानी देने के बाद वह पार्क के मुख्यगेट के बगल में दीवार के कोने में लघुशंका करने गए थे। वहां उनकी नजर हाइटेंशन लाइन के टूटे तार पर नहीं पड़ी। टूटे तार पर लघुशंका करते ही उन्हें जोरदार करंट लग गया। बताया जा रहा है कि उनका निचला हिस्सा बुरी तरह झुलस गया था और काफी देर तक धुआं निकलता रहा। शनिवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया है।

यूपी में चार युवकों ने ढाबे पर नाबालिग से मारपीट कर जबरन कहलवाया था बच्चा चोर

इंस्टाग्राम पर बच्चा चोरी की अफवाह फैलाने वाले अज्ञात आरोपी पर दर्ज किया प्रकरण

वायरल वीडियो के बाद पुलिस ने मारपीट करने और वीडियो बनाने के मामले में प्रकरण दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर बच्चा चोरी की अफवाह फैलाने वाले अज्ञात आरोपी पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। दरअसल, पिछले दिनों इंस्टाग्राम पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा था। वायरल वीडियो में एक नाबालिग खुद को बच्चा चोर बता रहा था। पुलिस ने वीडियो के बारे में जानकारी जुटाई तो पता चला कि उक्त वीडियो छह साल पुराना है और नाबालिग को चार लोगों ने ढाबे पर जबरन पीट-पीटकर उससे कहलवाया था कि वह बच्चा चोर है। नाबालिग कभी भोपाल नहीं आया। आरोपियों ने बच्चे से कहलवाया था कि वह अयोध्या नगर भोपाल का रहने वाला है। अयोध्या नगर पुलिस ने वीडियो के बारे में जानकारी जुटाई तो पता चला कि वीडियो अगस्त 2019 में बनाया गया था। जिला जालौन उत्तर प्रदेश में एट टोल नाके के पास एक नाबालिग अपनी बहन के घर से जाने के लिए ढाबा के सामने खड़ा था। ढाबे के कर्मचारी सहित वहां मौजूद चार युवकों शराब के नशे में नाबालिग को पकड़ लिया। उससे मारपीट की। मारपीट के बाद नाबालिग को खंभे में बांध दिया। उसे धमकाते हुए कहा गया कि यहां से तभी जाने देंगे, जब तक बच्चा चोर होने की स्वीकार करोगे। इसके बाद आरोपियों ने कहानी बनाई और किशोर से कहने के लिए कहा। किशोर ने डर के कारण खुद को बच्चा चोर बताया और अयोध्या नगर भोपाल का निवासी बताया। उसने बनाई गई कहानी के अनुसार कहा कि बच्चे चुराकर बच्चों के अंग किडनी, हार्ट इत्यादि भोपाल के हमीदिया अस्पताल में बेचता है। पुलिस की पड़ताल में पता चला कि किशोर कभी भोपाल आया ही नहीं। वह एट टोल के पास एक गांव का रहने वाला है। स्थानीय पुलिस ने मारपीट करने और वीडियो बनाने के मामले में अंकित वाल्मिक, नीलू सिंह ठाकुर, अरविंद पाल और आशीष निवासी एट, थाना एट जिला जालौन उत्तर प्रदेश के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया था।

संत नगर मंडल की कार्यकारिणी घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

भारतीय जनता पार्टी के संत नगर मंडल की कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। नई कार्यकारिणी का हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा, जिला अध्यक्ष रविंद्र यति सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी ने संत नगर मंडल की नवीन टीम को शुभकामनाएं दी। मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी ने मंडल की घोषणा करते हुए समस्त टीम को सोशल मीडिया हैंडल पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी और कहा कि मंडल की टीम का गठन संगठन की मज़बूती की दिशा मे महत्वपूर्ण कदम है। मण्डल कार्यकारिणी में अध्यक्ष मनीष बागवानी, उपाध्यक्ष श्रीमती लीला राजपूत, शेटटी चंदनानी, संध्या प्रधान, उमेश नागर, मिक्की दास, राहुल अबोले, महामंत्री अभिषेक चौकसे, रमेश गुड्डू मेहरा, मंत्री ओमप्रकाश सिंगरोली, नरेन्द्र विष्ट, निर्मला सोनी, किशोर साधवानी, मनोज शेरबगन, शिवप्रकाश मिश्रा, कोषाध्यक्ष हीरो ईसरानी, सहकोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम गिदवानी, कार्यालय मंत्री राजु कुमार थावानी, सह कार्यालय मंत्री हेमंत अग्रवाल, प्रचार प्रमुख ललित रायचंदानी, मीडिया प्रभारी हर्षित दुबे बने।

आमछाकला में चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा

परीक्षित के श्राप और प्रकृति के निर्माण की कथा सुनाई, भजनों पर झूमे श्रद्धालु

श्रीमद भागवत कथा में महाराज जी से आशीर्वाद लेते डॉ. नागर व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

आमछाकला में चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में शनिवार को आचार्य पं. मनोज शास्त्री महाराज ने कर्म का महत्व बताया। उन्होंने कहा धर्म कभी भी भगवान से विमुख होकर नहीं करना चाहिए। महाराज जी ने कथा के माध्यम से बताया कि आज हम सभी सनातनी के बाद भी अपने संस्कार को भूलते जा रहे हैं, जिसका परिणाम यह है कि आज हमारी संतान माता-पिता की सेवा से विमुख होती जा रही हैं। महाराज जी के द्वारा गाये भजनों पर वहां उपस्थित श्रद्धालु खूब झूमे। महाराज जी ने परीक्षित के श्राप की कथा एवं प्रकृति के निर्माण की कथा सुनाई। देवहूति कर्दम मुनि की कथा सुनाई। इस अवसर पर कन्हैया नंदवंशी, भाजपा मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र नागर, पंकज कोठारी, माखन परमार, दशरथ गुर्जर, सुरजीत सिंह बिल्ले, मनोज चौरसिया, पुरुषोत्तम शर्मा, धर्मेंद्र चौरसिया सहित अन्य श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण किया।

बेमौसम बारिश ने बढ़ाई किसानों की चिंता, फसल खराब होने का डर

औबेदुल्लागंज। मौसम के अचानक बदलते मिजाज के चलते शनिवार सुबह नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी हुई, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। इस समय खेतों में गेहूं, चना और सरसों की फसल पक कर तैयार है। ऐसे में बेमौसम बारिश के कारण फसलों की गुणवत्ता पर असर पड़ेगा। किसानों का कहना है कि हल्की बूंदाबांदी भले ही कम समय के लिए हुई हो, लेकिन यदि मौसम इसी तरह बना रहा तो कटाई कार्य प्रभावित हो सकता है। खेतों में नमी बढ़ने से दानों के काले पड़ने और फसल खराब होने का खतरा बढ़ जाता है।

ग्रामीण इलाकों में किसानों ने प्रशासन से फसलों की स्थिति पर नजर रखने और संभावित नुकसान की स्थिति में सर्वे कराने की मांग की है। किसानों का कहना है कि पहले ही बढ़ती लागत और बाजार भाव को लेकर परेशान हैं। ऐसे में अब बेमौसम बारिश लगातार होती है तो फसल खराब होने का डर है, जिससे किसानों को बड़ा नुकसान होगा। किसान साफ मौसम की उम्मीद कर रहे हैं, ताकि समय पर कटाई कार्य शुरू हो सके और फसल सुरक्षित रह सके।

चार दिन पदयात्रा कर पहुंचेंगे कामखेड़ा बालाजी मंदिर, राजस्थान

श्री धर्मश्री संस्था ने निकली विशाल ध्वज पदयात्रा... जगह-जगह स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नजीराबाद

धर्मश्री संस्था के द्वारा प्रतिवर्ष क्षेत्र के ग्राम नजीराबाद हनुमान मढ़ी से कामखेड़ा बालाजी मंदिर राजस्थान तक निकाली जानी वाली पैदल ध्वज यात्रा शनिवार को प्रारंभ हुई। इस यात्रा का धार्मिक और राजनीतिक संगठनों द्वारा जगह-जगह पुष्माला और साफा बांधकर स्वागत किया गया। पैदल यात्रा तीन पड़ावों से होकर 24 फरवरी मंगलवार को कामखेड़ा बालाजी मंदिर राजस्थान पहुंचेगी।

पदयात्रा में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चेतन भार्गव, धर्मश्री संस्था संरक्षक नूतन सक्सेना, अध्यक्ष कृष्णराज सिंह तोमर गन्नू बना सहित सैकड़ों लोग शामिल हैं। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चेतन भार्गव ने धर्मश्री संस्था की पूरी टीम को पद यात्रा के आयोजन की बधाई देते हुए कहा कि आज के दौर में जहां युवा सोशल मीडिया पर रील बनाने में व्यस्त हैं, साथ आज लोग 2 किलोमीटर पैदल चलने से भी कतराते हैं,

धर्मश्री संस्था के सदस्यों ने निकाली पैदल ध्वज यात्रा में बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु।

वहीं नजीराबाद क्षेत्र के युवा धर्मश्री संस्था के तत्वावधान में धर्म के काम में लगे हुए हैं और पद यात्रा के माध्यम से धर्म का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं, यह बहुत खुशी की बात है। मैं सभी युवाओं से अनुरोध करता हूं कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों में रुचि लें, जिससे हमारे धर्म का प्रचार-प्रसार हो सके। वहीं श्री धर्मश्री के अध्यक्ष कृष्णराज सिंह तोमर ने बताया कि संस्था के तत्वावधान में यह पैदल ध्वज यात्रा विगत 8 वर्षों से निरंतर निकाली जाती है। वहीं यह यात्रा का 9वां वर्ष है यह यात्रा क्षेत्र और देश की सुख समृद्धि हेतु निकाली जाती है। यात्रा में विभिन्न पड़ाव रहते हैं जहां पर यात्रियों के भोजन एवं ठहरने की व्यवस्था रहती है। वहीं यात्रा में शामिल भक्त डीजे पर चल रहे भजनों की धुन पर झूमते नाचते नजर आए जिससे सारा वातावरण भक्तिमय हो गया।

पूर्व में डकैती, चोरी, नकबजनी, आर्म्स एक्ट सहित दर्ज है 15 अपराध

पुलिस ने जेके अस्पताल से पकड़ा शातिर बदमाश रॉयल एनफील्ड सहित दो लाख का माल बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कोलार थाना पुलिस ने शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी की रॉयल एनफील्ड बाइक और सिलेंडर सहित दो लाख रुपए का माल बरामद किया है। बदमाश पर पूर्व में डकैती, चोरी, नकबजनी, आर्म्स एक्ट सहित 15 अपराध दर्ज है। आरोपी अन्य चोरी और नकबजनी की वारदातों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि जेके अस्पताल की पार्किंग में एक संदिग्ध युवक घूम रहा है। पुलिस जेके अस्पताल पार्किंग पहुंची तो संदिग्ध ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। हालांकि पुलिस की टीम ने उसे दबोच लिया।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी चोर, बाइक भी जब्त किया।

पुलिस की पूछताछ करने पर आरोपी ने चोरी की बात स्वीकारी

पूछताछ में उसने अपना नाम शिवनारायण प्रजापति उर्फ चमन पिता हीरालाल प्रजापति (32) लेवर कॉलोनी, पिपलानी बताया। उसने बताय कि इन दिनों वह कालीबाड़ी के पास बीएचईएल क्वाटर नंबर 116 गोविंदपुरा में रह रहा है। उसे इलाके में घूमने का कारण पूछा, लेकिन उसने संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने 17 सितंबर 2025 को टी सेक्टर वंदना नगर में एक मकान का ताला तोड़कर गैस सिलेंडर और पोर्च में खड़ी रॉयल एनफील्ड बाइक चोरी की बात स्वीकारी। पुलिस ने आरोपी से चुराई गई बाइक सिलेंडर सहित दो लाख रुपए का माल जब्त किया है। आरोपी के खिलाफ अयोध्या नगर, पिपलानी, गौतम नगर, कोलार में चोरी, नकबजनी, डकैती, आर्म्स एक्ट सहित करीब 15 अपराध दर्ज है।

ठेले, काउंटर, फ्रेम, बेंच सहित अन्य सामान जब्त किए

शहर के एक दर्जन क्षेत्रों से नगर निगम ने हटाए अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी अमले ने शनिवार को शहर के एक दर्जन इलाकों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। इस दौरान अवैध रूप से बने टपरे, चबूतरे, फर्शी, लोहे की जाली, एंगल, फास्ट फूड की गाड़ी, चार पहिया वाहन, काउंटर, सांची पार्लर के साथ ही फुटपाथों व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण कर लगाई गई सब्जी, कपड़े, टेडीवियर की दुकानें हटवाईं और ठेले, काउंटर, फ्रेम, बेंच, स्टैंड, काउंटर भट्टी, कुर्सी, लोहे के पाइप, तिरपाल आदि जब्त किए।

निगम अमले ने कोलार महावली रोड, चूना भटटी थाना, आलोक धाम, डी-मार्ट, भदभदा चौराहा, सूरज नगर, सैर सपाटा, पीएनटी चौराहा, मालवीय नगर, न्यू मार्केट काटजू हास्पिटल, जवाहर चौक, सरस्वती नगर, केम्पियन स्कूल, दस नंबर स्टॉप, एमपी नगर जोन-1, डीबी मॉल, एमपी नगर थाना, आईएसबीटी, अयोध्या बायपास, प्रभात चौराहा, अशोका गार्डन, रेल्वे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर-1, चांदबढ़, अशोका गार्डन परिहार चौराहा, रॉयल मार्केट, एलबीएस हास्पिटल, बुधवारा, चौक बाजार, आजाद मार्केट, जुमेराती, भानपुर, शिव नगर, भानपुर चौराहा, विदिशा रोड पर कार्रवाई की गई।

अवैध निर्माण तोड़ता निगम कर्मचारी।

एआई समिट में कांग्रेस के प्रदर्शन के विरोध में भाजयुमो ने पीसीसी का किया घेराव

कांग्रेस बोली-कार्यालय में तोड़फोड़ की, भाजपा ने कहा-कांग्रेसियों ने किया पथराव

भाजपा और कांग्रेस ने हबीबगंज थाने में एक-दूसरे के खिलाफ दर्ज कराए प्रकरण, प्रदर्शन में घायल युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं से मिलने पहुंचे विधायक शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नई दिल्ली में एआई समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए प्रदर्शन के विरोध में शनिवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा ने भोपाल में कांग्रेस कार्यालय का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के नेतृत्व में हुआ। इस दौरान युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस से देश से सार्वजनिक रूप से माफी की मांग की। वहीं पीसीसी के बाहर हुए प्रदर्शन में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए।

हालांकि पुलिस ने वाटर कैनन से चलाकर स्थिति पर समय रहते काबू पा लिया। इधर, भाजपा ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर प्रदर्शन के दौरान पथराव करने का आरोप लगाया है। वहीं, कांग्रेस ने कार्यालय में तोड़फोड और गालीगलौज का आरोप भाजपा कार्यकर्ताओं पर लगाया है।

प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन चलाती पुलिस।

भाजपा ने थाने में शिकायत दर्ज कराइ्र, जीतू ने सीएस को लिखा पत्र

भाजपा ने हबीबगंज थाना पहुंचकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन के दौरान पथराव किए जाने को लेकर शिकायत दर्ज कराई। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, विधायक रामेश्वर शर्मा एवं मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर शामिल रहे। वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कांग्रेसियों पर हमले के आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई के लिए सीएस अनुराग जैन को पत्र लिखा है।

टेलर ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया।

पीसीसी में मौजूद कांग्रेस नेता शर्मा और पदाधिकारी।

अस्पताल में घायल कार्यकर्ता से मिलने पहुंचे शर्मा।

प्रदर्शन में घायल कार्यकर्ता।

काउंटर केस दर्ज

भाजपा युवा मोर्चा पदाधिकारी राकेश परस्ते की शिकायत पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ हबीबगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। वहीं कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में तोड़फोड़ को लेकर कांग्रेस नेता प्रदीप अहिरवार ने भाजपा युवा मोर्चा के नामजद 6 कार्यकर्ताओं और 50 से 60 लोगों के खिलाफ हबीबगंज थाने में एफआईआर कराई है।

नए शिक्षण सत्र से स्कूलों में दिया जाएगा नि:शुल्क दूध, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने सिंध नदी पर नवनिर्मित सेतु का किया उद्घाटन

विकास, नवाचार और किसान समृद्धि का रोल मॉडल बन रहा दतिया: सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि दतिया में एयरपोर्ट के शुभारंभ के साथ दतिया से भोपाल फ्लाईट भी शुरू हो गई है। खजुराहो से नई दिल्ली तक वंदे भारत ट्रेन के जरिए दिल्ली अब दतिया से चंद घंटों की दूरी पर आ गया है। उन्होंने कहा कि दतिया में मां पीताम्बरा लोक का निर्माण तेजी से प्रगति पर है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को दतिया जिले के सेवढ़ा तहसील मुख्यालय में 529 करोड़ लागत के 71 विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि करीब सवा 2 हजार करोड़ रुपए की लागत वाली रतनगढ़ सिंचाई परियोजना से इस क्षेत्र के 40 हजार से अधिक किसानों को सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने सेवढ़ा में दी दतिया जिलावासियों को 529 करोड़ रुपए से अधिक के 71 विकास कार्यों की सौगात

सवा 2 हजार करोड़ रुपए की रतनगढ़ परियोजना से 40 हजार किसानों को मिलेगा सिंचाई सुविधाओं का लाभ

कार्यक्रम में भगवान की मूर्ति लिए सीएम।

केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का दतिया को मिलेगा लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कभी पेयजल संकट से जूझने वाला दतिया में आज हर घर में नल से जल पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना पर काम चल रहा है। इसका भरपूर लाभ दतिया जिले के किसानों को भी मिलेगा। अब किसानों को सिंचाई के लिए पानी की चिंता करने की जरूरत नहीं है। दतिया जिले में 1.48 लाख हेक्टेयर से अधिक भू-रकबे में सिंचाई सुविधा का विस्तार होने से यहां कृषि उत्पादन में तेजी से वृद्धि हुई है। दो सालों में यहां 7 लघु सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण हुआ है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ जिले के 1.37 लाख से अधिक किसानों को मिल रहा है। फसल बीमा योजना यहां के 1.26 लाख से अधिक किसानों का सुरक्षा कवच बनी है।

प्रमुख घोषणाएं

मुख्यमंत्री ने दतिया से बेहतर कनेक्टिविटी के लिए 475 करोड़ रुपए से नई सड़क बनाने की घोषणा की। उन्होंने इंदरगढ़ में नवीन बस स्टैंड की घोषणा करते हुए कहा कि सौंदर्यीकरण कार्यों के लिए भी राशि दी जाएगी। सेवढ़ा में नया इंडोर स्टेडियम बनाया जाएगा। इंदरगढ़ में 8.5 किमी लंबा बायपास बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने द्वारका योजना के अंतर्गत नगर परिषद सेवढ़ा को विभिन्न विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार संबल योजना के माध्यम से मुश्किल वक्त में गरीब भाई-बहनों के परिवार के साथ खड़ी है। प्रदेश की बहनों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लाड़ली बहनों को हर महीने 1500 रुपए की सौगात दी जा रही है। प्रदेश में नवीन शैक्षणिक सत्र की शुरुआत से ही स्कूलों में निः शुल्क दूध वितरित की योजना शुरू की जाएगी। इससे बच्चों को पोषण का लाभ मिलेगा।

अतिथियों ने युवाओं की नेतृत्व क्षमता और संवैधानिक समझ की सराहना की

बीयू में मंथनः द यूथ पार्लियामेंट 2026 में संसद और विधानसभा को किया जीवंत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में मंथनः द यूथ पार्लियामेंट, 2026 का आयोजन किया गया। शुरुआत प्रो. मोना पुरोहित, विभागाध्यक्ष विधि शिक्षण एवं शोध संस्थान द्वारा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नरेंद्र सिंह तोमर, अध्यक्ष, मध्य प्रदेश विधानसभा रहे। उन्होंने कहा कि यह देश युवाओं का है और युवाओं को अनुशासन एवं संस्कार के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। बीयू के कुलगुरू प्रो. एसके जैन ने कहा कि जीवन में संस्कारों का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

विस अध्यक्ष तोमर ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने प्रेरित किया

विशिष्ट अतिथि डॉ. विनय कुमार सिंह, डायरेक्टर, श्यामा प्रसाद मुखर्जी फाउंडेशन, नई दिल्ली तथा अधिवक्ता शैलेंद्र सिंह, सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली रहे। सभी अतिथियों ने युवाओं के तर्क, नेतृत्व क्षमता और संवैधानिक समझ की सराहना की। विस अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। अतिथियों का धन्यवाद प्रो. विवेक कुमार शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। बीयू में यूथ पार्लियामेंट सत्र आयोजित किए गए। इनमें राज्यसभा का विषयः एक समान नागरिक संहिता लोकसभा का विषयः एक देश, एक चुनाव,भारतीय महिला संसद का विषयः पर्यावरण बनाम औद्योगिक विकास मध्य प्रदेश विधानसभा का विषयः सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा पर विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रस्तुत तर्कों से ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो वास्तविक संसद अथवा विधानसभा का सत्र संचालित हो रहा हो।

समिति ने सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई में की शिकायत

पूर्व सचिव ने किया पारस सिटी सोसाइटी के कार्यालय पर कब्जा

पारस सोसाइटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के ई-3 अरेरा कॉलोनी स्थित पारस सिटी सोसाइटी के कार्यालय हस्तांतरण के विवाद की शिकायत सीएम हेल्पलाइन में की गई है। सोसाइटी की वर्तमान कार्यकारिणी समिति ने इस मामले की शिकायत कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह से जनसुनवाई में की है। जानकारी के अनुसार कार्यालय का हस्तांतरण मई 2025 में वर्तमान कार्यकारिणी को होना था, लेकिन पूर्व सचिव अजय त्रिपाठी ने अब तक कार्यालय से अपना कब्जा नहीं छोड़ा है। नई कार्यकारिणी समिति ने जब कार्यालय खाली करने की मांग की तो समिति पदाधिकारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया गया।

मुश्किल में वार्डों में महिला कर्मचारी

नगर निगम ने राजस्व वसूली को देखते हुए अवकाश के दिन शिविर लगाना शुरू कर दिए हैं। इसके चलते वार्डों में पदस्थ सभी कर्मचारियों को ड्यूटी करना पड रही है। फील्ड में जाकर ग्राउंड रिपोर्ट भी देना पड़ रही है। इससे सबसे दुखी महिला कर्मचारी हैं। उन्हें अवकाश के दिन भी ड्यूटी करना पड़ रही है। पुराने शहर के कुछ वार्ड कार्यालयों में शनिवार को महिला कर्मचारी खासी नाराज नजर आईं। यूं तो वार्डों में इक्का-दुक्का लोग ही पहुंचे, लेकिन जो भी पहुंचे, उनसे भी वह अपनी पीड़ा बताने में लग गईं कि आज तो हमारा अवकाश रहता है। हमारे घर पर काम होते हैं। हमें इसके बदले अवकाश भी नहीं मिलता। इसी दौरान एक नेताजी भी मौके पर पहुंच गए। बस फिर क्या था, उनसे भी उक्त महिला ने अपना दर्द बयान कर दिया। खैर नेताजी ने उनकी बात सुनी और कुछ कर पाएं या नहीं, लेकिन निगम प्रशासन तक उनकी बात पहुंचाने का आश्वासन तो दे ही दिया।

कम नहीं हो रही इंजीनियरों की परेशानी

नगर निगम के इंजीनियरों की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं। टीएल की बैठक में लगातार परफार्मेंस सुधारने की हिदायतें देने के बाद भी जब सुधार नहीं दिखा तो आयुक्त ने बतौर सजा एसआईआर में बीएलओ का सहायक बना दिया। लंबे समय तक इंजीनियरों ने ड्यूटी की। उसके बाद भी जब कामों में सुधार नजर नहीं आया तो उनका वेतन रोक दिया गया। वेतन तो फिलहाल अभी भी रुका ही हुआ है, क्योंकि जिस बैठक में वेतन रोकने का आदेश दिया गया था, उसके बाद से अगली बैठक निगम आयुक्त की अध्यक्षता में हुई ही नहीं है। इंजीनियर वेतन रोकने से दुखी हैं, वे इंतजार कर रहे हैं कि अगली बैठक हो तो उनका वेतन रिलीज हो सके। बताया जा रहा है कि वेतन रुकने से इंजीनियरों की आर्थिक स्थिति भी खराब हो रही है। अब वे इंतजार कर रहे हैं कि जल्द ही आगामी बैठक हो और उनके वेतन रोकने का आदेश वापस हो।

निगम के अतिक्रमण अमले की दादागिरी!

शहरभर में नगर निगम द्वारा इन दिनों अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई चल रही है। पुराने शहर के चौक बाजार और लखेरापुरा में अतिक्रमण अमले द्वारा दादागिरी करने का मामला भी सामने आया। दरअसल एक दुकान के सामने बने फुटपाथ को तोड़ने की कार्रवाई हो रही थी तभी कुछ कर्मचारियों ने दुकान पर लगी जाली उखाड़ना शुरू कर दी। इस पर दुकान मालिक ने विरोध किया, लेकिन एक न सुनी। भारी भरकम अमले की मौजूदगी में दुकानदार अपनी लोहे की जाली टूटने से नहीं बचा पाया। ऐसी तस्वीरें कई जगह देखने को मिली। बुधवारा इलाके में भी निगम अमले का विरोध हुआ। लोग खुद बोले कि साहब अतिक्रमण हटाया जाए, लेकिन दादागिरी नहीं कीजिए साहब! कानून तो सबके लिए बराबर है।

-एमएम सिद्दीकी

कर्मियों की मांगों का निराकरण करवाने का करूंगा पूरा प्रयासः डॉ. के गणेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ द्वारा कर्मचारी भवन गीतांजलि चौराहे में शनिवार को अखिल भारतीय राज्य चतुर्थ श्रेणी सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के गणेशन अभिनंदन किया गया। लघु वेतन कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष महेंद्र शर्मा ने बताया कि पहली बार मध्य प्रदेश में डॉ. के गणेशन का आगमन हुआ।

अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. गणेशन ने कहा कि मप्र लघु वेतन कर्मचारी संघ अपनी मांगों के लिए निरंतर सरकार से संवाद बनाए हुए लगातार ज्ञापन दे रहे, लेकिन अभी तक मांगों का निराकरण नहीं हो रहा है। यदि जल्द ही सरकार कर्मचारियों की मांगों का निराकरण नही करती तो मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से सीधे बात करके मांगों का निराकरण करवाने का पूरा प्रयास करूंगा। बता दें कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की मांगों को लेकर 17 मार्च को नई दिल्ली स्थित रामलीला मैदान पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन होगा। उसमें मध्यप्रदेश समेत देशभर के कर्मचारी शामिल होंगे। इस अवसर पर कर्मचारी नेता एमपी द्विवेदी, चंद्रशेखर परसाई, एलएन कैलाशिया, अजय दुबे समेत संघ के पदाधिकारी शामिल हुए।

लघु वेतन कर्मचारी संघ ने डॉ. गणेशन का अभिनंदन किया।

बैठक में शामिल हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष सक्सेना

किसान महापंचायत रैली की तैयारियों को लेकर कांग्रेसियों ने बनाई रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा 24 फरवरी को होने वाली किसान महापंचायत रैली और विधानसभा घेराव को लेकर शनिवार को कोलार उप ब्लॉक कमेटी की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रवीण सक्सेना ने किसान महापंचायत रैली और विधानसभा घेराव को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा कर रणनीति बनाते हुए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी। कोलार उप ब्लॉक कमेटी के अध्यक्ष राहुल सिंह राठौर ने बताया कि भारत-अमेरिका के बीच हुई एक ट्रेड डील के विरोध में 24 फरवरी को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में किसान महापंचायत का आयोजन किया जा रहा है। किसान महापंचायत की तैयारियों को लेकर जिलाध्यक्ष प्रवीण सक्सेना और कांग्रेस नेता बैठकें कर रहे हैं। कोलार में हुई बैठक में नरेश ज्ञानचंदानी, सुखलाल ठाकुर, राजकुमार सिंह, मंगल यादव, विक्की चौहान, राघवेंद्र मीणा, बबलू खान, पुष्पेंद्र सिंह, मुबीना बी, मुन्ना बाई, विजय जोहरी, रत्ना ताई, चंपालाल मीना, विजय वर्मा, अनिल दुबे, रोहित यादव, सुजीत पांडा आदि शामिल हुए।

कांग्रेस की बैठक में चर्चा करते कांग्रेस पदाधिकारी।

जीएमसी में आर्थराइटिस अपडेट का आयोजन

इलाज का लक्ष्य दर्द कम करना नहीं, बल्कि मरीज को सामान्य जीवन में वापस लाना है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गठिया (रूमेटाइड आर्थराइटिस) के बदलते स्वरूप, इसके प्रारंभिक निदान और उपचार की नवीनतम रणनीतियों पर चर्चा के लिए राजधानी के गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के अस्थि रोग विभाग द्वारा शनिवार को आर्थराइटिस अपडेट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वैज्ञानिक संगोष्ठी में चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम द्वारा की गई केस-आधारित पैनल चर्चा रही।

इसमें वास्तविक मामलों के माध्यम से डॉक्टरों को यह समझाया गया कि रूमेटाइड आर्थराइटिस का शुरूआती स्तर पर सटीक निदान कैसे किया जाए। विशेषज्ञों ने बीमारी की गंभीरता को मापने के लिए डीएएस-28 स्कोर और रोग के पूरी तरह नियंत्रण में होने की स्थिति को परखने के लिए बूलियन रेमिशन मानदंड के महत्व पर प्रकाश डाला। वर्कशॉप के दौरान ट्रीट टू टारगेट रणनीति पर विशेष जोर दिया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि इलाज का लक्ष्य केवल दर्द कम करना नहीं, बल्कि मरीज को एक सामान्य और क्रियाशील जीवन की ओर वापस लाना होना चाहिए।

आर्थराइटिस अपडेट कार्यक्रम में शामिल अतिथि।

बच्चों और युवाओं में भी बढ़ रहा गठिया रोग

वर्कशॉप में एक महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया कि गठिया को अब केवल वृद्धावस्था से जोडकर देखना एक बड़ी भूल है। विशेषज्ञों ने आगाह किया कि आजकल युवाओं और यहां तक कि बच्चों में भी गठिया के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। यदि सही समय पर उपचार न मिले, तो यह जोड़ों में स्थायी विकृति का कारण बन सकता है, जिससे मरीज भविष्य में दिव्यांगता का शिकार हो सकता है।

समाज की मातृशक्ति ही राष्ट्र की प्राणशक्तिः मंत्री कृष्णा गौर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के निर्देशन में मध्यभारत प्रांत में संचालित मातृशक्ति केंद्रित 'सप्तशक्ति संगम' अभियान का प्रांत स्तरीय समापन कार्यक्रम शासकीय उत्कृष्ट सुभाष विद्यालय में किया गया। कार्यक्रम में राज्य मंत्री कृष्णा गौर ने कहा कि मातृशक्ति त्याग, तपस्या और प्रेम की प्रतिमूर्ति है। वह केवल जन्मदात्री नहीं, बल्कि जीवनदात्री है। यदि समाज को सशक्त बनाना है, तो मातृशक्ति को सशक्त बनाना ही होगा। आज हमारे समाज में युवाओं को सही दिशा देने की आवश्यकता है।

विशिष्ट अतिथि सहायक पुलिस महानिरीक्षक (प्रशिक्षण) डॉ. अंशुमन अग्रवाल ने कहा मातृशक्ति ही परिवार में स्वदेशी, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन और सामाजिक समरसता जैसे मूल्यों को जीवंत रखती है। यदि माता जागरूक है तो पूरा समाज जागरूक होगा।

पेज एक का शेष....

अब 5,39,81,065 मतदाता ...

निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) संजीव झा ने अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन को लेकर प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन से पहले प्रदेश में कुल 5,74,06,143 मतदाता पंजीकृत थे। स्पेशल इन्टेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की घोषणा के बाद राज्य में 5.74 करोड़ मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित कर उनके डिजिटलीकरण का कार्य मिशन मोड में किया गया। एसआईआर के दौरान ही मृत, अनुपस्थिति, स्थायी रूप से स्थानांतरित एवं दोहरी प्रविष्टियों का सत्यापन में 42 लाख 74 हजार 160 मतदाताओं के नाम काटे गए। अंतिम प्रकाशन में कुल 5 करोड़ 31 लाख 31 हजार 983 मतदाताओं के नाम दर्ज हैं। इसमें नए मतदाताओं को जोड़ें तो 5,39,81,065 होती है।

बीएलओ व बीएलए ....

गया। इसके बाद संबंधित विधानसभा क्षेत्रवार अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं दोहरी प्रविष्टियों की सूची संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर प्रकाशित की गई। प्रारूप सूची के प्रकाशन के बाद यह 5,31,31,983 संख्या रही। इस अनुसार प्रदेश में कुल 42 लाख 74 हजार 160 मतदाताओं के नाम काटे गए। हालांकि प्रारूप सूची के बाद 8,49,082 मतदाताओं की शुद्ध वृद्धि दर्ज करने के बाद अंतिम मतदाता सूची में 5,39,81,065 मतदाताओं के नाम प्रकाशित किए गए हैं।

55 जिलों में ....

राजनीतिक दलों एवं अन्य संगठनों का भी सहयोग मिला। इसके परिणामस्वरूप कुल 5,74,06,143 मतदाताओं में से 5,31,31,983 मतदाताओं से गणना प्रपत्र प्राप्त हुए। इनका पूर्ण डिजिटलीकरण किया गया। बीएलओ की ओर से निरंतर घर-घर सर्वेक्षण किया गया, जिसमें दिवंगत, स्थायी रूप से स्थानांतरित तथा 2 स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं की पहचान की गई।

इंदौर में पथराव...

बघेल के सीने पर एक बड़ा पत्थर लगा, जिससे वे घायल हो गए। उन्हें तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने बैरिकेड्स पार करने की कोशिश कर रहे कार्यकर्ताओं पर ठंडे पानी की बौछारें छोड़ीं, जिसके बाद भीड़ तितर-बितर हुई। राजधानी भोपाल में सैकड़ों भाजयुमो कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए प्रदेश कांग्रेस कार्यालय की ओर बढ़े। पुलिस ने पहले ही भारी बैरिकेडिंग कर रखी थी, जिससे कार्यकर्ता कार्यालय के करीब नहीं पहुंच सके। यहां भी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी नोक–झोंक हुई। वहीं, ग्वालियर में भाजयुमो ने विशाल रैली निकाली और कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला फूंका। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की छवि खराब करने की साजिश रच रही है। विदेशी प्रतिनिधियों के सामने इस तरह का प्रदर्शन राष्ट्रविरोधी है, जबकि कांग्रेस इसे बेरोजगारी और डेटा सुरक्षा के मुद्दों पर अपनी आवाज उठाने का तरीका बता रही है। इधर, इंदौर पुलिस के आला अधिकारियों का कहना है कि पत्थरबाजी करने वाले उपद्रवियों की पहचान सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की जा रही है। पुलिस अधिकारी पर हमला करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल सभी प्रमुख शहरों में कांग्रेस कार्यालयों के बाहर भारी पुलिस बल तैनात है।

जबलपुर में प्रदर्शन,....

दौरान युवा मोर्चा से जुड़े कार्यकर्ताओं ने लगाए गए बैरिकेड तोड़ दिए। आगे बढ़ते हुए कांग्रेस कार्यालय के नजदीक पहुंच गए। उस समय कांग्रेस के कार्यकर्ता भी वहां मौजूद थे। दोनों पक्षों के बीच आमने-सामने की स्थिति बन गई। करीब 10 थानों की पुलिस बल, एसडीएम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी और पांच सीएसपी सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौके पर तैनात रहे। पुलिस ने दोनों पक्षों को अलग करने और स्थिति सामान्य बनाए रखने का प्रयास किया। प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर चढ़ गए, जिसके बाद पुलिस को अतिरिक्त बल बुलाना पड़ा।

भोपाल में कांग्रेस ....

कड़ी बैरिकेडिंग कर रखी थी, जिसके चलते कार्यकर्ताओं और सुरक्षाबलों के बीच तीखी नोकझोंक और धक्का-मुक्की हुई। हंगामा इतना बढ़ा कि आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने दफ्तर के बाहर लगे कांग्रेस के होर्डिंग्स उखाड़ फेंके। इस दौरान पथराव की खबर भी सामने आई है, जिसमें दोनों पक्षों के कुछ कार्यकर्ताओं को मामूली चोटें आई हैं। इसी गहमागहमी के बीच एक दिलचस्प नजारा भी दिखा, भाजपा का एक कार्यकर्ता रास्ता भटककर सीधे कांग्रेस दफ्तर के अंदर पहुंच गया। वहां मौजूद कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने उसे अपनी स्कूटी पर बिठाया और सुरक्षित प्रदर्शन स्थल तक वापस छोड़ा।

ग्वालियर में फूंका ...

ने सीधा आरोप लगाया कि कांग्रेस अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत विरोधी एजेंडा चलाकर देश की छवि धूमिल करने की साजिश रच रही है। ग्वालियर में भारी पुलिस बल तैनात रहा ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति को टाला जा सके, लेकिन कार्यकर्ताओं का गुस्सा सातवें आसमान पर दिखाई दिया।

कांग्रेस का पलटवार....

सुरक्षा व्यवस्था की होती तो हालात नहीं बिगड़ते। कांग्रेस नेताओं ने इसे सुनियोजित हमला बताते हुए पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेता प्रदीप अहिरवार ने कहा कि भाजपा जनता के असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के कदम उठा रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा को कांग्रेस नहीं, बल्कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यालय का घेराव करना चाहिए।

रात में बस-....

आ रहा था, जबकि बस भिंड से ग्वालियर की ओर जा रही थी। आधी रात के करीब दोनों वाहन हाईवे पर आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 लोग घायल हो गए। इलाज के दौरान एक और घायल ने दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर पांच हो गई। हादसे के बाद मौके पर लंबा जाम लग गया था। भिंड के एसपी असीत यादव ने बताया कि घायलों को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से गंभीर मामलों को ग्वालियर रेफर किया गया। टीआई मनीष धाकड़ के मुताबिक सभी मृतकों की पहचान हो गई है। इनमें प्रदीप प्रजापति पुत्र रामप्रकाश, उसका भांजा अतुल शिवहरे निवासी फूप और जगदीश भदौरिया निवासी स्योड़ा गांव अकोड़ा और आनंद भदौरिया पुत्र मुकेश भदौरिया निवासी परसोना गांव हैं। वैन चालक की पहचान गोहद के इटाली गांव के रहने वाले भरत तिवारी के रूप में हुई।

8वीं की छात्रा ....

सुबह छात्रा किसी तरह आरोपियों के चंगुल से छूटकर अपने घर के पास पहुंची और परिजनों को आपबीती सुनाई। पीड़िता ने बताया कि दो युवक उसे जबरन एक किराए के मकान में ले गए थे। वहां उसे कोल्ड ड्रिंक देने के बहाने धोखे से शराब पिला दी गई।
दोनों आरोपियों ने बारी-बारी से उसके साथ गलत काम किया। छात्रा की निशानदेही पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की पहचान शुभम यादव उर्फ लोहा सिंह एवं कान्हा पांडे के रूप में हुई है। दोनों आरोपी गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम अहीर गांव के रहने वाले हैं।

हेमंत कटारे उप...

को पूरी तैयारी के साथ विधानसभा के अंदर उपस्थित रह कर हर मुद्दे पर भाजपा को धोने का काम करूंगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि हेमंत कटारे उपनेता हैं, और उपनेता बने रहेंगे। प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा है कि कटारे की नियुक्ति अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने की थी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन्हें पद दिया था, इसलिए इस्तीफा मंजूर करने का अधिकार भी राष्ट्रीय अध्यक्ष को ही है।
शुक्रवार को इस्तीफे के बाद कटारे का मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा था। इसलिए उनके भाजपा में जाने तक की अटकलें शुरू हो गईं थीं। कटारे ने कहा कि कांग्रेस मेरे स्वर्गीय पिताजी की विरासत है। शादी की सालगिरह पर परिवार के साथ समय बिताना कोई राजनीतिक साज़िश नहीं बल्कि मेरा मूलभूत और संवैधानिक अधिकार भी है। कभी-कभी नेता भी इंसान होता है। मैं पद से नहीं, जनता के विश्वास से ताकत लेता हूं। और, वही विश्वास मेरी सबसे बड़ी शक्ति है।

अब बिना 'यूपीआई पिन'...

जाएगी। फोन पे ने संकेत दिए हैं कि जल्द ही इसे आईओएस यानी आइफोन यूजर्स के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। फोन पे का कहना है कि अक्सर भीडभाड़ वाली जगहों पर पेमेंट करते समय शोल्डर सर्फिंग की समस्या आती है, जहां कोई पीछे से पिन देख सकता है। बायोमीट्रिक पेमेंट से ये जोखिम लगभग खत्म हो जाएगा। इसके अलावा कई यूजर्स पिन भूलने या गलत पिन डालने के कारण ट्रांजेक्शन फेल होने की परेशानी से भी बच सकेंगे। इस फीचर के तहत कंपनी ने इस वन-टच पेमेंट सिस्टम की एक सीमा तय की है। यूजर्स बायोमीट्रिक के जरिए 5 हजार रुपए तक का भुगतान कर पाएंगे। अगर ट्रांजेक्शन राशि इससे ज्यादा होती है तो पहले की तरह यूपीआई पिन डालना अनिवार्य होगा।

4 मार्च से ....

चैत्र कृष्ण प्रतिपदा 4 मार्च से होगी। इसके साथ ही तीन आरतियों के समय में भी बदलाव हो जाएगा। मंदिर में प्रतिदिन पांच आरतियां होती हैं। महाकाल मंदिर में गर्मी के मौसम के दौरान दिनचर्या बदलेगी और यह सिलसिला शरद पूर्णिमा तक जारी रहेगा।
महाकाल मंदिर की पूजन परंपरा में साल में दो बार भगवान महाकाल की दिनचर्या व आरती का समय बदलता है। कार्तिक कृष्ण प्रतिपदा से फाल्गुन पूर्णिमा तक छह माह भगवान की दिनचर्या सर्दी के अनुसार रहती है तथा भगवान महाकाल गर्म जल से स्नान करते हैं। होली के अगले दिन चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से भगवान की दिनचर्या गर्मी के अनुकूल रहेगी। पुजारी भगवान को ठंडे जल से स्नान कराएंगे। इसके साथ ही आरती का समय बदलेगा।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद....

उनके शिष्य स्वामी मुकुंदानंद गिरी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की गहन विवेचना करे। यह अर्जी शाकुंभरी पीठाधीश्वर और श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट से जुड़े आशुतोष ब्रह्मचारी द्वारा 28 जनवरी को धारा 173(4) के तहत दाखिल की गई थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के आश्रम में नाबालिग बच्चों का यौन शोषण होता है। उन्होंने इस दावे के समर्थन में अदालत को एक सीडी भी सौंपी है और मामले में 13 फरवरी को दोनों नाबालिगों के बयान वीडियोग्राफी के साथ दर्ज किए गए थे। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें पूरी तरह फर्जी बताया है। आरोप लगाने वाला व्यक्ति खुद एक हिस्ट्रीशीटर है और उसका नाम कई आपराधिक मामलों में दर्ज है।

पति के वेतन...

जानकारी व्यक्तिगत प्रकृति की है, जो एक तृतीय पक्ष से संबंधित है और सूचना अधिकार के तहत अपवाद में आती है। इसके बाद याचिका हाइकोर्ट में दायर की गई। जस्टिस कुलदीप माथुर की पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि राज्य द्वारा सूचना देने से इनकार करने के आदेश में कोई अवैधता नहीं है, क्योंकि मांगी गई सूचना तृतीय पक्ष से संबंधित व्यक्तिगत जानकारी है।

भारत के विजन...

औपचारिक रूप से स्वीकार किया है। इस विजन का मुख्य लक्ष्य एआई संसाधनों का इस तरह से लोकतंत्रीकरण करना है कि इस उन्नत तकनीक और इसके आर्थिक फायदों की पहुंच दुनिया भर में समाज के हर वर्ग तक सुनिश्चित हो सके।

तकनीक पर अब ....

करेगी। आगे चलकर इन सहमतियों को व्यावहारिक अंतरराष्ट्रीय नीतियों में कैसे बदला जाता है, इस पर उद्योग जगत और निवेशकों की पैनी नजर रहेगी।

20 अरब का ...

फाइनेंस, नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा संक्रमण जैसे क्षेत्रों में साझेदारी दोनों देशों को जिम्मेदार वैश्विक ताकत के रूप में मजबूत बना सकती है।

एनर्जी कोऑपरेशन ....

की मीटिंग है। पीएम मोदी ने कहा कि एनर्जी कोऑपरेशन हमारे रिश्ते का एक मजबूत स्तंभ रहा है। हाइड्रोकार्बन के साथ हम रिन्यूएबल एनर्जी, इथेनॉल ब्लेंडिंग और सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल जैसे कई एरिया में भी कोऑपरेशन बढ़ा रहे हैं। ग्लोबल बायोफ्यूल अलायंस में ब्राजील का एक्टिव पार्टिसिपेशन ग्रीन फ्यूचर के लिए हमारे साझा प्रतिबद्धता को दिखाता है। हम अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 20 बिलियन से आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मादक पदार्थ गिरोह के 5 सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में 'स्मैक' की आपूर्ति करने वाले एक अंतरराज्यीय मादक पदार्थ गिरोह से जुड़े पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से लगभग 60 लाख रुपए मूल्य के मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं। मुख्य आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के बदायूं निवासी अमीन खान (24) के रूप में हुई है। उसे 12 फरवरी को पूर्वी दिल्ली के पांडव नगर में नोएडा लिंक रोड के पास से गिरफ्तार किया गया था। वह कथित तौर पर 'स्मैक' (मिलावटी हेरोइन) की खेप पहुंचाने के लिए मौके पर पहुंचा था। खान के कॉल रिकॉर्ड की जांच और विश्लेषण से पुलिस को उसके दो स्थानीय सहयोगियों आसिफ (27) और इकरार (42) का पता चला।

डिवाइडर से टकराई मिनीवैन, पांच की मौत

मेहसाणा। गुजरात के उंझा-मेहसाणा राजमार्ग पर एक मिनीवैन के डिवाइडर से टकराने के बाद एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। हादसे में छह अन्य घायल हो गए। चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जिनकी पहचान रामलाल कुमावत, कोमल कुमावत, कैलाशभाई कुमावत और आयुष कुमावत (04) के रूप में हुई है। यह घटना तड़के उनावा गांव के निकट तब हुई, जब परिवार राजस्थान के पाली जिले में अपने पैतृक स्थान पर एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद अहमदाबाद लौट रहा था।

नवी मुंबई हवाई अड्डे ने शुरू की डिजियात्रा सुविधा

मुंबई। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने के लगभग दो महीने बाद 'डिजियात्रा' सेवा शुरू करने की घोषणा की है। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा देश के पांच अन्य हवाईअड्डों के साथ नागर विमानन मंत्रालय के राष्ट्रव्यापी डिजी यात्रा कार्यक्रम में डिजिटल रूप से शामिल हो गया है। उद्घाटन समारोह ऑनलाइन किया गया और इस मौके पर तीन यात्रियों ने प्रतीकात्मक रूप से डिजियात्रा ई-गेट का इस्तेमाल किया और बायोमेट्रिक प्रवेश बिंदुओं पर रिबन काटा। डिजी यात्रा हवाईअड्डे पर यात्रियों की प्रवेश प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए चेहरे की पहचान प्रौद्योगिकी का उपयोग करती है।

पश्चिम मध्य रेल
वाणिज्य विभाग, जबलपुर मंडल
क्र.जबल/सी/170/ई–ऑक्शन/विविध/26
दिनांक: 16/02/2026
वरि.मंडल वाणिज्य प्रबंधक जबलपुर द्वारा IREPS पर पंजीकृत संस्थाओं से ई–ऑक्शन के माध्यम से विज्ञापन एवं एसएलआरलीजिंग ठेके हेतु बोलियाँ आमंत्रित की जा रही है। ऑक्शन कैटेलाग को IREPS की वेबसाइट www.ireps.gov.in. पर प्रकाशित किया जा चुका है। जबलपुर मंडल के आगामी ई–ऑक्शन का विवरण निम्नवत है।, **श्रेणी–** पार्सल लीजिंग, **कैटेलाग:** JBP-C-PLS-25-56, **एसेट विवरण:** जबलपुर मंडल की गाड़ी संख्या 11702, 22181, 11754, 20827, 11703, 12062, 12187, 20906, 20152, 11651, 12186, 12121 एवं 12192, के एसएलआर लीजिंग हेतु।, **एसेट विवरण:** गाड़ी संख्या 11447–1148 में व्ही पी की लीजिंग राउंड ट्रिप बेसिस पर।, **ऑक्शन प्रारंभ:** 02/03/2026, 12:00 hrs, **ऑक्शन समापन:** 02/03/2026, 14:40 hrs, 1. बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है। कि ई–ऑक्शन से सम्बन्धित जानकारी के लिए रेलवे की वेबसाईट www.ireps.gov.in. देखे।, 2. उक्त ई–ऑक्शन आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) के ई–ऑक्शन मोडयूल के माध्यम से आमंत्रित किया गया है।, 3. ई ऑक्शन सम्बन्धित समस्त जानकारी जैसे पात्रता, कार्य का दायरा, ठेके की अवधि, नियम एवं शर्ते आदि आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) की वेबसाईट www.ireps.gov.in. पर उपलब्ध है।, 4. बोलीदाता IREPS में उल्लेखित दिनांक एवं समय के अनुसार ही ई ऑक्शन में भाग ले सकते है।, 5. सभी संभावित बोली दाताओ से अनुरोध है कि ई– ऑक्शन से सम्बन्धित किसी भी शुद्धिपत्र हेतु नियमित रूप से रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in. का अवलोकन करते है।
(हस्ता.)
कृते मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए- 50-वर्ष/ 5'4''/ गवर्नमेंट रेलवे टिकट कलेक्टर (BRS) कार्यरत मासिक -62400/ नि :संतान हेतु वर चाहिए! अविवाहित, तलाकशुदा, विधुर, नौकरीपेशा, घर जमाई, रिटायर्ड मान्य -7898382130, 98939 51705 (1324)

वधु चाहिए

वधु चाहिए- अग्रवाल वधु चाहिए उम्र 26 वर्ष रंग गोरा अकेला 12वीं पास ऊंचाई 5'5" अविवाहित स्वंय की व्यवसाय, स्वयं का घर उच्च वर्ग हेतु वधु चाहिए मो.- 7049784336, 88158 59240, पता- बी. अग्रवाल, राधाकृष्ण मंदिर डोंगरगांव छत्तीसगढ़ (6681)

वधु चाहिए

बिलासपुर निवासी बिजनेस एवं प्राइवेट जॉब कर रहे 28 वर्षीय सरयूपारी ब्राह्मण युवक हेतु सुयोग्य वधु चाहिए सर्व ब्राह्मण स्वीकार्य
सम्पर्क करें- 6263215412 9229991967

हरिभूमि
आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इश्तहार,जाहिर सूचना
@ Rs.1200/- साइज (फिक्स) 12X4 cm
अन्य साईज में @ Rs. 40 sq.cm
1 अप्रैल 2025 से लागू
बुकिंग के लिए संपर्क करें। मो. 9977912473

आवश्यकता

अनुभवी सुरक्षागार्ड, गनमैन, फिल्ड ऑफिसर, सिक्यूरिटी सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री। पता- साई सिक्यूरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जेजे हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 8085233213, 8253010291, 722302602, 8889997826 (RO 39987)

आवश्यक सूचना

R- 22/01/25 to13/03/26
Not , 26,27/01/26, 15/02/26 , 04,08/03/2026

शब्द पहेली - 6146

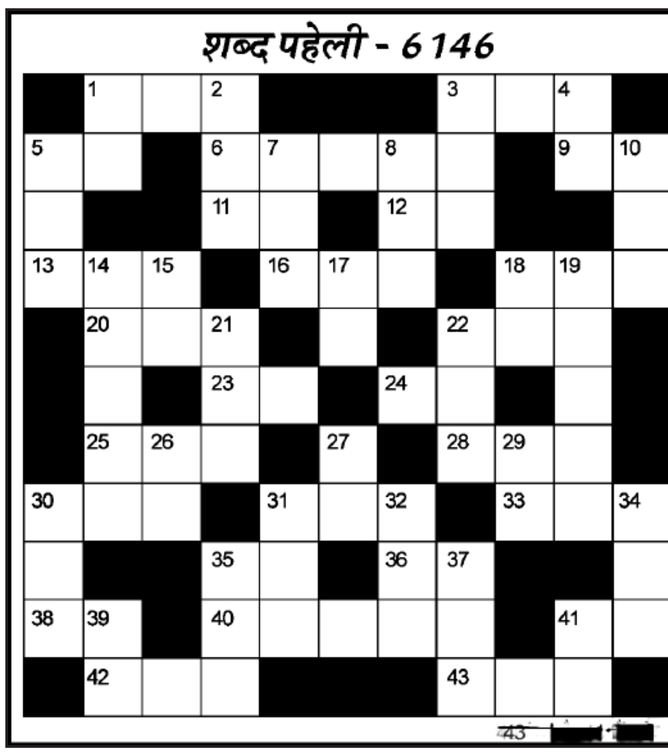

बाएँ से दाए-
1.ईश्वर,करतार-3
3.मुस्कुराहट-3
5.ईख-2
6.रजनीगंधा -2,1,2
9.समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11.ताकत,दम-2
12.अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13.वेतन,पगार-3
16.मनोनीत,नामकृत-3
18.बंधक,गिरवी वस्तु-3
20.निशा,रात्री-3
22.वचन,प्रतिज्ञा-3
23.श्रीनगर की झील-2
24.मूल्य,कीमत-2
25.असावधान-3
28.धिक्कार,फटकार-3
30.हवा,पवन-3
31.झाझर,कुंभ-3
33.चिंतन-3
35.संस्कृत में मेरा-2
36.मादा का विलोम-2
38.कुबेर,भूत-2
40.परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41.फलों का राजा-2
42.फूल चुननेवाली-3
43.घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे
1.तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2.बेकार-3
3.दीवान,खजांची-3
4.पैगंबर,रसूल-2
5.झूठ,मिथ्या -3
7.तेल में पकाना-3
8.आराम,मदद-3
10.गुलिस्ता-3
14.नरकभोगी-5
15.खुजली-2
17.सखा,दोस्त-2
18.मजा,आनंद-2
19.स्वदेशवासी-5
21.सुई (अंग्रेजी-3)
22.विष्णुप्रिया-3
26.पुनः,वापस-2
27.मर्करी,पारद-2
29.भीगा हुआ-2
30.वक्त,टाईम-3
31.अच्छी बुद्धि-3
32.निम्नता-3
34.मुलायम-3
35.बड़ा,विशाल-3
37.धनवान-3
39.माफी-2
41.उम्मीद-2

शब्द पहेली -6145 का हल

सुडोकू नवताल- 6156

मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सुडोकू नवताल- 6155 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

राशिफल

मेष – परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में वृद्धि के साथ स्थान परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी।

वृष – कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। व्यर्थ की भागदौड़ बढ़ सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन – लाभ में में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। कारोबार के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

कर्क – सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें। मान–सम्मान बढ़ेगा। बातचीत में संतुलन बनाए रखें। वाणी में कठोरता का प्रभाव हो सकता है।

सिंह – कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव हो सकते हैं।

तुला – व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें।

वृश्चिक – पठन–पाठन में रुचि बढ़ेगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। कार्यभार में वृद्धि होगी। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। आय में वृद्धि होगी।

धनु – जीवनसाथी से नोकझोंक हो सकती है। कुटुम्ब में मान–सम्मान की प्राप्ति के योग हैं। लंबी यात्रा पर जाना हो सकता है। सुखद परिणाम मिलेंगे।

मकर – व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। खर्चों की अधिकता रहेगी। रहन–सहन कष्टमय हो सकता है।

कुंभ – नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

मीन – शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। मान–सम्मान मिलेगा। शासन–सत्ता का सहयोग रहेगा। कला एवं संगीत में रुचि बढ़ेगी। खर्च अधिक रहेंगे।

सुरक्षित निवेश के कई मजबूत विकल्प, मिलेगा बढ़िया रिटर्न

- पीपीएफ, एनएससी, एससीएसएस और सुकन्या जैसी योजनाएं दे रही हैं आकर्षक ब्याज और टैक्स लाभ
- कम जोखिम में स्थिर आय और लंबी अवधि में मजबूत फंड बनाने के विकल्प
- बैंक एफडी से आगे बढ़कर सोचें, सरकारी योजनाओं में छिपा है बेहतर रिटर्न

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में निवेशकों की सबसे बड़ी प्राथमिकता है पूंजी की सुरक्षा और स्थिर रिटर्न। शेयर बाजार की अस्थिरता से घबराने वाले या जोखिम कम लेना चाहने वाले लोग आमतौर पर बैंक एफडी का सहारा लेते हैं। लेकिन क्या एफडी ही एकमात्र सुरक्षित विकल्प है? असल में, सरकार समर्थित कई ऐसी योजनाएं हैं जो न केवल सुरक्षित हैं, बल्कि कई मामलों में एफडी से बेहतर ब्याज भी देती हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही भरोसेमंद निवेश विकल्पों के बारे में, जहां सुरक्षा के साथ अच्छा रिटर्न भी मिल सकता है।

कंपाउंडिंग के लिए सबसे बेहतर

1. पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) अगर आपका लक्ष्य लंबी अवधि में सुरक्षित तरीके से बड़ा फंड बनाना है, तो पीपीएफ एक बेहतरीन विकल्प है।

- निवेश अवधिः 15 वर्ष
- वर्तमान ब्याज दर : 7.1% (सरकार द्वारा तिमाही आधार पर तय)
- अधिकतम निवेश : 1.5 लाख रुपये प्रति वर्ष
- टैक्स लाभ : धारा 80सी के तहत छूट
- पीपीएफ की सबसे बड़ी खासियत है इसका ईईई स्टेटस निवेश, ब्याज और मैच्योरिटी राशि तीनों टैक्स-फ्री होती हैं। यह योजना खासकर उन निवेशकों के लिए उपयुक्त है जो रिटायरमेंट या बच्चों की उच्च शिक्षा जैसे दीर्घकालिक लक्ष्य के लिए सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं।

2. नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (एनएससी)

- यदि आप 5 साल की अवधि के लिए सुरक्षित निवेश चाहते हैं, तो एनएससी एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- निवेश अवधि : 5 वर्ष
- ब्याज दर : लगभग 7.7%
- टैक्स लाभ : 80सी के तहत छूट
- एनएससी में निवेश की गई राशि सुरक्षित रहती है और तय ब्याज दर के अनुसार परिपक्वता पर रिटर्न मिलता है। यह योजना उन लोगों के लिए बेहतर है जो मध्यम अवधि के लक्ष्य के लिए निवेश करना चाहते हैं और जोखिम नहीं लेना चाहते।

3. सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम (एससीएसएस)

- यह योजना विशेष रूप से 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए है।
- निवेश अवधि : 5 वर्ष (आवश्यकतानुसार बढ़ाई जा सकती है)
- ब्याज दर : लगभग 8% से अधिक (तिमाही समीक्षा के अधीन)

नियमित ब्याज भुगतान

- एससीएसएस उन सेवानिवृत्त लोगों के लिए बेहद उपयोगी है जो अपने रिटायरमेंट फंड से नियमित आय चाहते हैं। ब्याज तिमाही आधार पर मिलता है, जिससे नकदी प्रवाह बना रहता है।

4. पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम (एमआईएस)

- अगर आप सुरक्षित निवेश के साथ हर महीने नियमित आय चाहते हैं, तो पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम एक बेहतर विकल्प है।
- निवेश अवधिः 5 वर्ष
- ब्याज दरः लगभग 7.4%
- मासिक ब्याज भुगतान

5. सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई)

- बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए यह योजना विशेष रूप से बनाई गई है।
- पात्रताः 10 वर्ष या उससे कम आयु की बेटी
- निवेश अवधिः 15 वर्ष
- मैच्योरिटीः 21 वर्ष
- अधिकतम निवेशः 1.5 लाख रुपये प्रति वर्ष
- ब्याज दरः लगभग 8.2%
- एसएसवाई वर्तमान में सबसे अधिक ब्याज देती है।

एसआईपी संपत्ति निर्माण का एक आसान और व्यवस्थित तरीका बिना योजनाबद्ध निकासी निवेश को कर देती है बर्बाद

सिर्फ एसआईपी नहीं एसडब्लूपी भी जरूरी

बिजनेस डेस्क

जनवरी 2026 में निवेशकों ने सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए म्यूचुअल फंड में 31,000 करोड़ रुपये का निवेश किया। एसआईपी अब आदत जैसी बन गई है। यह संपत्ति निर्माण का एक आसान और व्यवस्थित तरीका बन गया है। लेकिन असली परीक्षा तब शुरू होती है जब आप इसका उपयोग करना शुरू करते हैं। बिना योजनाबद्ध निकासी रणनीति के वर्षों का अनुशासित निवेश जल्दी ही बिखर सकता है। इसलिए हर एसआईपी के साथ एक सिस्टमैटिक विदड्रॉल प्लान (एसडब्लूपी) होना भी जरूरी है। एसआईपी संपत्ति संचय का एक प्रभावी साधन है, लेकिन यह सुचारु परिणाम की गारंटी नहीं देता। इसलिए एसआईपी से बाहर निकलने का समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि आपका एसआईपी कितने समय तक चला या आपने इसे किस बाजार परिस्थिति में शुरू किया। अंतिम चरण में बाजार में गिरावट आपकी योजनाओं को पटरी से उतार सकती है। मान लीजिए एक निवेशक ने जनवरी 2005 में एसबीआई निफ्टी इंडेक्स फंड में 10,000 रुपये की मासिक एसआईपी शुरू की। लक्ष्य था 2020 के मध्य तक घर की डाउन पेमेंट के लिए 40 लाख रुपये जुटाना। 31 जनवरी 2020 तक 18 लाख रुपये का निवेश बढ़कर 40.73 लाख रुपये हो गया। लक्ष्य आसानी से हासिल होता दिख रहा था। फिर महामारी के कारण बाजार में गिरावट आई। 23 मार्च 2020 तक यह कॉर्पस घटकर 26 लाख रुपये रह गया यानी अचानक 14 लाख रुपये की कमी। पोर्टफोलियो को दोबारा संभलने में लगभग आठ महीने लग गए। यदि निवेशक ने लक्ष्य तिथि से 12-18 महीने पहले एसडब्लूपी के माध्यम से चरणबद्ध निकासी शुरू कर दी होती तो कुछ मुनाफा सुरक्षित किया जा सकता था। एसडब्लूपी मूलतः एसआईपी का उल्टा है। नियमित अंतराल पर निश्चित रकम निवेश करने के बजाय आप तय समयावधि में नियमित रूप से निश्चित राशि निकालते हैं। जैसे-जैसे लक्ष्य नजदीक आता है, एसडब्लूपी एक संतुलित और क्रमिक निकासी का मार्ग तैयार करता है।

बकेट रणनीति भी बनाएं

रिटायरमेंट में हर फंड एसडब्लूपी के लिए उपयुक्त नहीं होता। विशेषज्ञ तीन-बकेट रणनीति सुझाते हैं। तीन साल के खर्च लिक्विड फंड में, चौथे से सातवें वर्ष के खर्च कंजरवेटिव हाइब्रिड फंड में और दीर्घकालिक निवेश इक्विटी में ताकि मुद्रास्फीति को मात दी जा सके। निकासी पहले बकेट से शुरू होती है। जैसे-जैसे वह कम होता है, दूसरे बकेट से उसे भरा जाता है और बाद में तीसरे बकेट से। यह स्तरीय संरचना निकट अवधि के खर्चों को इक्विटी की अस्थिरता से बचाती है और दीर्घकालिक वृद्धि को बनाए रखती है।

चक्र को पूरा करना जरूरी

हर वित्तीय यात्रा व्यक्तिगत लक्ष्यों, आय पैटर्न और जोखिम सहनशीलता से प्रभावित होती है। लेकिन सिद्धांत सार्वभौमिक है। वितरण योजना के बिना संचय अधूरा है। एसआईपी से एसडब्लूपी तक सुचारु संक्रमण आवश्यक है। सही तरीके से किया जाए तो यह साझेदारी चक्रवृद्धि की शक्ति को जारी रखते हुए आपको नियमित आय भी देती रहती है।

एसडब्लूपी है वितरण की संरचना

इस संरचना के दो प्रमुख लाभ हैं। पहला यह अंतिम समय की बाजार अस्थिरता से अर्जित लाभ के एक हिस्से की सुरक्षा करता है। दूसरा जो राशि नहीं निकाली जाती, वह निवेशित बनी रहती है और अंतिम चरण में संभावित बढ़त का लाभ उठाती है। उद्योग के विशेषज्ञ अब एसआईपी और एसडब्लूपी को एक संयुक्त रणनीति के दो हिस्सों के रूप में देखते हैं। वे इस संयोजन को जीवन भर का एसआईपी बताते हैं। कमाई के वर्षों में व्यवस्थित बचत और आय कम होने पर व्यवस्थित निकासी, बिना चक्रवृद्धि की ताकत को तोड़े। असल में एसआईपी संचय का इंजन है, जबकि एसडब्लूपी वितरण की संरचना। यह दोनों मिलकर संपत्ति निर्माण, संरक्षण और वितरण का निरंतर चक्र बनाते हैं।

सेवानिवृत्ति से आगे की भी सोचें

परंपरागत रूप से एसडब्लूपी को रिटायरमेंट आय के साधन के रूप में देखा जाता रहा है, लेकिन यह धारणा बदल रही है। एसडब्लूपी जीवन के विभिन्न चरणों में एक लचीला और कर-कुशल नकदी प्रवाह समाधान बनकर उभर रहा है। यह लोन की ईएमआई, बच्चों की फीस या अनियमित आय से जुड़े जीवनशैली खर्च जैसे नियमित खर्चों में मदद कर सकता है। एसडब्लूपी फ्रीलांसर, कंसल्टेंट या चक्रीय आय वाले व्यवसायियों के लिए भी उपयोगी है। अधिक आय वाले महीनों में अतिरिक्त कमाई निवेश की जा सकती है, जबकि एक छोटा एसडब्लूपी निश्चित मासिक खर्चों के लिए स्थिर आय प्रदान कर सकता है। यहां तक कि एकमुश्त लक्ष्यों जैसे शादी या घर की मरम्मत के लिए भी एसडब्लूपी चरणबद्ध निकासी की सुविधा देता है, जिससे टाइमिंग जोखिम कम होता है और शेष पूंजी निवेशित बनी रहती है।

संक्रमण की योजना भी हो

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि निवेश के तुरंत बाद एसडब्लूपी शुरू नहीं करना चाहिए। निकासी शुरू होने से पहले पोर्टफोलियो को बढ़ने का समय चाहिए। बहुत जल्दी शुरुआत करने से यदि बाजार अस्थिर हो जाए, तो मूलधन पर असर पड़ सकता है। कर दक्षता भी इसका एक बड़ा लाभ है। प्रत्येक एसडब्लूपी किस्त में मूलधन और पूंजीगत लाभ दोनों शामिल होते हैं, लेकिन कर केवल लाभ वाले हिस्से पर लगता है। कम से कम एक वर्ष तक निकासी टालने से इक्विटी निवेश दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर के दायरे में आ जाता है, जिसमें सालाना 1.25 लाख रुपये तक के लाभ पर छूट मिलती है। अनिवार्य लक्ष्यों के लिए आदर्श रूप से लक्ष्य तिथि से 2-3 वर्ष पहले एसडब्लूपी शुरू कर देना चाहिए। भले ही कॉर्पस थोड़ा कम हो। अंतिम वर्ष तक इंतजार करने से जोखिम बढ़ जाता है। चरणबद्ध निकासी परिणामों को संतुलित बनाती है।

कितनी निकासी सुरक्षित है?

दीर्घकालिक स्थितियों जैसे सेवानिवृत्ति में निकासी दर यह तय करती है कि बचत 20-30 वर्षों तक चलेगी या समय से पहले खत्म हो जाएगी। जोखिम केवल बाजार की अस्थिरता नहीं, बल्कि सीक्वेंस-ऑफ-रिटर्न्स का भी होता है। यदि शुरुआती वर्षों में खराब रिटर्न के दौरान निकासी होती है तो कॉर्पस तेजी से घट सकता है। एसआईपी के विपरीत, जहां गिरते बाजार में अधिक यूनिट जमा होती हैं, एसडब्लूपी में गिरावट के दौरान समान नकदी प्रवाह के लिए अधिक यूनिट बेचनी पड़ती हैं। इसलिए निकासी दर संतुलित और सावधानीपूर्ण होनी चाहिए। आदर्श रूप से निकासी दर पोर्टफोलियो के दीर्घकालिक संभावित रिटर्न से कम होनी चाहिए। एक सामान्य नियम यह है कि निकासी वास्तविक रिटर्न यानी मुद्रास्फीति समायोजित रिटर्न के आधार पर तय हो। यदि अपेक्षित रिटर्न 10% और मुद्रास्फीति 5% है, तो निकासी 5% से अधिक नहीं होनी चाहिए। स्थिरता बनाए रखने के लिए निकासी दर अपेक्षित रिटर्न से 2-3 प्रतिशत अंक कम रखनी चाहिए। वैश्विक शोध अक्सर 3.5-4% को एक टिकाऊ दर मानता है, लेकिन इसकी उपयुक्तता एसेट आवंटन, जीवन प्रत्याशा और जीवनशैली की जरूरतों पर निर्भर करती है। प्रदर्शन के आधार पर समायोजित होने वाली डायनेमिक निकासी रणनीतियां भी मजबूती बढ़ा सकती हैं।

क्या एसआईपी सच में बना सकती है अमीर?

नौकरीपेशा लोगों के लिए छोटी बचत को निवेश में बदलना व्यावहारिक तरीका

अनुशासन लंबे समय में संपत्ति निर्माण की रखता है नींव

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में हर कमाने वाला व्यक्ति चाहता है कि उसकी आय सिर्फ खर्च तक सीमित न रहे, बल्कि भविष्य में बड़ी पूंजी में बदले। नौकरीपेशा लोगों के लिए हर महीने छोटी-छोटी बचत को निवेश में बदलना सबसे व्यावहारिक तरीका है। इसी संदर्भ में एसआईपी सबसे ज्यादा चर्चा में रहता है। लेकिन सवाल यह है क्या एसआईपी वास्तव में आपको अमीर बना सकती है? सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि एसआईपी कोई निवेश उत्पाद (प्रोडक्ट) नहीं, बल्कि निवेश करने का तरीका है। असल निवेश म्यूचुअल फंड में होता है और एसआईपी उस फंड में नियमित अंतराल पर तय रकम लगाने की प्रणाली है। यानी आप हर महीने एक निश्चित राशि निवेश करते हैं, चाहे बाजार ऊपर हो या नीचे। यही अनुशासन लंबे समय में संपत्ति निर्माण की नींव रखता है। अमीर बनने की संभावना इस बात पर निर्भर करती है कि आप कितने समय तक निवेश करते हैं और कितनी निरंतरता बनाए रखते हैं। शेयर बाजार से जुड़े फंड्स में ऐतिहासिक रूप से लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देखने को मिले हैं, लेकिन अल्पकाल में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है। जो निवेशक 8–10 साल या उससे अधिक का धैर्य रखते हैं, उन्हें चक्रवृद्धि का वास्तविक लाभ मिलता है। छोटी रकम भी समय के साथ बड़ी पूंजी में बदल सकती है। बशर्ते निवेश नियमित और दीर्घकालिक हो।

जल्दी अमीर बनने का शॉर्टकट नहीं

हालांकि, यह समझना भी जरूरी है कि एसआईपी "जल्दी अमीर बनने" का शॉर्टकट नहीं है। बाजार में गिरावट आएगी, रिटर्न कभी ज्यादा तो कभी कम होंगे। जो लोग कुछ महीनों में चमत्कार की उम्मीद करते हैं, वे अक्सर निराश होते हैं। असली ताकत अनुशासन और समय में छिपी है, न कि तात्कालिक मुनाफे में। जोखिम, रणनीति और समझदारी का संतुलन एसआईपी बाजार से जुड़ा निवेश है, इसलिए इसमें जोखिम भी शामिल है। यह फिक्स्ड डिपॉजिट या पीपीएफ की तरह पूरी तरह सुरक्षित विकल्प नहीं है। सही फंड का चयन, अपने जोखिम स्तर की पहचान और निवेश लक्ष्य की स्पष्टता बेहद जरूरी है। यदि आपका लक्ष्य 10-15 साल दूर है जैसे रिटायरमेंट या बच्चों की पढ़ाई तो इक्विटी आधारित फंड उपयुक्त हो सकते हैं, लेकिन कम अवधि के लक्ष्य के लिए संतुलित या डेट फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

बाजार गिरने पर घबराएं नहीं

बाजार गिरने पर घबराहट में एसआईपी रोक देना सबसे बड़ी गलती मानी जाती है। दरअसल, गिरावट के समय कम कीमत पर अधिक यूनिट मिलती हैं, जो बाजार सुधरने पर बेहतर रिटर्न दे सकती हैं। यही "रूपीकॉस्ट एवरेजिंग" का फायदा है। इसलिए समझदारी यही है कि उतार-चढ़ाव को निवेश यात्रा का हिस्सा मानें। एक और आम गलती है बहुत सारे फंड में निवेश कर देना। अलग-अलग सलाह के चक्कर में पोर्टफोलियो इतना जटिल हो जाता है कि निगरानी मुश्किल हो जाती है। बेहतर है कि अपने लक्ष्य के अनुसार सीमित और संतुलित फंड चुनें। गुणवत्ता पर ध्यान दें, संख्या पर नहीं। एसआईपी की एक बड़ी खूबी लचीलापन भी है। आपकी आय बढ़े तो निवेश राशि बढ़ा सकते हैं, जरूरत पड़े तो घटा या रोक भी सकते हैं। यह कोई कठोर अनुबंध नहीं है। लेकिन बार-बार बदलाव से बचना चाहिए; रणनीति सोच-समझकर तय करें।

यह जानना जरूरी

एसआईपी आपको रातोंरात अमीर नहीं बनाएगी, लेकिन समय, अनुशासन और सही रणनीति के साथ यह मजबूत संपत्ति निर्माण का प्रभावी साधन बन सकती है। समझदारी से किया गया निवेश, धैर्य और लक्ष्य-आधारित योजना यही वह सूत्र है जो सामान्य आय वाले व्यक्ति को भी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना सकता है। अमीरी केवल बड़ी कमाई से नहीं, बल्कि सही निवेश आदतों से भी आती है।

फंड तैयार करने की जल्दबाजी छोड़िए, एसआईपी को समय दें

बिजनेस डेस्क। सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) आज म्यूचुअल फंड में निवेश का सबसे लोकप्रिय तरीका बन चुका है। छोटे-छोटे मासिक निवेश के जरिए बड़ा फंड तैयार करने का यह अनुशासित माध्यम है। लेकिन एक सवाल लगभग हर निवेशक के मन में आता है। एसआईपी में रिटर्न असली रफ्तार कब पकड़ता है? कई निवेशक 1-2 साल में शानदार मुनाफे की उम्मीद करते हैं। अगर ऐसा नहीं होता, तो वे एसआईपी बंद भी कर देते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि एसआईपी का असली फायदा समय के साथ खुलकर सामने आता है।

शॉर्ट टर्म में क्यों निराश कर सकता है एसआईपी?

अगर आप 1 से 3 साल की अवधि में एसआईपी का प्रदर्शन देखें, तो तस्वीर उतनी आकर्षक नहीं दिखती। ऐतिहासिक आंकड़ों के आधार पर निफ्टी 50 पर आधारित एसआईपी के रिटर्न का विश्लेषण बताता है कि छोटे समय में रिटर्न कई बार फ्लैट या निगेटिव भी रहा है।

कुछ अवधियों में

1. साल का एक्सआईआरआर रिटर्न -60% से ज्यादा तक गिरा
2. साल में -40% के आसपास
3. साल में -20% से ज्यादा गिरावट

शुरुआती रिटर्न कमजोर

यह सुनकर घबराहट होना स्वाभाविक है। लेकिन इसका कारण समझना जरूरी है। शेयर बाजार साइकिल में चलता है कभी तेजी, कभी गिरावट। यदि आपने एसआईपी की शुरुआत बाजार के ऊपरी स्तर पर की और उसके बाद गिरावट आई, तो शुरुआती रिटर्न कमजोर दिख सकते हैं। इसे ही टाइमिंग रिस्क कहते हैं। शॉर्ट टर्म में बाजार की दिशा आपके निवेश अनुभव को प्रभावित करती है।

5 साल के बाद बदलती है तस्वीर

- जैसे-जैसे निवेश की अवधि 5 साल के आसपास पहुंचती है, उतार-चढ़ाव का असर कम होने लगता है।
- 5 साल के अधिकांश रोलिंग पीरियड में एसआईपी का रिटर्न 5% से 10% के बीच रहा है। लंबी अवधि में रिकवरी का मौका मिलता है।

दो चीजें काम करती हैं

- रुपया लागत औसत : बाजार गिरने पर आपकी तय राशि से ज्यादा यूनिट्स मिलती हैं।
- कंपाउंडिंग : शुरुआती निवेश पर मिलने वाला रिटर्न आगे रिटर्न कमाता है।
- शुरुआती सालों की कमजोरी संतुलित होने लगती है और निवेश स्थिरता दिखाने लगता है।

7 साल के बाद बढ़ती है रफ्तार

- इतिहास बताता है कि 7 साल या उससे अधिक की अवधि में एसआईपी पर निगेटिव रिटर्न की संभावना लगभग खत्म हो जाती है। डबल डिजिट रिटर्न सामान्य हो जाते हैं। यहां सबसे बड़ा बदलाव बाजार में नहीं, बल्कि निवेशक के अनुभव में आता है। बाजार गिरता है, तो आपके पास रिकवरी का पर्याप्त समय होता है। तेजी आने पर आप उस पूरी रैली का हिस्सा बनते हैं। कंपाउंडिंग का प्रभाव स्पष्ट दिखने लगता है।

ऐसे समझें

उदाहरण के तौर पर, अगर कोई निवेशक हर महीने 10,000 रुपये एसआईपी करता है और औसतन 12% रिटर्न मिलता है, तो 3 साल में कुल निवेश 3.6 लाख पर फंड लगभग 4–4.5 लाख के आसपास हो सकता है। 10 साल में कुल निवेश 12 लाख पर फंड 23–24 लाख से ज्यादा हो सकता है। यही है कंपाउंडिंग की असली ताकत।

कब शुरू करें और कितना समय दें

- जितनी जल्दी शुरू करेंगे, उतना बेहतर।
- कम से कम 7–10 साल का नजरिया रखें।
- बाजार गिरने पर बंद न करें, जारी रखें।
- लक्ष्य आधारित निवेश करें।

असली रफ्तार कहां से

- पहले 2–3 सालः उतार-चढ़ाव
- 5 सालः स्थिरता
- 7 साल+: कंपाउंडिंग का प्रभाव
- 10 साल+: वास्तविक वेल्थ क्रिएशन

धैर्य ही असली रणनीति

एसआईपी कोई जादुई फार्मूला नहीं, बल्कि अनुशासित निवेश की प्रक्रिया है। छोटे समय में परिणाम आकर्षक न दिखें, लेकिन लंबी अवधि में यह प्रभावशाली बन जाता है। अगर आप बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन करने का धैर्य रखते हैं और निवेश को 7–10 साल का समय देते हैं, तो एसआईपी मजबूत संपत्ति निर्माण करेगी।

ऑनलाइन शॉपिंग के दौर में यह सबसे लुभावना मौका

सस्ती किस्तों का जाल : क्या सच में 'नो कॉस्ट' है ईएमआई ईएमआई में नहीं दिखता ब्याज, लेकिन कीमत बदल जाती है

जानकारी

बिजनेस डेस्क

ऑनलाइन शॉपिंग के दौर में एक लाइन सबसे ज्यादा लुभाती है वो है 'नो कॉस्ट' ईएमआई। छोटी-छोटी किस्तें देखकर खरीदारी का फैसला आसान लगने लगता है। दिमाग कहता है "इतनी सी ईएमआई है, अभी ले लेते हैं।" लेकिन निवेश और व्यक्तिगत वित्त के नजरिए से देखें तो 'नो कॉस्ट' ईएमआई उतनी सरल नहीं, जितनी दिखाई देती है। अब सवाल यह है कि क्या वाकई इसमें कोई लागत नहीं होती? या फिर लागत सिर्फ नजर नहीं आती?

'नो कॉस्ट' ईएमआई होती क्या है?

सरल शब्दों में, 'नो कॉस्ट' ईएमआई का मतलब है कि आप किसी प्रोडक्ट की कीमत किस्तों में चुकाते हैं और आपको अलग से ब्याज नहीं देना पड़ता। यानी कुल ईएमआई जोड़ने पर रकम उतनी ही होगी जितनी प्रोडक्ट की कीमत। लेकिन बैंक या फाइनेंस कंपनी बिना कमाई के पैसा उधार नहीं देती। तो फिर ब्याज कौन दे रहा है? यहीं से असली खेल शुरू होता है।

बैंक की कमाई कैसे होती है?

जब आप ईएमआई चुनते हैं, तो आमतौर पर प्रोडक्ट पर मिलने वाला सीधा डिस्काउंट कम कर दिया जाता है। उसी घटे हुए डिस्काउंट से बैंक का ब्याज एडजस्ट कर दिया जाता है। मतलब ये कि कागजों में आपको "ब्याज नहीं" दिखता है। लेकिन आपको मिलने वाला फायदा पहले ही कम कर दिया जाता है। बैंक को उसका हिस्सा मिल जाता है, और ग्राहक को लगता है कि वह बिना अतिरिक्त खर्च के सुविधा ले रहा है।

एक उदाहरण से समझिए

- मान लीजिए आप 60,000 रुपये का स्मार्टफोन खरीदना चाहते हैं।
- फुल पेमेंट पर ऑफरः 5,000 रुपये का सीधा डिस्काउंट
- अंतिम कीमतः 55,000 रुपये
- अब आप नो कॉस्ट ईएमआई चुनते हैं डिस्काउंट घटकर 2,500 रुपये रह जाता है
- नई कीमतः 57,500 रुपये
- आपने शुरुआत में ही 2,500 रुपये ज्यादा दे दिए।
- अगर इसमें 499 प्रोसेसिंग फीस और उस पर 18% जीएसटी जोड़ दें, तो कुल खर्च लगभग 58,000 रुपये से ऊपर पहुंच सकता है।
- दिखने में ईएमआई आसान थी, लेकिन कुल भुगतान बढ़ चुका है।

सबसे बड़ा भ्रम हैः ईएमआई

- सुविधा=सस्ता सौदा
- असल में ईएमआई सिर्फ भुगतान को छोटे हिस्सों में बांटती है। खर्च कम नहीं करती।
- छोटी ईएमआई दिमाग पर दबाव कम डालती है। एकमुश्त 55,000 देने से ज्यादा आसान लगता है 4,800 रुपये की मासिक किस्त देना। लेकिन कुल रकम का हिसाब अक्सर नजरअंदाज हो जाता है।
- यह मनोवैज्ञानिक प्रभाव है—छोटे नंबर कम डराते हैं।
- छिपे हुए चार्ज जिन पर कम ध्यान जाता है

ये अतिरिक्त खर्च संभव

- प्रोसेसिंग फीस : 199 से 999 रुपये या उससे अधिक
- जीएसटी : प्रोसेसिंग फीस या ब्याज वाले हिस्से पर 18%
- ईएमआई कन्वर्जन चार्ज

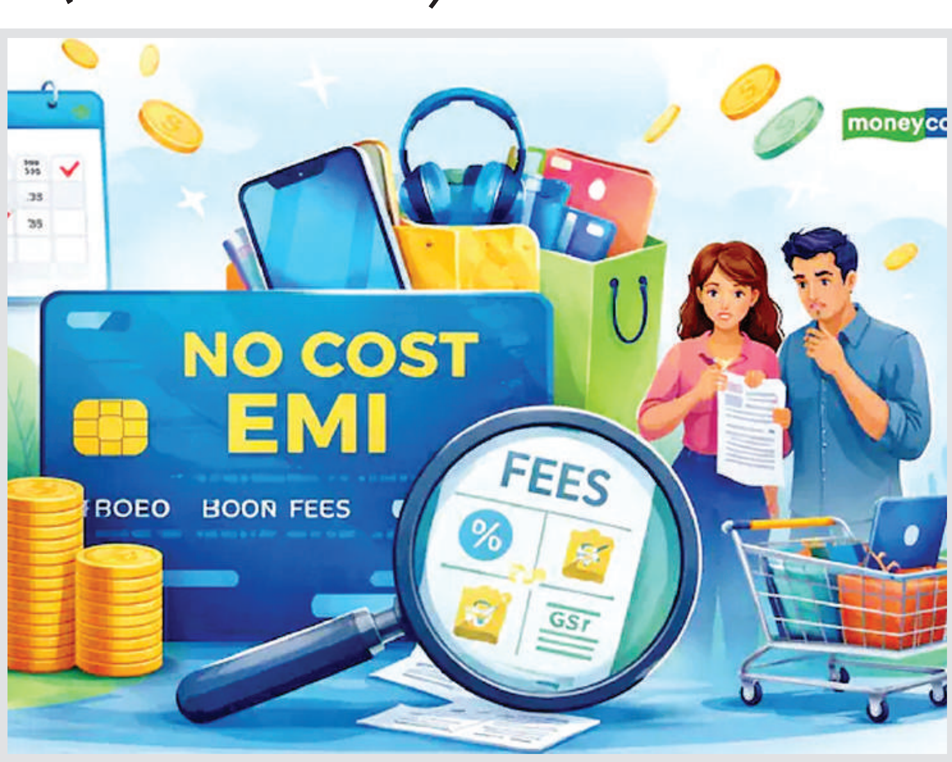

- लेट पेमेंट पेनल्टी (यदि किस्त समय पर न भरी जाए)
- ये सभी बातें अक्सर शर्तों में छिपी होती हैं, प्रोडक्ट पेज पर बड़े अक्षरों में नहीं लिखी होतीं।
- तुलनाः फुल पेमेंट बनाम नो कॉस्ट ईएमआई

भुगतान तरीका	दिखने वाली कीमत	संभावित असली खर्च
फुल पेमेंट	55,000	55,000
नो कॉस्ट ईएमआई	57,500	58,000+

यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन महंगे इलेक्ट्रॉनिक्स, फर्नीचर या एसी जैसे उत्पादों में यह हजारों रुपये तक पहुंच सकता है।

कब नो कॉस्ट ईएमआई सही विकल्प

- हर बार नो कॉस्ट ईएमआई गलत नहीं होती। कुछ परिस्थितियों में यह उपयोगी हो सकती है। आपके पास पूरी रकम उपलब्ध नहीं है। ईएमआई लेने से डिस्काउंट कम नहीं हो रहा। प्रोसेसिंग फीस शून्य है। आप कैश फ्लो मैनेजमेंट के लिए भुगतान फैलाना चाहते हैं। अगर इन शर्तों में से अधिकतर पूरी होती हैं, तो ईएमआई एक व्यावहारिक विकल्प हो सकता है।

निवेश के नजरिए से

व्यक्तिगत वित्त का एक मूल सिद्धांत है खर्च से पहले गणित करें। यदि आपके पास पर्याप्त बचत है और आप फुल पेमेंट कर सकते हैं, तो अक्सर वह सस्ता विकल्प होता है। ईएमआई चुनने से पहले यह सोचें।

सोचें क्या यह जरूरत है

- क्या ईएमआई के कारण मैं अतिरिक्त खर्च कर रहा हूं?
- क्या मैं कई ईएमआई का बोझ एक साथ उठा रहा हूं?
- कई बार लोग एक साथ 3-4 ईएमआई ले लेते हैं। छोटी-छोटी किस्तें मिलकर बड़ी मासिक देनदारी बन जाती हैं।

मार्केटिंग बनाम समझदारी

आज का ई-कॉमर्स माहौल भावनात्मक फैसले लेने को प्रेरित करता है। अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें। लेकिन समझदार खरीदार पहले कैलकुलेशन करता है, फिर निर्णय लेता है। नो कॉस्ट ईएमआई धोखा नहीं है, लेकिन अधूरी जानकारी नुकसान में बदल सकती है। नो कॉस्ट ईएमआई सुविधा देती है, लेकिन हर सुविधा की एक कीमत होती है चाहे वह सीधी दिखे या छिपी हुई हो। इसलिए पहले पूरा गणित समझें, कुल भुगतान जोड़ें, और फिर फैसला लें। क्योंकि समझदारी से किया गया खर्च ही असली बचत है।

भारत का नजरिया एआई को कुछ चुनिंदा कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय इसे आम आदमी की भाषा और जरूरतों के हिसाब से ढालकर एक डिजिटल क्रांति लाने का है। एआई अब हर क्षेत्र में गहराई से प्रवेश कर चुका है, लेकिन इसके साथ ही बड़े खतरे भी सामने आए हैं- नौकरियों पर असर और स्किल में बड़ा अंतर, डेटा प्राइवेसी और साइबर सुरक्षा, डीपफेक, गलत सूचना और चुनावी हस्तक्षेप भेदभाव और पक्षपात, इंसानी नियंत्रण से बाहर जाती टेक्नोलॉजी का डर। दूसरी एक बड़ी चिंता विदेशी एआई सिस्टम पर निर्भरता और उसके चलते मार्केट कंसंट्रेशन है। फिर भी, एआई अब केवल भविष्य की अवधारणा नहीं, बल्कि वर्तमान का हिस्सा बन चुका है। एआई लोगों को रोजगार देगा। 2025 में भारत में लगभग 2.9 लाख एआई से जुड़े रोजगार के अवसर पैदा हुए और 2026 में इसमें 32% की वृद्धि होने का अनुमान है, जो करीब 3.8 लाख नई नौकरियों का लक्ष्य दिखाता है। हालांकि एआई के लाभ तभी व्यापक होंगे, जब उसका उपयोग केवल बड़े शहरों या बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे, बल्कि गांवों, छोटे उद्यमों और सामान्य नागरिकों तक पहुंचे। साथ ही, सरकार को इस बात पर भी निरंतर नजर रखनी होगी कि एआई का दुरुपयोग, जैसे फेक न्यूज, डीपफेक, साइबर अपराध और डेटा के अनैतिक इस्तेमाल समाज में अस्थिरता न पैदा करें। भरोसा और सुरक्षा, एआई के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी हैं। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

एआई लोगों की मदद करेगा, रहना होगा अलर्ट

विश्लेषण
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

भारत का नजरिया एआई को कुछ चुनिंदा कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय इसे आम आदमी की भाषा और जरूरतों के हिसाब से ढालकर एक डिजिटल क्रांति लाने का है। एआई अब हर क्षेत्र में गहराई से प्रवेश कर चुका है, लेकिन इसके साथ ही बड़े खतरे भी सामने आए हैं। जैसे नौकरियों पर असर और स्किल में बड़ा अंतर, डेटा प्राइवेसी और साइबर सुरक्षा, डीपफेक, गलत सूचना और चुनावी हस्तक्षेप भेदभाव और पक्षपात, इंसानी नियंत्रण से बाहर जाती टेक्नोलॉजी का डर। इसलिए हमें एआई को लेकर अलर्ट भी रहना होगा।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में जो कुछ हुआ, उसने साफ कर दिया कि यह केवल एक ग्लोबल इवेंट नहीं, बल्कि भारत की टेक्नोलॉजी सॉवरेनिटी का वैश्विक शंखनाद था, जिसकी गूंज पेरिस से लेकर न्यूयॉर्क तक सुनाई दी। इसमें शामिल दुनिया के दिग्गज नेताओं से लेकर टेक्नोलॉजी पर राज करने वाली कंपनियों के सीईओ तक ने जो बातें कहीं, वह भारत की चमक बयां करती हैं। इतना ही नहीं, भारत इस समिट के जरिए दुनिया को यह संदेश दिया है कि एआई का विकास सिर्फ ताकतवर देशों का खेल नहीं होना चाहिए, बल्कि यह एक ऐसा क्षेत्र बने जहां ग्लोबल साउथ की आवाज, जरूरतें और चुनौतियां भी केंद्र में हों। अब तक एआई पर वैश्विक बहस ज्यादातर अमेरिका, यूरोप और चीन के इर्द-गिर्द घूमती रही है, लेकिन भारत जैसे देश के सामने विशाल आबादी, विकासशील अर्थव्यवस्था, डिजिटल डिवाइड, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, विभिन्न भाषाएं और सामाजिक संरचना को लेकर अलग-अलग चुनौतियां हैं। भारत चाहता है कि एआई का इस्तेमाल केवल कॉर्पोरेट मुनाफे या सैन्य ताकत बढ़ाने तक सीमित न रहे, बल्कि यह गरीबी घटाने, सार्वजनिक सेवाओं को बेहतर बनाने और शासन को अधिक पारदर्शी बनाने का औजार बने। एआई समिट के जरिए भारत यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि वह एआई फॉर गुड का मॉडल पेश कर सकता है। वह डेमोक्रेटिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस गवर्नेंस का उदाहरण बन सकता है और ग्लोबल साउथ की चिंताओं को ग्लोबल एजेंडे में ला सकता है। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास और इस्तेमाल का ग्लोबल हब बनाने का बड़ा विज़न 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' पेश किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों से भारत में डिज़ाइन करने और दुनिया को डिलीवर करने का आह्वान किया। इस महत्वाकांक्षा को एआई समिट में भी प्रमुखता से दिखाया गया, जिसने भारत को ग्लोबल साउथ में एक लीडर और दुनिया के मंच पर एक बड़े खिलाड़ी के तौर पर पेश किया। भारत दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी आबादी के साथ सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और इसकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्रांति में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। वर्तमान में भले ही अमेरिका और चीन एआई के दो विपरीत ध्रुव बने हुए हैं, लेकिन भारत में एआई लीडर बनने की तीव्र आकांक्षा और क्षमता है। भारत में भी वर्तमान में एआई पर व्यापक शोध कार्य चल रहा है, जो वैश्विक समस्याओं के समाधान में सहायक हो सकता है। एआई का उद्देश्य लोगों की मदद करना है, न कि उनकी जगह लेना। भविष्य में मनुष्य स्मार्ट सिस्टम के साथ मिलकर काम करेंगे।

सरकार की प्रतिबद्धता इंडिया एआई मिशन जैसी बड़ी पहलों से और मजबूत होती है, जिसके लिए अगले पांच सालों में 10,300 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। इसका मकसद कंप्यूटिंग पावर बढ़ाना और सस्ती दरों पर रिसर्च के मौके उपलब्ध कराना है। दुनिया भर में एआई के क्षेत्र में भारत की तेजी से हुई तरक्की साफ दिखती है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी ने इसे अमेरिका और चीन के बाद एआई वाइब्रेंस में तीसरे स्थान पर रखा है। यह तरक्की भले ही गति दिखाती है, लेकिन स्थापित एआई दिग्गजों से मुकाबले के लिए अभी काफी लंबा सफर तय करना बाकी है। अमेरिका प्राइवेट इन्वेस्टमेंट, कंप्यूटिंग क्षमता और फाउंडेशन मॉडल डेवलपमेंट जैसे अहम क्षेत्रों में आगे है, जबकि चीन रिसर्च आउटपुट और पेटेंट जनरेशन में बाजी मारता है। भारत का एआई इकोसिस्टम अभी मैच्योर होने के बजाय तेजी से बढ़ रहा है। इस कंपीटिशन के माहौल में न सिर्फ एआई की बुनियादी क्षमताओं में बड़ा निवेश जरूरी है, बल्कि स्वदेशी विकास पर भी खास ध्यान देना होगा, खासकर सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में, जहां भारत एक उपभोक्ता से निर्माता बनने की ओर बढ़ रहा है।

आज जब दुनिया एआई क्रांति के मुहाने पर है और भारत इस क्षेत्र की तीसरी सबसे सक्षम शक्ति बनने की तैयारी कर रहा है इसी कारण दुनिया भर की नामी एआई कंपनियां देश में दिलचस्पी लेने के साथ भारी निवेश भी कर रही हैं, तब फिर सरकार को एआई क्रांति की चुनौतियों से सावधान रहने के साथ उससे उत्पन्न हो रहे अवसरों को भुनाने के लिए कोई ठोस रूपरेखा बनानी चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पूरी तरह डेटा पर आधारित है। इसका मतलब ये है कि किसी भी एआई टूल के पास जितना अधिक डेटा होगा वो मॉडल उतना ही शक्तिशाली होगा। हालांकि, आधार और यूपीआई जैसी डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं के जरिए भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि हम तकनीक को कितने बड़े पैमाने पर लागू कर सकते हैं। अब यही काम हम एआई के साथ करने जा रहे हैं। भारत का नजरिया एआई को कुछ चुनिंदा कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय इसे आम आदमी की भाषा और जरूरतों के हिसाब से ढालकर एक डिजिटल क्रांति लाने का है। एआई अब हर क्षेत्र में गहराई से प्रवेश कर चुका है। लेकिन इसके साथ ही बड़े खतरे भी सामने आए हैं- नौकरियों पर असर और स्किल में बड़ा अंतर, डेटा प्राइवेसी और साइबर सुरक्षा, डीपफेक, गलत सूचना और चुनावी हस्तक्षेप भेदभाव और पक्षपात, इंसानी नियंत्रण से बाहर जाती टेक्नोलॉजी का डर। दूसरी एक बड़ी चिंता विदेशी एआई सिस्टम पर निर्भरता और उसके चलते मार्केट कंसंट्रेशन है। फिर भी, एआई अब केवल भविष्य की अवधारणा नहीं, बल्कि वर्तमान का हिस्सा बन चुका है।

एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि भारत एआई को केवल तकनीक के रूप में नहीं, बल्कि विकास, समावेशन और सुशासन के उपकरण के रूप में देख रहा है। तेजी से बढ़ती एआई प्रतिस्पर्धा के बीच यह शिखर सम्मेलन भारत के लिए अपनी उपलब्धियों को दुनिया के सामने रखने का शानदार अवसर रहा है। एआई के लाभ तभी व्यापक होंगे, जब उसका उपयोग केवल बड़े शहरों या बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे, बल्कि गांवों, छोटे उद्यमों और सामान्य नागरिकों तक पहुंचे। डिजिटल विभाजन को कम किए बिना एआई क्रांति अधूरी रहेगी। साथ ही, सरकार को इस बात पर भी निरंतर नजर रखनी होगी कि एआई का दुरुपयोग, जैसे फेक न्यूज, डीपफेक, साइबर अपराध और डेटा के अनैतिक इस्तेमाल समाज में अस्थिरता न पैदा करें। भरोसा और सुरक्षा, एआई के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी हैं।

एआई छीनेगा नहीं, लाखों नौकरियां देगा युवाओं को

उम्मीद
विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

आजकल हर तरफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की चर्चा है। राजधानी में एआई इंपैक्ट सम्मेलन में हाल ही में संपन्न हुआ है। इसमें करीब डेढ़ दर्जन देशों के राष्ट्राध्यक्ष या प्रधानमंत्री शामिल हुए। इसके अलावा, सारे संसार से प्रतिनिधि भी भाग ले रहे थे। दरअसल, एआई तकनीक मशीनों को इंसानों जैसा सोचने-समझने की ताकत दे रही है। एआई आ रहा है। चैट जीपीटी, मशीन लर्निंग, ऑटोमेशन। बैंक में एआई चैटबॉट्स, फैक्टरियों में रोबोट्स, गवर्नमेंट में ई-गवर्नेंस। कुछ रूटीन काम ऑटोमेट होंगे, लेकिन इतिहास बताता है कि नई तकनीक अंततः ज्यादा रोजगार पैदा करती है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की रिपोर्ट के अनुसार, एआई से नई स्किल्स वाली नौकरियां बढ़ेंगी। एआई स्पेशलिस्ट, डेटा साइंटिस्ट, मशीन लर्निंग इंजीनियर आदि। एनएएसएससीओएम और अन्य रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में एआई से 2025-2030 तक लाखों नई नौकरियां आएंगी। एआई टैलेंट की डिमांड 1 मिलियन से ज्यादा होगी, और एआई अपनाने से जीडीपी में 450-500 बिलियन डॉलर का इजाफा होगा। कई अध्ययनों में पाया गया कि एआई से कुछ रूटीन जॉब्स बदलेंगी या कम होंगी, लेकिन नई जॉब्स (जैसे एआई कॉन्फिगरेटर, एक्सपीरियंस डिजाइनर) ज्यादा तेजी से बढ़ रही हैं। भारत में एआई से प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी, व नए सेक्टर जैसे हेल्थकेयर, एग्रीकल्चर, एजुकेशन में अवसर खुलेंगे। एक बात साफ है कि आज के डिजिटल युग में एआई एक क्रांतिकारी तकनीक बन चुकी है। जहां कुछ लोग एआई को नौकरियों के लिए खतरा मानते हैं, वहीं वास्तविकता यह है कि भारत जैसे युवा-प्रधान देश में एआई नए और बेहतर रोजगार के द्वार खोल रहा है। हाल के वर्षों में भारत ने एआई अपनाने में वैश्विक नेतृत्व हासिल किया है। स्टैनफोर्ड एआई इंडेक्स 2025 के अनुसार, भारत दुनिया में एआई प्रतिभा की भर्ती में सबसे आगे है, जहां सालाना भर्ती दर लगभग 33% है। 2025 में भारत में लगभग 2.9 लाख एआई से जुड़े रोजगार के अवसर पैदा हुए और 2026 में इसमें 32% की वृद्धि होने का अनुमान है, जो करीब 3.8 लाख नई नौकरियों का मतलब है। ये अवसर मुख्य रूप से मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, एआई इंजीनियरिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग और एआई एथिक्स जैसे क्षेत्रों में उभर रहे हैं। बैंगलोर, हैदराबाद, पुणे और चेन्नई जैसे शहर एआई जॉब्स के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) ने भी 2025 में करीब 4.5 लाख नई नौकरियां जोड़ीं, जिनमें एआई-संचालित भूमिकाएं प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई जैसे नेताओं ने स्पष्ट किया है कि एआई नौकरियां खत्म नहीं करेगा, बल्कि उन्हें बदलकर नई संभावनाएं देगा। भारतएआई मिशन, स्किल इंडिया और विभिन्न एडटेक प्लेटफॉर्म्स के जरिए युवाओं को रीस्किलिंग और अपस्किलिंग का अवसर मिल रहा है। एआई स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ा रहा है, जिससे अप्रत्यक्ष रूप से लाखों सहायक रोजगार सृजित हो रहे हैं। एआई का नेट प्रभाव रोजगार पर सकारात्मक है। यह उत्पादकता बढ़ाता है, नए उद्योग जन्म देता है और उच्च वेतन वाली नौकरियां पैदा करता है। भारत की 65% से अधिक युवा आबादी इस बदलाव का सबसे बड़ा लाभार्थी बनेगी, बशर्ते हम कौशल विकास पर फोकस करें। कंप्यूटर की तरह, एआई भी जॉब किलर नहीं, बल्कि जॉब क्रिएटर साबित होगा। स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम कर रही सेलेस्टियल एयरोस्पेस के साइंटिस्ट श्रेयांस जैन मानते हैं कि जो लोग एआई सीखेंगे, वे आगे बढ़ेंगे। नई स्किल्स से बेहतर सैलरी, प्रमोशन और अवसर मिलेंगे। पर भारत में प्राइवेट और गवर्नमेंट सेक्टर के लाखों लोग चिंतित हैं कि कहीं, एआई उनकी नौकरी तो नहीं छीन लेगा, लेकिन यह डर पुराना है। याद कीजिए 1980-1990 के दशक को, जब कंप्यूटर भारत में आ रहे थे। तब भी यही डर था कंप्यूटर नौकरियां खा जाएगा। मजदूर यूनियनें सड़कों पर उतरीं, हड़तालें हुईं, विरोध प्रदर्शन हुए। सरकारी दफ्तरों, बैंकों, रेलवे में हर जगह कंप्यूटर का विरोध। लेकिन कंप्यूटर ने भी रोजगार पैदा किए। संदेश साफ है एआई से नौकरियां नहीं छिनेंगी, बल्कि बढ़ेंगी बशर्ते हम इसे अपनाएं, स्किल्स अपग्रेड करें और आगे बढ़ें। सब मिलकर इस नई क्रांति का हिस्सा बनें।

भारत में एआई से 2025-2030 तक लाखों नई नौकरियां आएंगी। एआई टैलेंट की डिमांड 1 मिलियन से ज्यादा होगी और एआई अपनाने से जीडीपी में 450-500 बिलियन डॉलर का इजाफा होगा। इसलिए स्किल्स अपग्रेड करें और आगे बढ़ें।

गलगोटिया जैसी यूनिवर्सिटी पर निगरानी की जरूरत

चिंतन
योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली के प्रगति मैदान में स्थित भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का आयोजन किया गया। पूरी दुनिया से एआई के जानकार और उनसे जुड़े अविष्कारों को दिखाया जा रहा है। इन्हीं सब के बीच ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी की ओर से दिखाए गए एक रोबोट पर विवाद मच गया है जो एक इंटरनेशनल मुद्दा बन गया। मामला यह है कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने जिस रोबोट को खुद के द्वारा तैयार किया गया बताया था, लेकिन वह वो चीन का रोबोट निकला। इसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया में बहुत तेजी से वायरल हो रही हैं। यही नहीं गलगोटिया यूनिवर्सिटी के ऊपर मीम्स भी बन गए हैं। गलगोटिया यूनिवर्सिटी को लेकर देश ही नहीं दुनिया में भी चर्चा होने लगी है। स्थिति यह है कि एआई समिट में गलगोटिया यूनिवर्सिटी की ओर से खुद का रोबोट बताकर चीनी प्रोडक्ट दिखाने के बाद बड़े स्तर पर किरकिरी हो गई। इसके बाद गलगोटिया यूनिवर्सिटी को बुधवार को भारत मंडपम में चल रहे एआई समिट एक्सपो से अपना स्टॉल खाली तक करा दिया। बता दें कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने 'ओरियन' रोबोट एआई समिट में दिखाया गया जो एक रोबोटिक कुत्ता है। इसकी तस्वीर और वीडियो सामने आने के बाद इसकी सच्चाई सबके सामने आ गई। लोगों ने रिसर्च किया और सबकुछ पता चल गया। चीन पल्स एक्स हैंडल से एक पोस्ट किया गया जिसमें कहा गया कि भारतीय यूनिवर्सिटी ने चीन के रोबोट को खुद का रोबोट बताया। लेकिन सवाल यही है कि देशभर अपनी पहचान रखने वाली ने इतनी बड़ी यूनिवर्सिटी ने आखिर ऐसा क्यों किया। क्या इसके पीछे कोई राजनितिक साजिश थी, क्योंकि इसको लेकर कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह सरकार को बदनाम करने का भी काम हो सकता है। और यदि ऐसा नहीं तो गलगोटिया यूनिवर्सिटी को अपनी बड़े स्तर पर उपस्थिति दर्ज करवानी थी और अपनी यूनिवर्सिटी को सबसे सर्वश्रेष्ठ बताना था। मामला चाहे कुछ भी हो लेकिन इस घटनाक्रम से देश की साख पर बट्टा लगा गया। वहीं समिट में पहुंचे तमाम लोगों ने कहा कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने जो काम किया है यह बेहद निंदनीय है इससे न सिर्फ देश की बदनामी हुई है बल्कि यूनिवर्सिटी के प्रति लोगों में विश्वास खत्म हुआ है। स्थिति यह है कि अब देश के एआई भविष्य व गुणवत्ता पर कई तरह के सवालिया निशान खड़े हो गए। इसके अलावा गलगोटिया यूनिवर्सिटी से सालाना हजारों विद्यार्थी पास आउट होते हैं और हाल ही में पढ रहे बच्चों को क्या कोई भी नौकरी देगा? इस घटना के बाद कई कंपनियों का दृष्टिकोण इस यूनिवर्सिटी के लिए बदल गया। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में रोबोटिक्स अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुआ है और इसे अभी एक विकसित हो रहे ईकोसिस्टम के रूप में देखा जा रहा है लेकिन कुछ कंपनियां सरकार को खुश करने व अपने व्यापार को बढ़ोतरी करने में केवल अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है। बीते दो दशकों से रोबोटिक्स के क्षेत्र में काम कर रहे और आईआईटी मंडी में रोबोटिक्स के एक प्रोफ़ेसर ने कहा कि भारत के पास तकनीकी क्षमता और प्रतिभा होने के बावजूद इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी चुनौतियां इस क्षेत्र की रफ़्तार को सीमित कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 'एआई की आत्मा का एक रोबोटिक शरीर खोजने' जैसा है और यह एक कठिन क्षेत्र है क्योंकि इसमें इंजीनियरिंग की लगभग हर शाखा के समन्वय की आवश्यकता होती है। सबसे बड़ी बात यह है कि भारत जब वैश्विक एआई दौड़ में खुद को प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर रहा है ऐसे में यह घटना 'मेड इन इंडिया' की छवि के लिए एक बड़ा झटका मानी जा रही है। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकारों को मिलकर इस पर निगरानी रखने की सख्त आवश्यकता है और इनकी देखरेख के लिए अलग से एक विभाग बनाना चाहिए जिससे की कोई गड़बड़ी की गुंजाइश न हो। सच्चाई यह है कि जो छोटे संस्थान होते हैं वहां बच्चों को अच्छे से सिखाया जाता है। केवल बड़ी-बड़ी इमारतों को दिखाकर बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जाता है। लेकिन अब गलगोटिया प्रकरण के बाद अब बड़े एक्शन ऑफ प्लान की जरुरत है।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने जो काम किया है यह बेहद निंदनीय है इससे न सिर्फ देश की बदनामी हुई है बल्कि यूनिवर्सिटी के प्रति लोगों में विश्वास खत्म हुआ

रोजगार के साथ चुनौतियां भी बढ़ाएगी कृत्रिम बुद्धिमत्ता

चुनौती
चरणजीत चरण
वरिष्ठ साहित्यकार

जैसे ही हम एआई की बात करते हैं, इसे रोजगार के प्रति एक डर के रूप में देखा जाता है और युवाओं के लिए एक चुनौती माना जाता है। आज जैसा कि हम जानते हैं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे जीवन में इतना अधिक घुल-मिल गई है कि हम इसके बिना भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते। जब हम इससे मिलने वाले लाभों की बात करते हैं, तो उससे होने वाले संभावित नुकसान स्वाभाविक रूप से हमारी चर्चा के केंद्र में आ जाते हैं। इसे लेकर जो सबसे बड़ा डर और भ्रम किसी भी देश या समाज में हो सकता है, वह है रोजगार में कटौती होना। इसमें कोई शक नहीं है कि एआई के माध्यम से बहुत से काम आसान हुए हैं, कार्यों में लगने वाले समय को न्यूनतम किया गया है तथा कार्य की सटीकता भी बढ़ी है; लेकिन यह चिंता भी चिंतन का विषय है कि यह तकनीक रोजगार के लिए एक चुनौती बनकर उभरी है।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि पश्चिम की भौतिकवादी दुनिया एआई का इस्तेमाल किसी भी कार्य में सटीकता बढ़ाने और लागत कम करने में करना चाहती है। वहीं भारत की सोच इस विषय में बिल्कुल अलग है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार, भारत इसका इस्तेमाल खर्च में कटौती के रूप में नहीं, बल्कि गुणवत्ता में सुधार और मानवीय क्षमता के विस्तार के रूप में करना चाहता है। पश्चिम की दुनिया जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता को मानव क्षमताओं के प्रतिस्थापन के रूप में उपयोग करना चाहती है, वहीं भारत इसे मानव सहयोग के रूप में उपयोग करना चाहता है। हाल ही में हुए दिल्ली एआई समिट का मकसद भी यही है कि इसे न सिर्फ मानव सहयोगी के रूप में देखा जाए, बल्कि उसका इस्तेमाल कार्यकुशलता और सृजनात्मकता बढ़ाने के लिए किया जाए।

भारत और पश्चिम की दुनिया में शुरू से अब तक एक बुनियादी अंतर यही रहा है कि पश्चिम ने इस क्षेत्र में जितने भी नवाचार किए हैं, उन्हें बहुत गोपनीय रखा है। साथ ही, ऐसी किसी भी तकनीक को मानव श्रम की कटौती के रूप में इस्तेमाल किया है और उनके तमाम प्रयोग भी इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए नज़र आते हैं। इसके विपरीत, भारत का उद्देश्य

एआई समिट का मकसद यही है कि इसे न सिर्फ मानव सहयोगी के रूप में देखा जाए, बल्कि उसका इस्तेमाल कार्यकुशलता व सृजनात्मकता बढ़ाने के लिए किया जाए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से मानव जीवन में आने वाली जटिलताओं का निवारण करना और इसके माध्यम से नए रोजगार का सृजन करना है। उदाहरण के रूप में, भारत ने अपने ग्रामीण क्षेत्रों में इसका इस्तेमाल कर स्वास्थ्य प्रणाली को सुधारने में अभूतपूर्व कार्य किया है। मरीजों का डेटा एकत्र करने से लेकर जटिल बीमारियों के निदान तक पहुंचना और छोटे-छोटे गाँवों तक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, इन सभी क्षेत्रों में भारत का कार्य सराहनीय है। यदि हम इसकी बुनियाद में जाएँ, तो देखते हैं कि इस प्रणाली के रखरखाव के लिए जिस बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होगी, उसी से भविष्य में लाखों नए रोजगार सृजित होंगे। भारत में एआई को न सिर्फ सरकारी बल्कि अब निजी क्षेत्र के लिए भी खोल दिया गया है। सरकार पूरी निष्ठा से इस दिशा में कार्य कर रही है कि इसका इस्तेमाल युवाओं में कौशल विकास के लिए हो, न कि छंटनी के लिए। भारत का 'इंडिया एआई मिशन' केवल शोध के लिए नहीं है, बल्कि सरकार की कोशिश है कि देश का युवा बुनियादी रूप से इस क्षेत्र में अपनी कार्यकुशलता और क्षमताओं का विकास करे। दिल्ली समिट के अनुसार, भारत के पास दुनिया का सबसे बड़ा डेटा समूह है। इसी डेटा का उपयोग करने के लिए जिस मानव संसाधन की आवश्यकता है, उसी के कारण भारत दुनिया का एआई कार्यालय बन रहा है। भारत चूंकि एक कृषि प्रधान देश है, इसलिए कृषि क्षेत्र के नवाचार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता अग्रणी भूमिका निभा सकती है। दिल्ली समिट में विशेषज्ञों के माध्यम से एक विशेष बात उभरकर आई कि भारत का 'सॉवरेन मॉडल' दुनिया के उन तमाम देशों के लिए एक मिसाल है, जो अपनी जनसंख्या को केंद्र में रखकर प्रगति करना चाहते हैं। भारत ने इस समिट के माध्यम से दुनिया को बताया है कि एआई का विकास रोजगार छीनने के लिए नहीं, बल्कि क्षमता विकास के लिए होगा। भारत चाहता है कि इसका इस्तेमाल 'सहायक बुद्धिमत्ता' के रूप में हो, जो चिकित्सकों, शिक्षकों, अभियंताओं और सृजनशील लोगों जैसे शिल्पकार, संगीतकार, लेखक के सहायक के रूप में कार्य करे, न कि उनका स्थान ले। समग्र रूप से देखें तो इस संदर्भ में सरकार का मकसद है कि तकनीक का उपयोग केवल मशीनों की क्षमता बढ़ाना नहीं होना चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उस तकनीक से नए रोजगार कैसे सृजित हों और वह लोगों के दैनिक जीवन को कैसे सुगम बनाए।

कई तरह की समस्याएं भी पैदा कर सकता है एआई

दृष्टिकोण
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र स्तंभकार

नई दिल्ली के भारत मंडपम में जब 'इंडिया-एआई इंपैक्ट समिट 2026' का वैश्विक सम्मेलन आयोजित किया गया, तब से एक स्वाभाविक प्रश्न द्वारा मन-मस्तिष्क आंदोलित हुए बिना नहीं रह पा रहे हैं, कि क्या भारत व विश्व में प्राकृतिक कृषिकर्म एवं प्रकृति के समुचित संरक्षण हेतु भी कोई अधि मंथनपरक सम्मेलन कभी होगा? क्या इस दिशा में भारतीय शासन, विदेशी शासनों तथा देशी-विदेशी कंपनियों के अथाह धन-संसाधन धारी स्वामियों को इस बारे में कोई आत्मरुचि कभी होगी अथवा नहीं? जीवन की मुख्य आवश्यकताओं से पृथक एआई अर्थात कृत्रिम मेधा का विषय सहसा इतना व्यापक व विशाल क्यों हो गया है कि यह चाहे-अनचाहे सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में आ गया है? ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि सॉफ्टवेयर कंपनियों, पूंजीपतियों तथा कम जनसंख्या के साथ अधिक तकनीक व प्रौद्योगिकी से समृद्ध विश्व के लघु आकार वाले देश एआई तकनीक बेचकर लाभार्जन करना चाहते हैं। इनमें अमेरिका प्रमुख है। डेयरी उत्पादों पर किंकर्तव्यविमूढ़ता के कारण भारत-अमेरिका के मध्य अपेक्षित व्यापार समझौता नहीं हुआ, तो भारतीय व अमेरिकी शासन तथा दोनों देशों के सॉफ्टवेयर कारोबारियों ने नवीनतम कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी एआई के बलबूते पारस्परिक व्यापार में वृद्धि करने की नीति बनाई है। ये नीति अमेरिका में एआई के प्रसारण के बाद बृहद स्तर पर फैली आजीविका की समस्या तथा भारत में आगामी वर्षों में एआई के कारण संभवतः फैलने वाली आजीविका की समस्या की अनदेखी करके बनाई गई है।

एआई न केवल आजीविका की समस्या अपितु सामाजिक, व्यक्तिगत, सार्वजनिक व अमानवीय समस्याएं भी उत्पन्न करेगा। एक समय उदारीकरण के बाद वाहन उद्योगों को फलीभूत करने देशवासियों को द्विपहिया, तिपहिया और चौपहिया वाहन खरीदने, रखने व चलाने के लिए उकसाया गया था। आज उसके दुष्परिणाम सड़कों पर प्रतिदिन कई घंटों के जाम, समय की बर्बादी, सड़क चौड़ीकरण हेतु वन क्षेत्रों व प्राचीन वृक्षों के कटान, ध्वनि प्रदूषण, वायु प्रदूषण, प्राकृतिक विकृतियों के स्वरूप में स्पष्ट दृष्टिगोचर हैं। इन दुष्परिणामों का देश-दुनिया के शासन के पास कोई समाधान नहीं है। लोगों ने इनके साथ घुट-घुट कर जीने को नियति मान लिया है। इसी प्रकार की कई वस्तुओं, सुविधाओं व सेवाओं को रखने एवं खरीदने के लिए लोगों को विवश किया जाता रहा है। लोगों से कभी

चोरी-डकैती, साइबर ठगी, डीफ फेक, धोखाधड़ी रोकने के लिए एआई के संबंध में त्वरित और कठोर दंड की नीतियां भी लागू करनी होंगी।

पूछा नहीं गया कि उन्हें ये सब कुछ चाहिए भी कि नहीं। लोगों के बीच यही स्थिति एआई अर्थात कृत्रिम मेधा की है। कंपनियों ने एक प्रौद्योगिकी विकसित कर दी है। अब उसे आभासी उत्पाद के रूप में बेचने के लिए दुनिया के शासनों पर दबाव बनाओ कि अपनी शासकीय नीतियों के माध्यम से अपने देश की जनसंख्या को इस उत्पाद के ग्राहक के रूप में परिवर्तित करने की योजनाएं बनाइए। एआई सम्मेलन का यही मूल उद्धेश्य है। अमेरिका आधारित सॉफ्टवेयर की सर्वाधिक विशाल कंपनी गूगल, अपने आरंभिक सॉफ्टवेयर कर्म से लेकर नवीनतम एआई अनुप्रयोग को एक सूचनापरक आभासी उत्पाद बना, विश्व में प्रसारित कर अधिक से अधिक लाभार्जन करने हेतु व्यग्र है। विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या धारी देश है भारत। गूगल जैसी कंपनियों के लिए अपने सॉफ्टवेयर कारोबार को चमकाने के लिए, भारत न केवल ग्राहक संख्या के स्तर पर, अपितु भारतीय मूल के गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के माध्यम से भी, एआई बाजार का केंद्र बिंदु बना हुआ है। एक अरब पचास करोड़ की जनसंख्या बहुत विशाल है। उसे एआई बेचा जाएगा तो न केवल गूगल, बल्कि अमेरिका भी आर्थिक रूप से संपन्न बनेंगे। आजकल देखा जा रहा है कि भारतीय किशोरों व युवाओं में व्यापक रुचि बने क्रिकेट को विश्वस्तर पर प्रसारित किया जा रहा है और इस प्रसारण अभियान में जो आर्थिक आधार हैं उनमें गूगल की जेमिनी भी प्रमुख प्रायोजक है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से पूर्व जितने भी वास्तविक एवं अवास्तविक उत्पाद व सेवायें लोगों पर थोपी गई हैं, उनका प्रमुख उद्धेश्य जनकल्याण नहीं अपितु व्यक्तिगत व कंपनीगत लाभार्जन ही रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अपवाद नहीं है। ये भी जनकल्याण नहीं, विशुद्ध लाभ की योजना है। कृत्रिम रूप में मेधा प्रस्तुत करनेवालों से सीधा प्रश्न है कि क्या यह मेधा बिना व्यक्ति के संचालित हो सकती है? अंततः इसे भी किसी व्यक्ति के मन-मस्तिष्क, विचारों-भावनाओं तथा हाथों द्वारा ही तो चलाया जाना है। जब ऐसा है तो इस पर इतना अतिशयोक्तिपूर्ण मंथन क्यों किया जा रहा है? क्या देश-दुनिया में अभी तक प्रसारित डिजिटल व कम्प्यूटर आधारित लेन-देन, गतिविधयां तथा अन्य प्रसारण अनुप्रयोग प्रतिकूलताओं अर्थात चोरी-डकैती, साइबर ठगी, डीफ फेक, धोखाधड़ी, दुष्प्रचार, मिथ्या सूचना तथा अन्य विसंगतियों से पूर्णतः मुक्त हैं, जो कृत्रिम मेधा के सम्मुख ये चुनौतियां नहीं उभरेंगी? जब तक देश-दुनिया में बेईमान, मक्कार, अशांत, उपद्रवी, प्रकृति विरोधी, पंगे लेने की दुष्प्रवृत्तियों से घिरे हुए तथा अन्य मानवीय बुराइयों से युक्त लोग रहेंगे, तब तब कृत्रिम मेधा हो अथवा कोई अन्य प्रौद्योगिकी, सभी का पूर्ण दुरुपयोग होता रहेगा। एआई के संबंध में भी कितने ही सूचना प्रौद्योगिकी आधारित नियम-कानून बन जायं, किंतु जब तक त्वरित व कठोर दंड की नीतियां लागू नहीं होंगी, तब तक कृत्रिम मेधा के माध्यम से भी कुछ भी यथोचित नहीं होगा।

कजाकिस्तानी नृत्यांगना के भारतीय संस्कार, मंच पर साकार की शास्त्रीयता

52वें अंतरराष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह के दूसरे दिन जयपुर घराने की परंपरा का प्रदर्शन

खजुराहो से मधुरिमा राजपाल

खजुराहो में आयोजित 52वें अंतरराष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह के दूसरे दिवस कंदरिया महादेव और जगदम्बा माता मंदिरों के मध्य सुसज्जित भव्य मंच पर भाव, गति और लय का अद्भुत समन्वय साकार हुआ। मंदिरों की दिव्य आभा और शास्त्रीय नृत्य की सौंदर्यपूर्ण अभिव्यक्तियों ने वातावरण को अलौकिक अनुभूति से भर दिया, जहां प्रत्येक प्रस्तुति कला-साधना, आध्यात्मिकता और भारतीय सांस्कृतिक गरिमा का सजीव प्रतिबिम्ब बनकर उपस्थित हुई।

जयपुर घराने की परम्पराओं को मंच पर किया साकार

दूसरे दिवस की पहली नृत्य प्रस्तुति उत्तर भारत के प्रचलित नृत्य कथक की रही। युवा नर्तक विश्वदीप, दिल्ली ने एकल नृत्य प्रस्तुति से जयपुर घराने की परम्पराओं को मंच पर साकार किया। उन्होंने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से परंपरा, सौंदर्य और सांस्कृतिक संवेदना का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का आरंभ शिव की राजस्थानी भाषा में रचित पारंपरिक स्तुति से हुआ, जिसने आध्यात्मिकता और शास्त्रीय गरिमा का अनुपम संगम प्रस्तुत किया। इसके बाद प्रभात कुमार महतो, झारखण्ड की पुरुलिया छाऊ की प्रस्तुति हुई।

चतुरस जाति एक ताल में निबद्ध अलारिपु

दिवस की दुसरी खास प्रस्तुति विदेशी नृत्यांगना अक्मारल काइनाजरोवा, कजाकिस्तान की भरतनाट्यम नृत्य की रही। उन्होंने अपनी प्रस्तुति का प्रारंभ अलारिपु के साथ किया। चतुरस जाति एक ताल में निबद्ध इस प्रस्तुति के माध्यम से उन्होंने अपने गुरुओं के प्रति आदर अभिव्यक्त किया। अगली प्रस्तुति वात्सल्य भाव को प्रदर्शित कर रही थी, राग मालिका ताल मिश्रचापु में निबद्ध इस प्रस्तुति में माता-पिता के प्रति आदर एवं सम्मान के भाव के साथ उस रिश्ते का गहरापन उभर कर आया। अगली प्रस्तुति कालिदास रचित कुमार संभवम थी, जो श्रृंगार रस की प्रस्तुति थी।

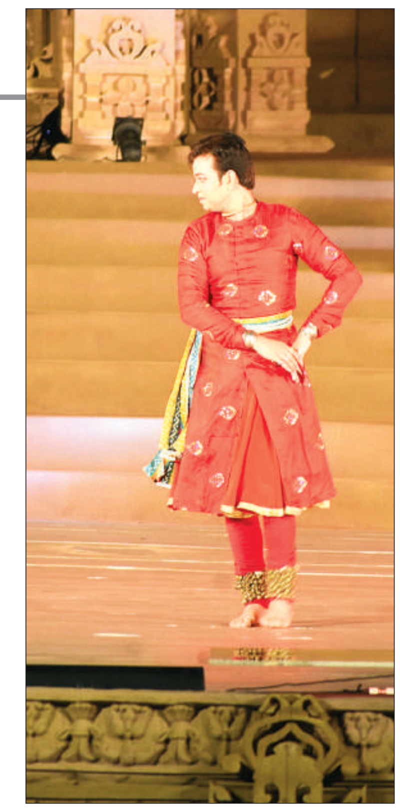

36 मॉडल्स ने किया रैंप पर बिखेरा जलवा

फैशन, कल्पनाशीलता और नवाचार का अनूठा संगम देखने को मिला स्पेक्ट्रम 2026-मिडनाइट कार्निवल में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान में शनिवार को आयोजित स्टूडेंट एनुअल फेस्ट 'स्पेक्ट्रम 2026 - मिडनाइट कार्निवल' फैशन, कल्पनाशीलता और नवाचार का अनूठा संगम बनकर सामने आया। इस थीम का आधार यह था कि आधी रात को कार्निवल एक जादुई पोर्टल में बदल जाता है, जो आगंतुकों को साहस, आनंद और आत्म-खोज की अद्भुत यात्रा पर ले जाता है।

कुल 36 मॉडल्स ने विद्यार्थियों के डिज़ाइन किए गए परिधानों का किया प्रदर्शन

विद्यार्थियों द्वारा डिज़ाइन किए गए अनूठे परिधानों का रैंप वॉक

स्टूडेंट एनुअल फेस्ट 'स्पेक्ट्रम 2026 - मिडनाइट कार्निवल' कार्यक्रम में कुल 36 मॉडल्स ने विद्यार्थियों द्वारा डिज़ाइन किए गए अनूठे परिधानों का रैंप पर प्रदर्शन किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं जूरी मेंबर के रूप में श्वेता पंड्या, फाउंडर, शिवांगी अग्रवाल, फाउंडर एवं डिज़ाइनर स्नेहा उमरवानी, फैशन एंटरप्रिन्योर ने प्रतिभागियों के डिज़ाइनों का मूल्यांकन किया।

निफ्ट उत्कृष्ट उद्यमियों और डिजाइनरों को तैयार कर रहा

मुख्य अतिथि विकास मिश्रा, आईएएस ने कहा कि वे भारत की वर्तमान अर्थव्यवस्था और उसमें निफ्ट की भूमिका के बारे में सोच रहे थे। उन्होंने कहा कि निफ्ट उत्कृष्ट उद्यमियों और डिजाइनरों को तैयार कर देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है और भविष्य में इसकी भूमिका और सशक्त होगी।

भारत के हालिया व्यापारिक घटनाक्रमों पर चर्चा

विशिष्ट अतिथि कपिल कुमार अग्रवाल, सागर मैन्युफैक्चरर्स प्राइवेट लिमिटेड ने वैश्विक बाजारों और अमेरिका के साथ भारत के हालिया व्यापारिक घटनाक्रमों पर चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों से व्यापक दृष्टिकोण विकसित करने और वैश्विक ब्रांड्स के साथ काम करने के अवसरों को समझने का आग्रह किया।

तीन राउंड्स में सजा फैशन का जादू

- फ़ौना एन फिएस्ताइस राउंड का मार्गदर्शन चेतना पटियाल ने किया। विषय विदेशी वन्यजीवों, भव्य सौंदर्यशास्त्र और विलासिता से प्रेरित था। इसमें 8 टीमों और 8 मॉडलों ने भाग लिया।
- एशेज़ ऑफ़ एम्यूजमेंटइस दौर का मार्गदर्शन , अयान तिवारी ने किया। प्रेरणा कार्निवल के समापन के बाद की स्थिति और संगीत मंडली के गीत से ली गई। इस राउंड में 12 टीमों और 12 मॉडलों ने हिस्सा लिया।
- द ग्रेटेस्ट शोमैन अंतिम राउंड का मार्गदर्शन डॉ. सुप्रिया यादव ने किया। यह विषय कार्निवल के समापन और शोमैन के अंतिम प्रदर्शन से प्रेरित था।

प्रतिभागियों के अनुभव

प्रतिभागी मन्नत मेहता ने कहा, एक डिजाइनर के तौर पर यह भावनात्मक सफर रहा। एक मॉडल के रूप में यह व्यस्त लेकिन बेहद मजेदार अनुभव था। वहीं डिजाइनर कृतिका और अभिरम ने बताया कि उनकी 6 सदस्यीय टीम ने दो सप्ताह में परिधान तैयार किया। उन्होंने पॉलिएस्टर कपड़ा, धातु का तार, जीआई तार, प्लास्टिक की गेंदें और चेन सामग्री का उपयोग किया। डिजाइन की प्रेरणा सर्कस टेंट से ली गई, जिसमें लाल और सफेद रंग प्रमुख रहे। कार्यक्रम के अंत में फैशन शो के प्रत्येक राउंड के विजेताओं के साथ-साथ पहले दिन आयोजित खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मेडल, ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मध्य प्रदेश केंद्रित फिल्मों की स्क्रीनिंग के साथ राजधानी में फिल्म फेस्टिवल शुरू

माखनलाल चतुर्वेदी विवि के कुलगुरु ने दीप प्रज्जवलन कर किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र मॉर्फिक द्वारा प्रस्तुत 'द भोपाल फिल्म फेस्टिवल' का पहला संस्करण शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में शुरू हुआ। शुभारंभ माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। उन्होंने कहा कि सिनेमा भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर आधारित होना चाहिए। वहीं उन्होंने कहा कि समाज और देश की सांस्कृतिक पहचान को प्रतिबिंबित करे। उन्होंने फेस्टिवल को भारतीय सोच और संस्कृति से जुड़ी कहानियों को बढ़ावा देने वाला महत्वपूर्ण मंच बताया।

महिला केंद्रित फिल्मों का विशेष प्रदर्शन

फेस्टिवल में महिलाओं की आवाज़ों पर केंद्रित फिल्मों का विशेष प्रदर्शन किया गया। यह भोपाल फिल्म फेस्टिवल की प्रमुख श्रेणियों में से एक है। अंतरराष्ट्रीय फिल्मों के अंतर्गत फ्रेंच फिल्म 'अ स्माल चेंज ' का प्रदर्शन भी किया गया। इसके साथ ही मध्य प्रदेश केंद्रित फिल्मों का विशेष शोकेस आयोजित किया गया, जिसमें केवल मध्य प्रदेश के फिल्मकारों को भाग लेने की अनुमति दी गई।

मिंटो हॉल में भोपाल फिल्म फेस्टिवल के शुभारंभ अवसर पर बोलीं हुमा कुरैशी

गैंग्स ऑफ वासेपुर के बाद महारानी सीरीज में मिला सशक्त रोल...

मैं टिपिकल दिल्ली की हूं और दिल्ली में हर तरह के लोग रहते हैं, साथ ही मैंने थिएटर में ऐसी वैरायटी के रोल प्ले किए तो बहुत परेशानी नहीं हुई, लेकिन मुझे पहचान तो गैंग्स ऑफ वासेपुर मूवी से मिली थी। उसमें मेरा रोल एक सशक्त गर्ल फ्रेंड और वाइफ का था। उसके बाद उतना ही दमदार रोल मुझे महारानी में मिला, जिससे मुझे खुद को साबित करने का एक और मौका मिला। यह कहना है प्रसिद्ध अभिनेत्री हुमा कुरैशी का, जो शनिवार को मिंटो हॉल में

आयोजित भोपाल फिल्म फेस्टिवल के शुभारंभ अवसर पर बोल रही थी।

देश की वास्तविकता दिखाती महारानी सीरीज

महारानी सिरीज में देश की वास्तविकता दिखाई है कि एक घरेलू महिला का राजनीति में उतरना और चुनौती लेना कितना मुश्किल है उसमें महिला सशक्तिकरण का संदेश है। महिलाओं को ऐसे ही होने चाहिए। ऐसे ही स्क्रिप्ट लिखी जानी चाहिए। मैं एक प्रोड्यूसर भी हूं, मैं चाहती हूं कि मैं हर तरह की सिरीज बनाऊं, जिससे लोग कनेक्ट कर पाएं।

रवीन्द्र भवन में यादें धर्मेंद्र ....आज शाम

भोपाल। भोपाल की नव प्रयास, सांस्कृतिक एवं सामाजिक विकास समिति, भोपाल के तत्वावधान में कल 22 फरवरी को रवीन्द्र भवन के हंस ध्वनि सभागार में यादें धर्मेंद्र नाम से संगीत से सजी शाम का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में पार्श्व गायिका राजेश्वरी पवार मुंबई से खास पेशकश देने भोपाल आ रही हैं। लीक से हटकर आयोजन करने में माहिर आयोजक राजेश्वर सिंह और उनकी पत्नी कंचन ने बताया कि आर एस म्यूजिकल ग्रुप द्वारा आयोजित रविंद्र भवन में शाम 6 बजे से होने वाली इस सांगीतिक शाम में राजश्री पवार के अलावा जो गायक गायिकाएं गीत प्रस्तुत करेंगे, उनमें जबलपुर से प्रसन्न श्रीवास्तव और रूपाली कुसुमाकर, भोपाल से संजय शर्मा, सत्शुभ मिश्रा, अमन कुमार, संदीपा पारे और इंदौर से आदित्य सिंह और वैभव तिवारी शामिल हैं। संगीत संयोजन केदार सिंह चौहान का है ध्वनि संयोजन शोएब का होगा।

एनआईडी में 'ओपेसिटी' 2 का दूसरा दिन

एलुमनाई मीट में सार्थक संवाद संगीतमय उत्सव ने किया मंत्रमुग्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान में चल रहे तीन दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'ओपेसिटी'26 - रास्तें' के दूसरे दिन पूर्व छात्रों की सक्रिय सहभागिता, ज्ञानवर्धक संवाद और संगीतमय प्रस्तुतियों ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।

दिन की शुरुआत एलुमनाई मीट से हुई। इसके मुख्य अतिथि डॉ. सुधीर के जैन, जो बनारस हिन्दू विवि के 28वें कुलपति रह चुके हैं तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर के संस्थापक निदेशक के रूप में 12 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण कर चुके हैं, ने पूर्व छात्रों एवं विद्यार्थियों के साथ सार्थक संवाद स्थापित किया। एलुमनाई मीट के दौरान पूर्व छात्रों द्वारा पौधारोपण अभियान भी संचालित किया गया, जो संस्थान के प्रति उनके जुड़ाव और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प का प्रतीक रहा।

संवाद बैठक में विचारों का आदान-प्रदान

इसके पश्चात मुख्य अतिथि के साथ संकाय सदस्यों एवं ग्रुप 'ए' गैर-शिक्षण अधिकारियों की एक विशेष संवाद बैठक आयोजित की गई। इस सत्र में संस्थान के समग्र विकास, प्रशासनिक दृष्टिकोण एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता से जुड़े विषयों पर व्यापक और सार्थक चर्चा हुई।

आकृति मेहरा की संगीतमयी प्रस्तुति पर झूमे स्टूडेंट

दोपहर बाद ओपन माइक स्पर्धा, छात्रा मुस्कान द्वारा संचालित जुम्बा सेशन एवं स्केटबोर्डिंग स्पर्धा ने विद्यार्थियों में उत्साह का संचार किया। रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उत्सव को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। एम्फीथियेटर में प्रसिद्ध कलाकार आकृति मेहरा की संगीतमय प्रस्तुति ने स्टूडेंट्स को झूमने पर मजबूर कर दिया।

रेड फ्रॉक की प्रस्तुति देकर आलोक चटर्जी को किया याद

रंग श्री लिटिल बेले में तीन दिवसीय आहान नाट्य समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रंग श्री लिटिल बेले में आयोजित तीन दिवसीय आहान नाट्य समारोह में शनिवार को एकल नाटक रेड फ्रॉक की स्क्रीनिंग हुई। आलोक चटर्जी की रंग यात्रा जबलपुर से ही शुरू हुई और संयोग से जबलपुर में ही खत्म हुई। जबलपुर में उनका अंतिम एकल नाटक रेड फ्रॉक की नाट्य प्रस्तुति आशीष पाठक के लेखन और निर्देशन में आलोक के जादुई एकल अभिनय द्वारा प्रस्तुत इसकी स्क्रीनिंग जबलपुर के शहीद स्मारक हॉल में संपन्न हुई। आलोक चटर्जी की पत्नी ने बताया कि आलोक भोपाल में भी रेड फ्रॉक का प्रदर्शन करना चाहते थे, लेकिन ये खराब स्वास्थ्य के कारण यह संभव नहीं हो पाया। अतः शनिवार को हम पुनः आलोक के अभिनय को जीवंत कर उन्हें और उनके अभिनय को याद किया गया। इस दौरान सभागार में उपस्थित दर्शक एवं कलाकार टकटकी लगाकर देखते रहे।

रंग श्री लिटिल बेले में में तीन दिवसीय नाटय ससमारोह का शुभारंभ करते हुए।

सजगता सक्रियता और सकारात्मता से जीवन के उत्तरार्द्ध को आनन्द से बिताएं

हिंदी भवन में वरिष्ठ विमर्श की मासिक विचार गोष्ठी आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जैसे जीवन में बचपन होता है किशोर आयु और युवा अवस्था होती है वैसे ही उत्तरार्ध होता है, यह एक सहज प्रक्रिया है इसे सकारात्मक ढंग से लेना चाहिए। कुछ इस तरह के उद्गार व्यक्त किए नगर के वरिष्ठ नागरिकों ने जो वरिष्ठ विमर्श के अंतर्गत हिंदी भवन के वीरेंद्र तिवारी सभा कक्ष में 'सकारात्मक उत्तरार्द्ध ' विषय पर मासिक गोष्ठी में अपने विचार रख रहे थे। इस विचार गोष्ठी का सफल संयोजन एवं संचालन महेश सक्सेना ने किया।

इस अवसर पर वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. जेपी अग्रवाल ने कहा कि बुजुर्गों में आयु के साथ तनाव व चिंता बढ़ती है जिसे दवाओं के अलावा ध्यान और योग से ठीक किया जा सकता है। वहीं विधिवेत्ता बीके सांघी ने कहा, बुजुर्ग लोग सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहें। इधर, गांधी भवन के सचिव गांधीवादी दयाराम नामदेव

ने कहा -जैसे आखिरी समय में कछुआ अपने अंग समेट लेता है हमें भी अपने काम समेट लेना चाहिए। हिंदी भवन के सहमंत्री डॉ. संजय सक्सेना ने 'बुजुर्ग और बीमार लोगों के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को दूर करने की बात कही। साहित्यकार घनश्याम मैथिल अमृत ने जीवन में समझौते के साथ पुनः बचपन की तरफ लौटने का विचार प्रकट किया रखा। जेपी तापी ने आनन्द और ख़ुशी को परिभाषित किया।

भारत भवन की 44वीं वर्षगांठ समारोह में हुआ सुप्रसिद्ध कवियों और कथाकारों का रचनापाठ

मां-बेटी के संबंध और विस्थापन व आतंक का दर्द जैसे विषयों पर रचनाकारों ने किया रचना पाठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारत भवन की 44वीं वर्षगांठ समारोह में शनिवार का दिन साहित्य के नाम रहा। कार्यक्रम में देश के सुप्रसिद्ध कवियों और कथाकारों ने समकालीन हिंदी लेखन के विविध आयामों पर आधारित कहानियों और कविताओं का पाठ किया गया। कार्यक्रम में शाम को आयोजित रचनापाठ में जब उर्मिला शिरीष, क्षमा कौल, मनीषा कुलश्रेष्ठ ने अपनी कहानियां और आनंद सिंह एवं विशाखा राजुरकर ने अपनी कविताएं सुनाईं, तो श्रोता साहित्य के इस संगम में डूबते प्रतीत हुए। लेखिका उर्मिला शिरीष ने मां-बेटी के रिश्तों पर केंद्रित अपनी कहानी विदा होती बेटियों की मां का पाठ किया। कहानी में विदेश आने-जाने और वहां बसने वाले बच्चों के संदर्भ में एक मां की भावनाओं को मार्मिक रूप से उकेरा गया।

भारत भवन में आयोजित समारोह में उपस्थित साहित्यकार।

दुःख की त्रासदी को किया उजागर

वरिष्ठ लेखिका क्षमा कौल ने अपनी कहानी 'पूर्वलोक' के माध्यम से विस्थापन और आतंक की त्रासदी को सामने रखा। कहानी में शरणार्थियों की पीड़ा, जेहाद की भयावह सच्चाई, आपसी अविश्वास और आतंक की प्रतिस्पर्धा जैसे यथार्थ को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। यह कहानी आशा, उम्मीद और गहरे मानवीय दुःख की त्रासदी को उजागर करती है।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर पर चुनाव आयोग ने सुरक्षा बढ़ाई

एक मार्च से केंद्रीय बलों की 480 कंपनियों की तैनाती की जाएगी स्ट्रांग रूम्स में ईवीएम और मतगणना केंद्रों की सुरक्षा भी करेंगी

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। चुनाव आयोग के अधिकारी ने बताया कि चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में शुरुआत में 1 मार्च से क्षेत्र पर नियंत्रण, विश्वास निर्माण उपायों और अन्य चुनाव संबंधी कर्तव्यों के लिए ये तैनाती की जाएगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का काम चल रहा है तो तृणमूल कांग्रेस, भाजपा समेत अन्य राजनीतिक दल सियासी गणित में जुटे हैं। आयोग के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि बंगाल में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 480 कंपनियां तैनात की जाएंगी। बताया कि चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में शुरुआत में 1 मार्च से क्षेत्र पर नियंत्रण, विश्वास निर्माण उपायों और अन्य चुनाव संबंधी कर्तव्यों के लिए ये तैनाती की जाएगी। उन्होंने कहा कि सशस्त्र पुलिस बलों की कंपनियां चुनाव प्रक्रिया के दौरान स्ट्रांग रूम्स में ईवीएम और मतगणना केंद्रों की सुरक्षा भी करेंगी।

10 मार्च तक पूरी हो जाएगी बलों की तैनाती

लगभग 240 कंपनियों के पहले बैच को एक मार्च तक शामिल कर लिया जाएगा, जबकि इतनी ही संख्या में कंपनियां 10 मार्च तक उनसे जुड़ जाएंगी। इन में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और सशस्त्र सीमा बल होंगे।

बंगाल समेत 5 राज्यों में अप्रैल में चुनाव होने की अटकलें

बीते दिनों ये बात सामने आई थी कि पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल व केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा के चुनाव अप्रैल में हो सकते हैं। निर्वाचन आयोग चुनाव कार्यक्रम की घोषणा मार्च के दूसरे सप्ताह में कर सकता है। असम में इस बार एक चरण में चुनाव होने की उम्मीद है।

कई अन्य राज्यों का आयोग ले रहा जायजा

अधिकारियों ने बताया कि पुडुचेरी में विधानसभा का कार्यकाल 15 जून को, जबकि असम, केरल, तमिलनाडु व पश्चिम बंगाल में क्रमशः मई 20, 23, 10 और 7 को पूरे हो रहे हैं। इन राज्यों में चुनावी तैयारियों का जायजा लेने के लिए आयोग के अधिकारियों ने दौरे शुरू कर दिए हैं।

प्रदेश में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

राजस्थान में 5.15 करोड़ मतदाता दर्ज, 31 लाख लोगों के नाम कटे

जयपुर। राजस्थान में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। राज्य की 199 विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी 2026 को कर दिया गया। अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची के अनुसार राज्य में कुल 5 करोड़ 15 लाख 19 हजार 929 मतदाता दर्ज किए गए हैं। इससे पहले 27 अक्तूबर 2025 को जारी प्रारंभिक आंकड़ों में मतदाताओं की संख्या 5 करोड़ 46 लाख 56 हजार 215 थी।

खबर संक्षेप

परिवार के 5 लोगों के मिले शव, फंदे पर था पति

कासगंज। यूपी के कासगंज जिले में शनिवार को सनसनीखेज घटना हुई। एक घर में दंपती समेत 3बच्चों के शव मिले।

अमांपुर कस्बे में एक पेट्रोल पंप के पीछे रहने वाले सत्यवीर के परिवार के लोगों के शव बंद मकान में मिले। मकान के जंगले से देखने पर सत्यवीर का शव फंदे पर लटका मिला जबकि पत्नी व बच्चे मृत अवस्था में मिले हैं।

गांधीनगर में संगठन सशक्तिकरण पर मंथन

गांधीनगर। यहां स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक में राष्ट्रीय

अध्यक्ष नितिन नबीन ने राज्य इकाई के संगठनात्मक ढांचे और आगामी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में गुजरात भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, जिला के नेता और प्रमुख प्रतिनिधि शामिल हुए।

नागौर में बस-मिनी ट्रक में भिड़ंत, 28 घायल

नागौर। यहां से एक बड़ी खबर है। नागौर में निजी लोक परिवहन बस और मिनी ट्रक की आमने-सामने

भिड़ंत हो गई। यह हादसा हरिमा टोल प्लाजा के पास हुआ। हादसे के समय बस में सवार 28 यात्रियों को चोटें आईं। टक्कर के बाद स्थानीय लोगों और टोल कर्मियों ने राहत कार्य शुरू किया। बस जोधपुर से सुजानगढ़ की तरफ जा रही थी।

गृहयुद्ध से बचे, यूजीसी नियम वापस ले सरकार

बस्ती। यूजीसी नियमों को लेकर जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने बस्ती में कहा कि देश में यूजीसी कानून

लागू नहीं हो सकता। गृहयुद्ध से बचना है तो सरकार को इसे वापस लेना पड़ेगा। उनके रहते कानून को लागू नहीं करने दिया जाएगा। मैं जब तक धर्माचार्य हूं किसी को अपने मन की नहीं करने दी जाएगी।

एआई समिट में यूथ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर भाजपा का हल्ला बोल

देशभर में कांग्रेस को 'देशद्रोही' बताकर माफी मांगने के लगाए पोस्टर, नारेबाजी भी की

भारत मंडपम के कार्यक्रम में युवा कांग्रेस ने डाला था 'रंग में भंग'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बवाल के खिलाफ सड़क पर उतरी भाजपा

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर वार पलटवार

दिल्ली में भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट का शनिवार को आखिरी दिन था। यह 20 फरवरी को खत्म होना था लेकिन लोगों के उत्साह के चलते इसका समय एक दिन बढ़ाया गया है। एक दिन पहले यानी 20 फरवरी को यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एआई समिट 2026 में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने टी-शर्ट उतारकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए।

इसको लेकर अब राजनीतिक बवाल लगातार बढ़ता ही जा रहा है।यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जो विरोध प्रदर्शन किया। उसके चलते भाजपा अब आक्रामक हो गई है। भाजपा ने शनिवार को देशभर में कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया।समिट में हंगामा करने के विरोध में भाजपा ने दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में प्रदर्शन किया। दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय के बाहर भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता देशद्रोही राहुल गांधी माफी मांगे के पोस्ट लेकर विरोध कर रहे हैं।

दिल्ली में बैरिकेड को तोड़ दिया

नई दिल्ली। बैरिकेड्स के ऊपर चढ़े भाजयुमो के कार्यकर्ता

समिट में हंगामा करने के विरोध में भाजपा ने दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में प्रदर्शन किया। दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय के बाहर भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता देशद्रोही राहुल गांधी माफी मांगे के पोस्ट लेकर विरोध किया। नेताओं के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए अकबर रोड को दिल्ली पुलिस ने दो लेयर की बैरीकेड लगाकर बंद कर दिया। गुस्साए कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड को तोड़ दिया। इस दौरान कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। इस विरोध प्रदर्शन में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष विनोद सचदेवा के अलावा सांसद मनोज तिवारी भी शमिल हुए। दिल्ली, सूरत, महाराष्ट्र के मुलुंड, हैदराबाद और अन्य स्थानों पर प्रदर्शन हुए, जिनमें भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की निंदा करते हुए नारे लगाए और तख्तियां लहराईं।

महाराष्ट्र में राहुल को काले झंडे दिखाए

बेंगलुरु। भाजयुमो ने बेंगलुरु में कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया।

मुलुंड में, प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को काले झंडे दिखाए, जब वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक कार्यकर्ता द्वारा दायर मानहानि के मामले में नई जमानत देने के लिए ठाणे जा रहे थे।

जयपुर में बैरिकेड्स पर ही चढ़ गए

राजस्थान के जयपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेड्स लगाए, लेकिन भाजपा कार्यकर्ता उन पर ही चढ़ गए। राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी भी की।

जम्मू। जम्मू में राहुल के पुतले को फूंका।

चारों आरोपियों को 5 दिन की पुलिस रिमांड

इंडिया एआई इंपैक्ट समिट में शुक्रवार यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया था। इस मामले में पुलिस ने 4आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उन्हें पटियाला हाउस कोर्ट लाया गया। दिल्ली पुलिस ने सभी आरोपियों की 5दिन की कस्टडी मांगी। जबकि बचाव पक्ष ने इसका कड़ा विरोध करते हुए जमानत याचिका दाखिल की। कोर्ट ने इस मामले में पुलिस को आरोपियों की 5 दिन की कस्टडी दे दी है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान कृष्ण हरि, कुंदन यादव, अजय कुमार और नरसिम्हा यादव के तौर पर हुई है।

कोर्ट में दिल्ली पुलिस का दावा

नेपाल के जेन-जी आंदोलन से प्रेरित था यूथ कांग्रेस का प्रोटेस्ट

एआई समिट में शर्टलेस प्रदर्शन करने वाले यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को शनिवार को कोर्ट ने पांच दिनों की पुलिस कस्टडी में भेज दिया। कोर्ट में चारों आरोपियों को पेश किया गया और दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया कि प्रदर्शन करने वाले ये कार्यकर्ता नेपाल के जेन-जी आंदोलन से प्रेरित थे। कुछ समय पहले नेपाल में हुए जेन-जी आंदोलन से वहां की सरकार गिर गई थी। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के इस प्रदर्शन के पीछे एक बड़ी साजिश थी।

अब यूथ कांग्रेस ने महात्मा गांधी की तस्वीर साझा कर दी सफाई

'शर्टलेस' विरोध के एक दिन बाद इंडियन यूथ कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर अपने प्रदर्शन का बचाव किया है। संगठन ने महात्मा गांधी की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि हम गांधी के वंशज हैं। शर्टलेस ही सही। कल भी लड़ रहे थे, आगे भी लड़ते रहेंगे। अन्य पोस्ट में यूथ कांग्रेस ने कहा कि जब सत्ता सुनने से मना कर दे, तो युवा उठ खड़े होते हैं।

भाजपा के सुधांशु बोले

यूथ कांग्रेस को बताया 'लश्कर-ए-राहुल', देश कभी माफ नहीं करेगा

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने एआई समिट में यूथ कांग्रेस के हंगामे पर कहा कि 'लश्कर-ए-राहुल' के झंडाबरदार भारत की इज्जत को तार-तार करने में लगे हुए हैं। इस तरह के निंदनीय कृत्य के लिए देश की जनता कांग्रेस को कभी माफ नहीं करेगी। सम्मेलन में भारत की प्रतिभा और बुद्धिमत्ता का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, तो कांग्रेस की निम्नता और नग्नता का एक शर्मनाक प्रदर्शन देखने को मिला।

कांग्रेस का वार

ये डील नहीं देश के लिए परेशानी

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापक वैश्विक टैरिफ को रद्द कर दिया। इस फैसले के बाद भारत की राजनीति में भी प्रतिक्रिया सामने आई। कांग्रेस ने इसे भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। कांग्रेस का आरोप है कि भारत और अमेरिका के बीच हुआ अंतरिम व्यापार समझौता दरअसल देश के लिए ओरडील यानी परेशानी साबित हो रहा है।

यूजीसी ने जारी की अद्यतन सूची

देश में 32 विश्वविद्यालय फर्जी उच्च शिक्षा के लिए ये 'अवैध'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देश में चल रहे 32 फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची जारी की है। ये गैर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय खुद को वैध बताकर छात्रों को गुमराह कर रहे थे। यूजीसी ने चेतावनी दी है कि इनसे मिली डिग्री नौकरी और उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए अवैध हैं। यूजीसी ने स्पष्ट किया है कि ये 32 संस्थान यूजीसी अधिनियम, 1956 के तहत किसी भी रूप में डिग्री प्रदान करने के लिए अधिकृत नहीं है।

दिल्ली में सर्वाधिक

दिल्ली में 12, उत्तर प्रदेश में 4, आंध्र प्रदेश में 2, कर्नाटक में 2, केरल में 2, महाराष्ट्र में 2, पुडुचेरी में 2, पश्चिम बंगाल में 2, अरुणाचल प्रदेश में 1, हरियाणा में 1, झारखंड में 1और राजस्थान में 1है।

सीएजी रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

उत्तर-पूर्व राज्यों में 16,000 वाहनों के चेसिस नंबर समान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की एक हालिया रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों में करीब 16,000 वाहन ऐसे पाए गए हैं जिनके चेसिस और इंजन नंबर एक जैसे हैं। यह रिपोर्ट असम विधानसभा के 126 सदस्यीय सदन में हाल ही में पेश की गई। ऑडिट के दौरान पाया गया कि असम समेत सात अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में 15,849 वाहन ऐसे हैं, जिनके चेसिस और इंजन नंबर समान हैं।

यह गंभीर मामला

किसी भी समय एक वाहन का पंजीकरण नंबर और चेसिस-इंजन नंबर यूनिक (उसके जैसा कोई दूसरा नहीं) होना अनिवार्य है। यदि कोई वाहन एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थानांतरित (ट्रांसफर) होता है, तो पहले पुराने पंजीकरण को रद्द करना जरूरी होता है।

ब्रज में होली का आगाज...

मथुरा। वसंतोत्सव के साथ ही ब्रज में होली का आगाज हो गया है। इस दौरान बांके बिहारी मंदिर में प्रेमरंग बरसा।

बिरला और मेघवाल ने नए मास्टर डिग्री कार्यक्रमों का किया शुभारंभ

ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी

चुनावी विश्लेषण एवं प्रबंधन, विधायी मसौदा तैयार करने में मिलेगी मदद

एजेंसी ▶▶ सोनीपत

कानून के शासन, लोकतांत्रिक एवं संसदीय संस्थाओं और चुनावी प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने चुनावी विश्लेषण एवं प्रबंधन, राजनीतिक संचार और विधायी मसौदा तैयार करने के क्षेत्र में 3 नए स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम शुरू किए हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला (मुख्य अतिथि) और विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल (विशिष्ट अतिथि) की उपस्थिति में हुआ।

3 नए एमए कार्यक्रमों की शुरुआत

विश्वविद्यालय ने एक वर्षीय 3 एमए कार्यक्रम शुरू किए हैं।विधायी मसौदा तैयार करने में एमए, चुनावी विश्लेषण एवं प्रबंधन में एमए और राजनीतिक संचार में एमए।

लोकतंत्र को मजबूत करने पर जोर

बिरला ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और ये पाठ्यक्रम लोकतांत्रिक व्यवस्था को और मजबूत करेंगे। युवाओं की सक्रिय भागीदारी मजबूती देगी।

गुवाहाटी में सीआरपीएफ परेड में बोले गृहमंत्री शाह

कांग्रेस सरकारों ने कराई घुसपैठ, हम चुन-चुनकर निकालेंगे

सुरक्षा बलों की तारीफ कर घुसपैठियों को सख्त संदेश दिया

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम के कामरूप में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घुसपैठ और नक्सलवाद के मुद्दे पर कांग्रेस को जमकर आड़े हाथों लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में वोट बैंक की राजनीति के कारण असम की जनसांख्यिकी खतरे में पड़ गई और कई जिले मुस्लिम बहुल हो गए। शाह ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि जैसे देश को नक्सलवाद से मुक्ति दिलाई गई, वैसे ही असम की धरती को घुसपैठियों से भी मुक्त किया जाएगा। जम्मू कश्मीर में पत्थरबाजी की घटनाओं की संख्या घटकर शून्य हो गई है। मणिपुर मेंमाओवादियों की कमर तोड़ने के लिए भी सीआरपीएफ को तैनात किया गया। वे सीआरपीएफ की परेड में बोल रहे थे।

सीआरपीएफ के कार्यक्रम में गृहमंत्री अमित शाह

चुनाव से पहले घुसपैठियों को दी चेतावनी

असम में कुछ ही महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। शाह दो दिनों के प्रदेश के दौरे पर हैं। शनिवार को उन्होंने गुवाहाटी में सीआरपीएफ स्थापना दिवस के मौके पर परेड के बाद संबोधित किया। पूर्वोत्तर में पहली बार यह आयोजन हो रहा है। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा बलों की तारीफ की।

जल्द खत्म कर देंगे नक्सलवाद

देशभर में नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षाबलों की कार्रवाई लगातार जारी है। झारखंड , छत्तीसगढ़ से लेकर महाराष्ट्र तक बड़े पैमाने पर या तो नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है या मारे गए हैं।

प्रदेश को दी बड़ी सौगात

शाह ने 6,900 करोड़ की लागत से 'वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम' के दूसरे चरण की शुरुआत भी की। यह योजना देश के 15 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में सीमावर्ती गांवों के समग्र विकास पर केंद्रित है। असम जैसे सीमावर्ती राज्य में इस योजना को चुनावी दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि भाजपा इसे 'सीमा सुरक्षा के साथ विकास' के मॉडल के रूप में पेश कर रही है।

ब्राजील के राष्ट्रपति सिल्वा बोले

भारत को लेकर हमारी उम्मीदें बहुत बड़ी, साथ करेंगे काम

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा कहा कि भारत और ब्राजील मिलकर ग्लोबल साउथ को भी मजबूत करेंगे, ताकि दुनिया को दो बड़ी महाशक्तियों के बीच किसी नए शीत युद्ध जैसी स्थिति का सामना फिर कभी न करना पड़े

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा 18-22 फरवरी तक भारत के राजकीय दौरे पर हैं। शनिवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू और पीएम नरेंद्र मोदी ने उनकी आगवानी की। इस दौरान उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

राष्ट्रपति लूला ने पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत को लेकर ब्राजील की उम्मीदें बहुत बड़ी हैं। अगर हम साथ मिलकर काम करेंगे, तो भारत-ब्राजील के रिश्ते और मजबूत होंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देश मिलकर ग्लोबल साउथ को भी मजबूत करेंगे, ताकि दुनिया को दो बड़ी महाशक्तियों के बीच किसी नए शीत युद्ध जैसी स्थिति का सामना फिर कभी न करना पड़े।

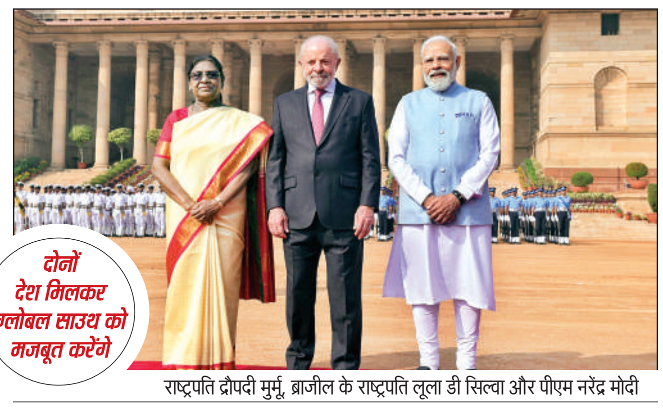
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा और पीएम नरेंद्र मोदी

दोनों देश मिलकर ग्लोबल साउथ को मजबूत करेंगे

भारत और ब्राजील विविधताओं से भरे बड़े देश

राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने कहा कि मेरे प्रिय मित्र मोदी, इस देश में छठी बार आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। भारत और ब्राजील की यह मुलाकात बेहद खास है। हम सिर्फ ग्लोबल साउथ की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक ताकतें ही नहीं हैं, बल्कि यह एक डिजिटल शक्ति और एक नवीकरणीय ऊर्जा शक्ति की मुलाकात है। उन्होंने कहा कि भारत और ब्राजील दोनों ही विविधताओं से भरे बड़े देश हैं, सांस्कृतिक उद्योग के बड़े केंद्र हैं और हम दोनों शांति का समर्थन करते हैं।

लूला के नेतृत्व से संबंध मजबूत हुए पीएम मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति लूला और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में स्वागत करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है। राष्ट्रपति लूला की दूरदृष्टि और नेतृत्व से भारत-ब्राजील संबंधों को लंबे समय से लाभ मिला है। पिछले कुछ सालों में मुझे उनसे कई बार मिलने का सौभाग्य मिला है। पीएम नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इस दौरान विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा, विदेश सचिव विक्रम मिसरी और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल मौजूद थे।

सिल्वा का मार्गदर्शन दोनों देशों के लिए जरूरी

राष्ट्रपति सिल्वा के साथ विदेश मंत्री जयशंकर

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शनिवार को ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा से मुलाकात की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि राष्ट्रपति सिल्वा से मुलाकात का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जयशंकर ने नई दिल्ली और ब्रासीलिया के बीच रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर उनके मार्गदर्शन की सराहना की। जयशंकर ने कहा कि पीएम मोदी के साथ उनकी मुलाकात से हमारे संबंधों को नई गति मिलेगी।

महात्मा गांधी के मूल्य प्रेरणादायी

राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की

राष्ट्रपति भवन पहुंचने से पहले राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के मूल्य और आदर्श आज भी प्रेरणा देते हैं। साथ ही भारत-ब्राजील साझेदारी को निरंतर प्रेरित करते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि ब्राजील के राष्ट्रपति ने बापू की शाश्वत विरासत और संदेश का सम्मान किया।

एआई लोगों की नौकरियां नहीं छीन सकता

शुक्रवार को ब्राजीली राष्ट्रपति लूला ने एआई समिट के दौरान कहा था कि पीएम मोदी का यह समिट बुलाना बहुत अच्छा और महत्वपूर्ण कदम है। बिना चर्चा और बैठकों के अच्छी नीति नहीं बन सकती। एआई मानवता के लिए बहुत बड़ा है, लेकिन इसे समाज की सेवा में लगाना चाहिए। यह स्वास्थ्य और शिक्षा सुधार सकता है, लेकिन मानव नौकरियों की जगह नहीं ले सकता। भारत जैसे बड़े देश में रोजगार बढ़ाना जरूरी है। एआई कुछ लोगों का नहीं, बल्कि पूरी सिविल सोसाइटी का होना चाहिए। इस बहस से बहुत फायदा हुआ। शुक्रवार को ही उन्होंने नई दिल्ली में ब्राजीलियन ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट प्रमोशन एजेंसी (एपेक्स) के पहले कार्यालय का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इससे विदेशों में ब्राजील के उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा।

खबर संक्षेप

पाक में आत्मघाती हमला दो सुरक्षाकर्मी मारे गए

पेशावर। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को खुफिया जानकारी पर आधारित एक अभियान के दौरान हुए आत्मघाती हमले में दो सुरक्षाकर्मी मारे गए। सेना की मीडिया शाखा के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले में चलाए गए अभियान के दौरान फितना अल-ख्वारिज के पांच आतंकी भी मारे गए। बन्नू शहर में सुरक्षाबलों ने वाहन सवार आत्मघाती हमलावर को रोक लिया, जिससे आम नागरिकों को निशाना बनाने की उसकी योजना पर पानी फिर गया।

सेना प्रमुखों के किताब लिखने पर रोक नहीं

नई दिल्ली। पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की पुस्तक के विवाद के बाद पहली बार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बयान सामने आया है। उन्होने कहा कि पूर्व सेना प्रमुखों के किताब लिखने पर रोक नहीं लगेगी। रक्षा मंत्री ने उन खबरों को भी सरासर गलत बताया, जिसमें कहा गया था कि सेना से जुड़े अधिकारियों को रिटायरमेंट के 20 साल बाद तक कोई किताब लिखने की इजाजत नहीं होगी। हाल में विपक्षी नेता राहुल गांधी ने जनरल नरवणे की किताब को लेकर संसद में अपनी बात रखी थी।

नेपाल में दो गुटों में झड़प के बाद कर्फ्यू

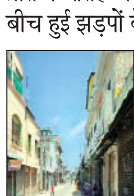

काठमांडू। दक्षिणी नेपाल में मधेस प्रांत के रौतहट जिले में दो गुटों के बीच हुई झड़पों के बाद तनाव बढ़ने पर कुछ हिस्सों में शनिवार को कर्फ्यू लगा दिया गया। बृहस्पतिवार शाम को एक विवाद के बाद दो समुदायों के बीच झड़पें शुरू हुईं, जिसके बाद शुक्रवार और शनिवार सुबह तक जारी रही हिंसा में कम से कम आठ लोग घायल हो गए। मुख्य जिला अधिकारी दिनेश सागर भुसाल के अनुसार, शनिवार दोपहर एक बजे से जिला मुख्यालय गौर और अन्य हिस्सों में अगले आदेश तक कर्फ्यू लागू रहेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति के फैसले के बाद भारत को मिली एक बड़ी राहत

ट्रंप ने पीएम मोदी को बताया स्मार्ट प्रधानमंत्री

भारत से अमेरिका जाने वाले सामान पर टैरिफ 18% से घटाकर 15% किया

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्लोबल टैरिफ 10% से बढ़ाकर 15% करने का ऐलान किया है। उन्होंने शनिवार को ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। इससे पहले ट्रंप ने शुक्रवार रात प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सभी देशों पर 10% टैरिफ लगाने की बात कही थी। अमेरिकी राष्ट्रपति के का यह फैसला भारत के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। अब भारत से अमेरिका जाने वाले सामान पर लगने वाला टैरिफ घटाकर 15% कर दिया गया है, जो पहले 18% तय किया गया था। यह नया अस्थायी टैरिफ 24 फरवरी से लागू होगा और फिलहाल 150 दिनों तक प्रभावी रहेगा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के उलट ट्रंप ने अमेरिकी कानून की धारा 122 का उपयोग करते हुए यह ऐलान किया।

ट्रंप ने इसे 'अस्थायी आयात शुल्क' बताया है, जिसका मकसद अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय भुगतान संतुलन से जुड़ी समस्याओं को ठीक करना है। व्हाइट हाउस ने एक फैक्टशीट जारी कर बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रेड एक्ट 1974 की धारा 122 के तहत यह कदम उठाया है।

इसके जरिए राष्ट्रपति कुछ आधारभूत अंतरराष्ट्रीय भुगतान समस्याओं को दूर करने के लिए अस्थायी आयात शुल्क और विशेष प्रतिबंध लगा सकते हैं। बता दें कि अमेरिकी कानून धारा 122 के तहत दुनियाभर पर लगाए गए 15 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ 150 दिनों के बाद अपने आप समाप्त हो जाएंगे, जब तक कि कांग्रेस उन्हें बढ़ाने के लिए वोट न करे। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि राष्ट्रपति चाहें तो समय से पहले भुगतान संतुलन आपातकाल की घोषणा कर इन उपायों को दोबारा लागू कर सकते हैं।

भारतीय निर्यातकों को मिलेगा लाभ

ट्रंप ने 24 घंटे में दो बार नए टैरिफ लगाए

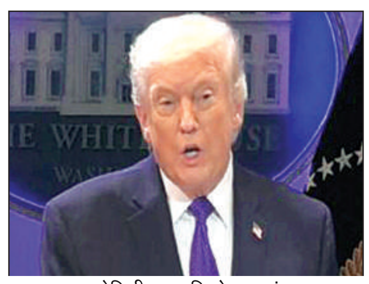
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

भारत के साथ 'ट्रेड डील' अब 'फेयर डील'

ट्रंप ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कहा कि पीएम मोदी हमारा फायदा उठा रहे थे। उन्होंने साफ कहा कि सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ पर फैसले के बावजूद भारत के साथ हुई ट्रेड डील में कोई बदलाव नहीं होगा। ट्रंप के मुताबिक, कुछ भी नहीं बदला है- भारत हमें टैरिफ देता रहेगा, जबकि अमेरिका भारत को कोई टैरिफ नहीं देगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि पहले व्यवस्था उलटी थी और भारत अमेरिका पर ज्यादा फायदा उठा रहा था, लेकिन उनकी सरकार ने समझौता पलटकर इसे 'फेयर डील' बना दिया है। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें 'महान व्यक्ति' बताया, लेकिन कहा कि व्यापार के मामले में भारत पहले अमेरिका से ज्यादा स्मार्ट साबित हुआ था।

मौजूदा आयात शुल्क पर लगेगा नया कर

जब भारत पर अमेरिकी टैरिफ 50 प्रतिशत पहुंचा था। इसके बाद अंतरिम व्यापार समझौते के तहत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत करने पर सहमति बनी थी। इस दौरान 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क हटा दिया गया था। अब अमेरिका में भारतीय सामान पर केवल 15 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लागू रहेगा। यह 15 प्रतिशत शुल्क मौजूदा आयात शुल्क के ऊपर लगेगा। उदाहरण के लिए, अगर किसी उत्पाद पर पहले से 5 प्रतिशत शुल्क है, तो अब उस पर 15 प्रतिशत और जुड़ जाएगा।

भारत से व्यापार घाटा 58.2 अरब डॉलर तक बढ़ा

ट्रंप की तरफ से भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत तक उच्च टैरिफ लगाने के बावजूद अमेरिका का भारत के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 2025 में 58.2 अरब डॉलर हो गया। यह पहले 45.7 अरब डॉलर के करीब था। इस बात की जानकारी अमेरिकी सरकार ने दी। बता दें, अमेरिका का दिसंबर 2025 में कुल व्यापार घाटा (वस्तु और सेवा) 70.3 अरब डॉलर रहा, जो नवंबर में 53 अरब डॉलर था। वहीं, दिसंबर में भारत के साथ व्यापार घाटा 5.2 अरब डॉलर रहा। पूरे साल 2025 के लिए अमेरिका का कुल व्यापार घाटा 901.5 अरब डॉलर रहा, जबकि 2024 में यह 903.5 अरब डॉलर था।

एक खिलौना कारोबारी ने दी ट्रंप के टैरिफ फैसले को चुनौती

रिक वोल्डेनबर्ग

ट्रंप की टैरिफ नीति के खिलाफ अमेरिका के ही एक खिलौना कारोबारी रिक वोल्डेनबर्ग ने सीधे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने माना कि नीति गलत है तो उसका विरोध होगा। फिर वो लड़ाई चाहे देश की सरकार या फिर राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ ही क्यों न हो। वोल्डेनबर्ग का कहना था कि यह सिर्फ व्यापार का मामला नहीं, बल्कि पीढ़ियों से खड़े किए गए कारोबार के अस्तित्व की लड़ाई थी। रिक वोल्डेनबर्ग शिकागो के पास स्थित शैक्षणिक खिलौना कंपनी लर्निंग रिसोर्सेज के सीईओ हैं। उनकी कंपनी की स्थापना उनकी मां ने की थी।

भारतीय मूल के वकील कात्याल ने पलटा ट्रंप टैरिफ का खेल

नील कात्याल

अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के केंद्र में भारतीय मूल के वकील नील कात्याल हैं। नील ने ही अदालत में ट्रंप के उस कदम को चुनौती दी, जिसमें 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट यानी आईईईपीए का इस्तेमाल कर लगभग सभी व्यापारिक साझेदार देशों पर टैरिफ लगाए गए थे। नील कात्याल ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि राष्ट्रपति ने आपात आर्थिक शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि टैरिफ दरअसल टैक्स होते हैं और टैक्स लगाने का अधिकार केवल अमेरिकी कांग्रेस को है, न कि राष्ट्रपति को।

टैरिफ से वसूला पैसा वापस हो: सांसद शूमर

चक शूमर

अमेरिकी सीनेटर चक शूमर ने ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ को 'गैरकानूनी' बताते हुए साफ कहा है कि जो पैसा वसूला गया है, वह लौटाया जाना चाहिए। शूमर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने वही किया जो कानून के अनुसार सही था। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप ने देश से जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं हुए। नौकरियां बढ़ने के बजाए घटी हैं। कीमतें कम होने की जगह बढ़ी हैं। शटैरिफ के कारण आम लोगों पर महंगाई का बोझ बढ़ा है। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने अपने भाषण में बढ़ती कीमतों पर कोई बात नहीं की और न्यायाधीशों पर व्यक्तिगत टिप्पणी की, जो गलत है।

यूएस राजदूत हकाबी का दावा

इजराइल मिडिल ईस्ट पर कब्जा करे तो हमें कतई 'आपत्ति' नहीं

इजराइल में यूस राजदूत माइक हकाबी

एजेंसी ▶▶ यरूशलेम

इजराइल में अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी ने कहा है कि अगर इजराइल मध्य पूर्व के अधिकांश हिस्से पर कब्जा कर लेता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी। उन्होंने यहूदी लोगों के भूमि पर अधिकार पर जोर दिया। हकाबी से इजराइल की भौगोलिक सीमाओं के बारे में सवाल किए गए, जिनके बारे में उनका तर्क है कि वे बाइबिल पर आधारित हैं।

बाइबिल के वचन में अब्राहम के वंशजों को वह भूमि देने का वादा किया गया है, जिसमें इराक में यूफ्रेट्स नदी और मिस्र में नील नदी के बीच का क्षेत्र भी शामिल है। इस तरह के क्षेत्र में आधुनिक लेबनान, सीरिया, जॉर्डन और सऊदी अरब के कुछ हिस्से शामिल होंगे। इस पर हकाबी ने कहा कि अगर वे (इजराइल) यह सब ले लें तो कोई दिक्कत नहीं होगी। हकाबी को पिछले साल ही इजराइल में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नियुक्त किया है। बता दें, अमेरिकी राजदूत एक कट्टर ईसाई जायोनिस्ट और इजराइल के प्रबल समर्थक हैं। हालांकि बाद में अपने इस बयान से पीछे हटते हुए उन्होंने कहा कि यह 'कुछ हद तक अतिशयोक्तिपूर्ण बयान था' फिर भी, उन्होंने अपनी धार्मिक व्याख्या के आधार पर इजराइली विस्तारवाद की संभावना को खुला रखा।

कहा- बाइबिल के वचन में इसका जिक्र

इजराइल का ये हक

हकाबी ने यह तर्क देने की कोशिश की कि इजराइल का अस्तित्व का अधिकार अंतरराष्ट्रीय कानून में मौजूद है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून की निगरानी करने वाली कानूनी संस्थाओं पर भी इजराइल के हक की अनदेखी करने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और विदेश मंत्री रूबियो द्वारा आईसीसी (अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय) और आईसीजे से छुटकारा पाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए मैं बहुत आभारी हूं, इसका एक कारण यह है कि वे ऐसे भ्रष्ट संगठन बन गए हैं, जो अब वास्तव में कानून को समान तरीके से लागू नहीं कर रहे हैं।

लेबनान में इजराइल के हमले में 12 की मौत

बेरूत। लेबनान के पूर्वी बेका घाटी में शुक्रवार को इजराइल के हमले में 12 लोग मारे गए और 24 व्यक्ति घायल हो गए, इनमें बच्चे भी शामिल हैं। इससे पहले दिन में एक फिलिस्तीनी शरणार्थी शिविर पर इजराइली हमले में दो और लोग मारे गए थे। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इजराइल ने दावा किया कि उसने बेका घाटी में लेबनानी आतंकवादी समूह हिजबुल्ला के कमान केंद्रों पर हमला किया है, हालांकि हिजबुल्ला ने इस पर कोई बयान जारी नहीं किया। इससे पहले शुक्रवार को इजराइल के एक और हमले में बंदरगाह शहर सिडोन में स्थित एक फिलिस्तीनी शरणार्थी शिविर को निशाना बनाया गया था, जिसमें दो लोग मारे गए थे। इजराइली की सेना ने दावा किया कि उसने ऐन अल-हिलवे शिविर में स्थित हमास के कमान केंद्र पर हमला किया है। हमास ने भी स्वीकार किया कि हमले में उसके दो सदस्य मारे गए, लेकिन कमान केंद्र पर हमले के दावे को उसने बेबुनियाद बताया।

श्रीनगर में बड़ा हादसा, चालक ने गाड़ी पर से नियंत्रण खोया

सीआरपीएफ की बस नहर में गिरी, 7 जवान घायल

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के बाहरी इलाके में शनिवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। यहां डगपोरा के अंतर्गत अहमद नगर रोड पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक बुलेटप्रूफ बंकर वाहन अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरा। इस दुर्घटना में सीआरपीएफ के सात जवान घायल हो गए। अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब सीआरपीएफ का वाहन डगपोरा रोड से गुजर रहा था। अचानक चालक ने गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण बुलेटप्रूफ बंकर सड़क से फिसलकर सीधे साथ लगती नहर में पलट गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और प्रशासन ने बचाव कार्य शुरू किया। हादसे के तुरंत बाद सभी घायल जवानों को उपचार के लिए शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, सौरा ले जाया गया। चिकित्सा अधिकारियों के अनुसार, सभी जवानों को चोटें आई हैं, लेकिन फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है।

नहर में गिरा हुआ वाहन

आतंकी साजिश नाकाम

जम्मू कश्मीर में बीते कुछ ही दिनों में कई जगहों पर आईईडी पाए गए हैं। शनिवार को गांदरबल में सड़क के किनारे ही इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोजिव डिवाइस (आईडी) पाया गया है। कोहेस्तान कॉलोनी के पास ही गुलाब शेख मोहल्ले में इसे सड़क के किनारे एक बैग में रखा गया था। एजेंसियों को इसकी जानकारी मिल गई और बम निरोधक दस्ते ने पहुंचकर इसे निष्क्रिय कर दिया। एक दिन पहले ही बारामुला जिले के जांबाजपोरा इलाके में आईडी पाया गया था। सेना ने आईईडी मिलने के बाद बड़ी सावधानी से इसे निष्क्रिय कर दिया।

लश्कर की साजिश, दिल्ली में बढ़ाई गई सुरक्षा

दिल्ली में आतंकी खतरे की आशंका संबंधी खुफिया जानकारी मिलने के बाद शनिवार को लाल किले के आसपास के इलाके और चांदनी चौक के कुछ हिस्से सहित राष्ट्रीय राजधानी के प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों में सुरक्षा बढ़ा दी गई। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिया था कि पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटीटी) ने कथित तौर पर भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों को हमले वाले स्थानों की सूची में रखा है, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने लाल किले के पास संभावित विस्फोट के खतरे को लेकर अलर्ट जारी किया है, जो प्रमुख पर्यटन स्थल और उच्च सुरक्षा वाला क्षेत्र है।

भारतीय नौसेना का शक्ति प्रदर्शन

विशाखापत्तनम। आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम के तट पर अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा (आईएफआर) 2026 के हिस्से के रूप में आयोजित एक समुद्री प्रदर्शन के दौरान भारतीय नौसेना का एक सी किंग 42बी हेलीकॉप्टर रेंगने की तकनीक का प्रदर्शन करता हुआ।

विमान में जरूरी क्षमताओं को लेकर नहीं किया जाएगा कोई समझौता

तेजस मार्क-1ए को लेकर रक्षा मंत्रालय और वायुसेना एचएएल को छूट देने के लिए तैयार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान और चीन की सीमाओं से बढ़ते युद्ध के साझा खतरे के बीच भारतीय वायुसेना को लड़ाकू विमानों की संख्या यानी स्क्वाड्रन को तेजी से बढ़ाने की आवश्यकता है।

जिसे भली-भांति समझते हुए रक्षा मंत्रालय और भारतीय वायुसेना, स्वदेशी तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान के उत्पादन में तेजी लाने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को इससे जुड़े समझौते में शामिल की गई कुछ बाध्यताओं में छूट देने को तैयार है। जिससे इन विमानों की अगले वित्त वर्ष की शुरुआत के साथ वायुसेना को आपूर्ति की जा सकेगी। जो कि काफी समय से लंबित पड़ी हुई है।

फायरिंग से जुड़े प्रशिक्षण पूरे

मामले को लेकर बनी नई सहमति के हिसाब से एचएएल द्वारा विमान में लगाई जाने वाली मिसाइल के फायरिंग टेस्ट पूरे किए जाने, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम के तहत रडार के एकीकरण और हथियारों के पैकेज के साथ वायुसेना विमान को स्वीकार करेगी। उन्होंने कहा कि फायरिंग से जुड़े प्रशिक्षण पूरे हो गए हैं और अब सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया जारी है। वायुसेना द्वारा उक्त छूट के विषय में एचएएल को सूचित कर दिया गया है। वायुसेना इन बिंदुओं के साथ विमान को स्वीकार करने के लिए तैयार है।

ट्रंप के सामने रखी गई ईरान पर हमले की योजना

सुप्रीम लीडर खामेनेई और बेटे मोजतबा पर होगा पहला वार

- सलाहकारों ने ट्रंप को बताए कई विकल्प
- ट्रंप किसी भी समय कर सकते हैं फैसला

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी अधिकारियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने ईरान पर सैन्य हमले की योजना प्रस्तुत की गई है। इसमें ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को मारने का विकल्प भी शामिल है। मोजतबा को ईरान में सुप्रीम लीडर की गद्दी के सबसे मजबूत दावेदार के रूप में देखा जाता है। एक अमेरिकी मीडिया ने ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में ट्रंप के एक वरिष्ठ सलाहकार के हवाले से कहा गया कि जिन संभावित स्थितियों पर बात हुई, उनमें से एक खामेनेई और उनके बटे मोजतबा को खत्म करना भी शामिल था। राष्ट्रपति ने अभी तक हमला करने का फैसला नहीं किया है।

डोनाल्ड ट्रंप | अयातुल्ला खामेनेई

ट्रंप के सामने कई विकल्प

रिपोर्ट में बताया गया है कि रक्षा विभाग ने ईरान को लेकर ट्रंप के सामने कई विकल्प रखे हैं। ट्रंप के सामने पर हर परिस्थिति के लिए कुछ न कुछ है। आखिर में क्या होगा, यह पक्का नहीं है। सलाहकार ने कहा कि राष्ट्रपति क्या चुनते हैं, कोई नहीं जानता। एक और अधिकारी ने कहा कि ट्रंप ने अपने विकल्प खुले रखे हैं। वह किसी भी समय हमले का फैसला कर सकते हैं।

ईरान को दी 10 दिन की मोहलत

वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को एक सवाल के जवाब में कहा कि वह ईरान पर सीमित सैन्य हमले के बारे में विचार कर रहे हैं, ताकि तेहरान को उसके परमाणु कार्यक्रम पर डील के लिए दबाव बनाया जा सके। बोर्ड ऑफ पीस की बैठक से पहले ट्रंप ने ईरान को अल्टीमेटम देते हुए 10 दिन का समय दिया था। ट्रंप ने कहा था कि 10 दिन में पता चल जाएगा। इस बीच ईरान ने कहा है कि अगले कुछ दिनों में डील पर ड्राफ्ट तैयार हो जाएगा, जिसे अमेरिका को भेजा जाएगा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी इसकी पुष्टि की है।

खामेनेई की ट्रंप को धमकी

हमला हुआ तो समंदर में दफना देंगे

ट्रंप के सैन्य हमले की धमकी के बीच ईरान के सुप्रीम लीटर अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिकी विमानवाहक पोत की तैनाती की तरफ इशारा करते हुए कहा कि एयरक्राफ्ट करियर खतरनाक मशीन है, लेकिन उसके भी ज्यादा खतरनाक वह हथियार है, जो उसे समुद्र की गहराई में भेज सकता है। खामनेई का यह इशारा ईरान के शस्त्रागार में मौजूद उन हाइपरसोनिक मिसाइलों से है, जो मैक 15 की स्पीड तक पहुंच सकती हैं। ईरान के जखीरे में सबसे खतरनाक हथियार फतह क्लास की हाइपरसोनिक मिसाइलें हैं। इस श्रेणी की पहली मिसाइल फतह-1 है, जिसे जून 2023 में पेश किया गया था। यह मीडियम रेंज बैलिस्टिक मिसाइल है। लगभग 15 मैक की स्पीड से जाने वाली इस मिसाइल की कथित रेंज 1400 किमी है। इसे एंटी मिसाइल डिफेंस से बचने के लिए डिजाइन किया गया है।

कुछ साल पहले तक वर्क फ्रॉम होम के बारे में कम ही लोग जानते थे। लेकिन आज कंडीशन इससे भी एक कदम आगे बढ़कर वर्क फ्रॉम एनीवेयर तक पहुंच चुकी है। कई सर्विस सेक्टर्स ऐसे हैं, जिसमें यह वर्क मोड खूब पॉपुलर हो चुका है। इस मोड के अनेक फायदे हैं तो कुछ कमियां भी हैं। इन सबके बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

कहीं से भी काम करने की आजादी

वर्क फ्रॉम एनीवेयर

कवर स्टोरी / कीर्तिशेखर

करीब पांच वर्ष पहले कोरोना महामारी ने कार्यशैली में जिस बदलाव को मजबूरी में शुरू कराया था, वह अब स्थायी जीवनशैली का विकल्प बनता जा रहा हैं। पहले सवाल था- क्या घर से काम करना संभव है? अब सवाल बदल चुका है- क्यों न कहीं से भी काम किया जाए? इसी सवाल से जन्म होता है, वर्क फ्रॉम एनीवेयर की अवधारणा का यानी, ऐसा काम जिसे करने के लिए न तो ऑफिस की दीवारें जरूरी हैं, न किसी तय शहर की सीमा, बस आपका अपना लैपटॉप हो, इंटरनेट कनेक्शन हो और थोड़ी-सी मानसिक एकाग्रता, इसके बाद कहीं पर भी आप अपना ऑफिस वर्क शुरू कर सकते हैं।

ऐसे बदलती गई कार्यशैली: वर्क फ्रॉम होम ने लोगों को यह सिखाया कि जरूरी नहीं कि हर काम मीटिंग रूम या ऑफिस डेस्क पर ही बैठकर किया जाए। इस अवधारणा ने यह भी बताया कि प्रोडक्टिविटी का मतलब केवल कुर्सी पर बैठना नहीं होता। आउटपुट ज्यादा मायने रखता है। इसके बाद लोगों ने महसूस किया कि अगर घर से काम करना संभव है, तो फिर इंटरनेट की बदौलत कहीं से भी काम करना संभव है। कोरोना और उसके बाद से ही लोगों ने घूमने गए हिल स्टेशनों, समुद्र किनारे या शहर से अपने गांव जाकर घर के एक कोने में बैठकर देश-विदेश की मल्टीनेशनल कंपनियों का काम करने लगे। यहीं से वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट व्यवहार में उतरा।

इसलिए चुन रहे यह तरीका: वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट पॉपुलर होने की कई वजहें हैं। महानगरों में भीड़ बहुत बढ़ती जा रही है। भारी-भरकम किराए के बाद ही किराए का मकान मिलता है, बल्कि वहां जिंदगी भी बहुत मुश्किल भरी हो जाती है। ऑफिस आने-जाने में रोज ट्रैफिक जाम से पाला पड़ता है। परिवार साथ न होने की वजह से खाने की समस्या होती है। घर और परिवार से दूर रहने के कारण हर समय मानसिक अशांति रहती है। इस तरह काम तो होता है, पर जीवन बेचैन रहता है। इसलिए युवाओं का कहना है कि अब वो जीवन के लिए काम करना चाहते हैं, काम के लिए जीवन की हायतौबा नहीं झेलना चाहते। नतीजा यह है कि नई पीढ़ी के बहुत से लोग वर्क फ्रॉम एनीवेयर का विकल्प बड़ी सहजता से चुन रहे हैं, क्योंकि यह विकल्प उन्हें भरपूर आजादी का एहसास कराता है।

इस कॉन्सेप्ट का मेन टार्गेट: वर्क फ्रॉम एनीवेयर के बारे में इस बात को समझना जरूरी है कि इसका मतलब डिजिटल घुमक्कड़ी नहीं है, न ही इसका मतलब है कि कहीं भी घूमते-फिरते रहें और जब मौका मिले या मन करे तो काम कर लें। अगर इस धारणा का मतलब यह हो जाएगा, तब तो काम करना प्राथमिकता नहीं रह जाएगी। प्रोफेशनल्स के लिए उनका वर्क बहुत मायने रखता है। ऐसे में इंटरनेट ने बौद्धिक काम करने वाले लोगों को यह सुविधा तो दी ही है कि अगर हिल स्टेशन पर घूमने जाएं, तो समय निकालकर वहां से भी अपना काम कर सकें। मां-बाप के पास गांव जाएं तो वहां भी साथ अपना काम लेकर जाएं और कहीं किसी जरूरी यात्रा पर निकल रहे हों तो भी अपना काम अपने साथ रख सकते हैं।

इन फील्ड्स में है सफल यह मॉडल: वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट सर्विस सेक्टर में ही संभव है कि आप कहीं से भी अपनी विशेषज्ञता संबंधी सेवाएं अपने नियोक्ता को दे सकें। हर काम वर्क फ्रॉम एनीवेयर के ढांचे में फिट नहीं होता है। बहरहाल, जो काम इस मोड में सही से किए जा सकते हैं, वो क्षेत्र हैं- आईटी और सॉफ्टवेयर, डिजिटल मार्केटिंग, एडिटिंग, कंटेंट राइटिंग, डिजाइनिंग, ऑनलाइन टीचिंग, कस्टमर सपोर्ट-कंसल्टेंसी, एचआर असिस्टेंस और फाइनेंस एनालिसिस भी इस वर्क पैटर्न से संभव है। दूसरे शब्दों में जिन कामों में फिजिकल उपस्थिति या मशीनरी की मौजूदगी की जरूरत नहीं होती, उन क्षेत्रों में यह मॉडल तेजी से अपनाया जा रहा है।

एंप्लॉई-एंप्लॉयर दोनों खुश: कंपनियां इसलिए इस मॉडल को स्वीकार कर रही हैं, क्योंकि इससे उनको भी फायदा है। इससे उन्हें ऑफिस स्पेस पर खर्च नहीं करना पड़ता। ऑफिस चलाने के लिए जो एस्टेब्लिशमेंट खर्च होते हैं, उनसे भी बचाव हो जाता है और सबसे बड़ी बात तो यह है कि लोगों को भर्ती करने के लिए पूरी दुनिया का दायरा मिल जाता है। कर्मचारी भी इससे संतुष्ट रहते हैं, क्योंकि हर रोज घर से काम करने के लिए नहीं निकलना पड़ता और न ही यात्रा करने की जो परेशानियां और तनाव होती हैं, उनसे निपटना पड़ता है।

कंपनियां भी अब इस बात को समझ चुकी हैं कि अगर सहूलियतों के बीच कर्मचारी को काम करने का मौका मिलता है तो उसका परफॉर्मेंस बेहतर होता है। इसलिए वे ऐसे कर्मचारियों को रखना पसंद करती हैं। इससे कर्मचारियों को सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि उनके रहने और दूसरी जगह पर जाकर खाने-पीने की जो भारी भरकम लागत आती है, उससे छुटकारा मिल जाता है। घर से ऑफिस तक जाने में जो समय लगता है, उससे भी मुक्ति मिल जाती है। यह बचा हुआ समय व्यक्तिगत रुचियों का आनंद लेने और आराम करने के लिए इस्तेमाल होता है। कह सकते हैं इस अवधारणा से काम कराने वाला भी खुश होता है और काम करने वाला भी खुश और दोनों को फायदा होता है।

प्रोफेशनल्स का बचता है टाइम: काम की इस अवधारणा का एक फायदा यह है कि लोग दिन में ऑफिस का काम करते हैं और फिर जो उनका दफ्तर तक जाने और आने का समय बचता है। उस समय का उपयोग बागवानी करने, संगीत सीखने, लेखन करने या अपने किसी शौक को पूरा करने में लगाते हैं।

मौजूद हैं कुछ चुनौतियां: इस वर्क मोड में सबसे पहली चुनौती तो यह है कि ये काम वहीं हो सकता है, जहां इंटरनेट की सुविधा अच्छी हो, बिजली की आपूर्ति चौबीसों घंटे हो और काम करने के लिए एक सुरक्षित और एकांत जगह हो। साथ ही वहां दफ्तर जैसा माहौल बनाने की सुविधा हो। इसके अलावा सेल्फ डिसिप्लीन भी जरूरी होता है। कुछ लोग जब खुद निर्णय लेना होता है, तो कंसंट्रेट होकर काम नहीं करते। ऐसे काम करने के तरीके से कई प्रोफेशनल्स का निजी जीवन डिस्टर्ब हो जाता है। वे ऑफिस वर्क में बहुत समय देने लगते हैं। इसलिए बहुत सारे लोग शुरू-शुरू में यह फॉर्मूला अपनाते रहे हैं, लेकिन जल्द ही ऊब कर ऑफिस आने लगते हैं। क्योंकि घर में काम करते हुए उनके वर्किंग ऑवर बहुत बढ़ जाते हैं। वर्क फ्रॉम एनीवेयर करते समय भले तनाव कम होता हो, आजादी खूब महसूस होती हो, लेकिन सामाजिक संपर्क से कट जाते हैं और अकेलेपन की आशंका से घिर जाते हैं। इसलिए कई बार कहीं से भी काम करने की सुविधा का नुकसान मानसिक रूप से बीमार होने के रूप में सामने आता है। इसलिए लोग अब हाइब्रिड मॉडल को बेहतर मान रहे हैं यानी चार दिन घर में और दो दिन दफ्तर में काम करना, सही संतुलन है। हां, महिलाओं को जरूर काम करने की इस शैली का फायदा मिलता है, क्योंकि इसके चलते उन्हें होम मेकिंग और करियर में संतुलन बनाने में मदद मिलती है। *

वर्क फ्रॉम एनीवेयर के लिए जरूरी सुविधाएं

- घर में तेज रफ्तार इंटरनेट कनेक्शन होना जरूरी है।
- घर में लैपटॉप के साथ बैकअप पावर की सुविधा होना जरूरी है।
- घर में काम करने के लिए ऑफिस जैसे स्थान का होना जरूरी है।
- रोज सुबह अनुशासित ढंग से तैयार होकर दफ्तर की तरह काम करना जरूरी है।
- घर से काम करते समय कंप्यूटर और साइबर सिक्योरिटी का ज्ञान भी जरूरी है। अगर कंप्यूटर की बेसिक समझ नहीं है तो कभी-भी अगर लैपटॉप या वर्क स्टेशन में कोई समस्या आ गई, तो तब तक काम नहीं कर पाएंगे, जब तक घर कोई मैकेनिक आकर समस्या हल न करे।
- घर से काम करने के लिए लगातार तकनीक में भी माहिर होते रहना जरूरी है।
- घर से काम करते समय लगातार उत्साह बनाए रखना भी जरूरी है ताकि अपना नियमित रूटीन सही से पूरा कर सकें।

आज के दौर में जीवन को सुविधाजनक बनाने वाला मोबाइल बेशुमार लोगों को अपना लती भी बना रहा है। इसके दुष्प्रभावों से बचने के लिए अब लोग तरह-तरह के उपाय आजमा रहे हैं। इनके बारे में आप भी जानिए।

मोबाइल एडिक्शन से बचने के लिए

आजमाए जा रहे तरह-तरह के उपाय

टेक्नोलाइफ
लोकमित्र गौतम

हर सुबह आंख खुलते ही मोबाइल। रात में सोते समय आखिरी नजर तक मोबाइल। दिन में बीच-बीच में सैकड़ों बार स्क्रीन चेक करना। अब ये किसी व्यक्ति विशेष की आदत नहीं बल्कि ज्यादातर लोगों की लाइफस्टाइल बन गई है। अब मोबाइल में नोटिफिकेशन देखना याद नहीं रखना पड़ता। लोगों की यह स्वतः आदत बन गई है। लेकिन इसी दौर में कुछ और भी दिलचस्प और विरोधाभासी बातें भी हो रही हैं। एक ट्रेंड बहुत तेजी से उभर रहा है और यह है मोबाइल से दूरी बनाने का। नहीं, लोग तकनीक छोड़ नहीं रहे बल्कि उसके साथ नई-नई शर्तों के तहत रिश्ता तय कर रहे हैं। कोई नोटिफिकेशन बंद कर रहा है, कोई फोन ग्रे स्केल पर डाल रहा है, कोई डंब फोन खरीद रहा है, तो कोई रविवार को मोबाइल अलमारी में बंद करके उसमें ताला लगा देता है। मोबाइल को लेकर उसके पक्ष और उसके विरोध में एक से बढ़कर एक आदतें दुनिया का ध्यान खींच रही हैं।

क्यों छोड़ना चाहते हैं फोन: हाल के कुछ सालों में ऐसे कई अनुभव सामने आए हैं, जिससे पता चलता है कि मोबाइल लोगों का ध्यान बहुत जल्दी भटका देता है। यह भी महसूस किया गया है कि लगातार मोबाइल का इस्तेमाल करने से अधूरेपन का एहसास बढ़ जाता है। मोबाइल की लत लग जाए, तो कब देखते ही देखते टाइम फुर्र हो जाता है, पता ही नहीं चलता। इन सबके अलावा हाल के सालों में बिना कुछ किए लोगों को एक ऐसी थकान जकड़ रही है, जो जानकारों के मुताबिक मोबाइल की देन है। ऐसे ही और भी अनेक कारण हैं, जिसके चलते अब लोग मोबाइल से अगर पूरी तरह से नहीं, तो बीच-बीच में कुछ समय तक के लिए पिंड छुड़ाना चाहते हैं। इसलिए इन दिनों लोग मोबाइल से दूर रहने के लिए तरह-तरह के उपाय आजमा रहे हैं। इनमें से कुछ के बारे में बता रहे हैं।

नोटिफिकेशन मिनिमलिज्म: बहुत से लोग अब सिर्फ कॉल और जरूरी एप्स के नोटिफिकेशन ही चालू रखते हैं। व्हाट्सएप ग्रुप, सोशल मीडिया लाइक और ई-मेल अलर्ट, सब कुछ लोग बंद कर रहे हैं। इस कारण फोन हाथ में लेने की अपने आप जरूरत कम रह जाती है। ऐसे उपाय अपनाने वाले लोग बताते हैं- जहां वह पहले 125 से 150 बार तक स्क्रीन अनलॉक करते थे, वहीं ऊपर बताए गए उपाय यानी नोटिफिकेशन मिनिमलिज्म के बाद अब ये संख्या घटकर 40 से 50 बार रह गई है।

ग्रे स्केल मोड: इसका मतलब है फोन की रंगीन स्क्रीन को ब्लैक एंड व्हाइट में बदल देना। फोन की दुनिया काली-सफेद होते ही लोगों का रील्स में आकर्षण घट जाता है और स्क्रॉल करने का मन ही नहीं रह जाता। यह एक छोटा-सा उपाय है, लेकिन इसके बेहद असरदार मनोवैज्ञानिक नतीजे हासिल होते हैं। इसके साथ ही कुछ लोग अपने फोन में डाउनलोड किए गए हर मीडिया एप के लिए दिन में 20 से 30 मिनट की लिमिट तय कर देते हैं और लिमिट खत्म होते ही यह एप अपने आप ही लॉक हो जाते हैं, जिससे इनसे मुक्ति मिल जाती है। ये उपाय शुरू में तो झुंझुलाहट पैदा करता है, मगर 3-4 दिन के बाद इसकी आदत बन जाती है।

फोन मुक्त दिन की शुरुआत: कुछ लोग इन दिनों सुबह जगने के बाद एक से दो घंटा तक बिल्कुल मोबाइल के पास नहीं जाते, इस दौरान उनका मोबाइल स्विच ऑफ रहता है। जब तक मोबाइल स्विच ऑफ रहता है, वे फ्रेश होते हैं, चाय पीते हैं, अखबार पढ़ते हैं, एक्सरसाइज का अपना रुटीन खत्म करते हैं या ऐसा कुछ नहीं भी करते हैं तो इस दौरान सिर्फ खिड़की या बालकनी से बाहर झांकते हैं। जो लोग ये उपाय आजमा रहे हैं, उनका अनुभव बताता है कि इससे पूरा दिन शांति महसूस होती है।

सोशल मीडिया फास्टिंग: कुछ लोग सोशल मीडिया फास्टिंग का उपाय भी आजमा रहे हैं। फोन से दूर रहने का यह एक और उपाय है। इसके चलते जैसे कुछ लोग धार्मिक रूप से हफ्ते में किसी एक या दो दिन उपवास रखते हैं। लगभग उसी तरह इस प्रयोग के तहत लोग हफ्ते में एक दिन या 15 दिन में एक दिन फोन से पूरी तरह से दूर रहने का उपाय आजमाते हैं।

बेडरूम से बाहर फोन: कुछ लोग अपने फोन को बेडरूम से बाहर रखकर सोते हैं। इस तरह फोन को बेडरूम से बाहर रखने के बहुत फायदे मिलते हैं। इससे नींद बेहतर आने लगती है। रात की स्क्रॉलिंग खत्म हो जाती है। *

मानसिक स्वास्थ्य के लिए है जरूरी

लोग इस बात को भली-भांति समझने लगे हैं कि फोन के बहुत ज्यादा इस्तेमाल के कारण उनकी आंखों पर ही नहीं, ध्यान लगाने की क्षमता पर, भावनात्मक स्थिरता पर और यहां तक कि आत्मसंतोष की अनुभूति पर भी जबर्दस्त असर पड़ने लगा है। मोबाइल से दूर रहना एक तरह से खुद के पास होने जैसा है। क्योंकि जो लोग बहुत ज्यादा फोन इस्तेमाल करते हैं, उन लोगों के अनुभव बताते हैं कि वो जितना ही ज्यादा फोन में रहते हैं, उतना ही ज्यादा अकेलापन महसूस करते हैं। ऐसे में इससे दूरी बनाने की आदत मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाती है।

गजल
हबीब कैफी

मोहब्बत में जो लिखता है
अंधेरे में भी दिखता है

वहां कुछ फूल खिलते हैं
जहां वो पांव टिकता है

जिसे सब इश्क कहते हैं
सर-ए-बाजार बिकता है

फकत रोटी नहीं सिकती
तवे पर दिल भी सिकता है

महकता फूल लिखना था
उसी को खार लिखता है

व्यंग्य
महेश कुमार केशरी

मेरे घर आ धमकने का पड़ोसी महोदय को बस बहाना चाहिए। कभी चीनी, कभी टमाटर, कभी धनिया पत्ती तो कभी मिर्च गोलकी मांगने चले आते हैं। गोया मेरा घर नहीं, कोई धर्मशाला हो।

प्रभु बचाएं ऐसे पड़ोसी से

कहते हैं, सांप चंदन के पेड़ से हमेशा लिपटे रहते हैं। हालांकि मैं चंदन जैसा तो बिल्कुल नहीं हूं, फिर भी न जाने क्यों आस-पड़ोस के लोग मुझसे लिपटने को आतुर रहते हैं। कुछ ऐसे ही बगल के घर में रहने वाले मेरे एक पड़ोसी भी हैं। मेरे घर आ धमकने का उनको बस बहाना चाहिए। कभी चीनी, कभी टमाटर, कभी धनिया पत्ती तो कभी मिर्च गोलकी मांगने चले आते हैं। उन पड़ोसी महाशय को जब-जब कोई जरूरत होती है, वे भुजंग की तरह मुझसे आकर चिपट जाते हैं। गोया कि मैं आदमी नहीं बल्कि चंदन का पेड़ होऊं। उनका मेरे घर आना-जाना ऐसे होता है, जैसे मेरा घर नहीं, कोई धर्मशाला हो। ऐसे पड़ोसी मुझे मिले हैं, जिनको दिन भर में मुझसे दसियों बार काम पड़ता है। 'भाई साहब! भाई साहब!' कह-कह कर वे मुझे चूना लगाते रहते हैं। कभी-कभी तो मुझे लगता है, जैसे मैंने इन पड़ोसी महाशय को गोद लिया हुआ है। और वे मेरे बच्चे सरीखे हैं। वाह रे भाई! मान-न-मान मैं तेरा मेहमान। कभी 'हम बाहर जा रहे हैं, जरा घर देखिएगा।' कभी 'जरा बाइक की चाबी दीजिएगा बच्चे को स्कूल छोड़ने जाना है।' तो कभी 'बाजार जा रहे हैं, जरा मेरा फलना-ढिमकाना सामान भी लेते आइएगा।' अगर कभी थोड़ी नाराजगी मैं जताता तो दांत निपोरते हुए बोलते, 'अब एक पड़ोसी ही तो दूसरे पड़ोसी के काम आता है!' किसी दिन आकर पूछते हैं, 'भाई आपके पास कैंची होगी?' तो किसी रोज कहते, 'भाई साहब आपके पास रस्सी तो होगी?' मन आता है कि कह दूं, 'जिस भी चीज की जरूरत पड़े, वो आपको मुझसे ही चाहिए होती है। भला मैं आपूर्ति मंत्रालय में काम तो नहीं करता कि हर चीज का जुगाड़ करके आपके लिए रखा होऊं। भाई मैंने आपका ठेका थोड़ी न लेकर रखा है।' अभी बीते दिनों उन्हीं पड़ोसी का खल चोरी हो गया। वे मुझ पर झल्लाने लगे, 'आप के भरोसे घर छोड़कर गया था, देखिए मेरा खल चोरी हो गया।' मन में आया उसी खल में उन्हें कूट दूं। कह दूं कि आपने मुझे अपना खरीदा हुआ नौकर समझ लिया है क्या, जो मैं आपकी चाकरी करूंगा।

पता नहीं कब मेरा पिंड छूटेगा इन महाशय से! भगवान बचाए ऐसे पड़ोसी से। *

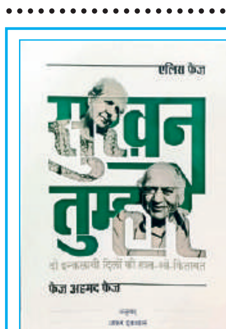

पुस्तकः सुखन तुम्हारे, लेखकः फैज अहमद फैज-एलिस फैज, अनुवादः जफर इकबाल, मूल्यः 550 रुपए, प्रकाशकः राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

दो दिलों की खत-ओ-किताबत

गजलों-नज्मों का शायद ही कोई ऐसा कद्रदान होगा, जो फैज अहमद फैज के नाम से नावाकिफ हो। अपनी शायरी में इंकलाबी तेवर और हुकूमत की बंदिशों को चुनौती देने वाले फैज के भीतर एक नाजुक दिल पति और बेहद जज्बाती पिता भी मौजूद था, इसकी बानगी उनके द्वारा लिखे उन खतों में दिखती है, जिनको उन्होंने कैद के दौरान अपनी पत्नी और बच्चों को लिखे थे। हाल में छपकर आई किताब 'सुखन तुम्हारे' में फैज के द्वारा लिखे गए 135 खत और उनकी पत्नी एलिस के द्वारा लिखे गए 178 खतों को संकलित किया गया है। वर्ष 1951 में पाक सरकार द्वारा गैर कानूनी तौर पर गिरफ्तार किए गए फैज, करीब चार वर्ष तक जेल में रहे। इस दौरान फैज और एलिस के बीच हुई खत-ओ-किताबत का महत्व किसी ऐतिहासिक दस्तावेज से कम नहीं है। यहां गौर करने वाली बात है कि फैज की गिरफ्तारी ने उन्हें बेबस नहीं और मजबूत बना दिया था। 17 जुलाई 1952 को लिखे खत में वह कहते हैं, 'यह जख्म बहुत अचानक, बहुत बेसबब लगा है लेकिन इसे सहने का बल मुझमें है। और इसके सामने भी मेरा सिर नहीं झुकेगा।' 24 अगस्त 1954 को एलिस, फैज को लिखे खत में भीगे जज्बातों से उनकी गैरमौजूदगी को महसूस करती हैं, 'जब मीजू ने केक काटा, उसने अपना मुंह बना लिया। आंखें बंद कीं और उस चीज की दुआ मांगी, जिसके लिए हम सब मांग रहे थे- खुदा तुम्हें हमारे पास घर भेज दें।' कह सकते हैं इस किताब में एक इंकलाबी शायर और उनकी पत्नी के व्यक्तित्व का बिल्कुल नया पहलू हमारे सामने उजागर होता है। *

लघुकथा / डॉ. रंजना जायसवाल

डुबकी

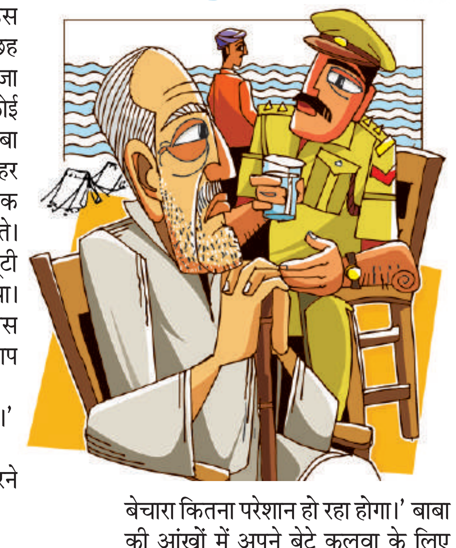

खोया-पाया कैंप में उस बूढ़े बाबा को बैठे छह घंटे हो गए थे। रात गहराती जा रही थी। अभी तक उन्हें कोई ढूंढने भी नहीं आया था। बाबा की आंखें एक आशा के साथ हर आहट के साथ दरवाजे तक जातीं, लेकिन वह निराश होते। कैंप के कर्मचारी की ड्यूटी बदलने का समय हो गया था। नए कर्मचारी ने पानी का गिलास पकड़ाते हुए बाबा से पूछा, 'आप कहां से आए हैं?'

'बेटा काफी दूर से आए हैं।'

'कुछ नाम तो होगा।'

'नाम...' बाबा ने याद करने की कोशिश की।

'किसके साथ आए हैं?'

'कलुवा, हमारा इकलौता बेटा'

'कुंभ नहाए आए थे?'

'हमार बेटवा ब्याह के दस बरस के बाद पैदा हुआ था। उसकी अम्मा मन्नत की रही, गंगा मैया को साड़ी चढ़ाएगी पर परमात्मा को कुछ और ही मंजूर था। अब जइबे तब जइबे करते-करते बख्त निकल गया। उसकी अम्मा ने मरते बख्त कसम ली थी। बचुवा के साथ मन्नत उतारे आए रहे। कुंभ नहाए लेब और मन्नत भी उतार देब।'

'बेटा कहां है बाबा?'

'हमसे बोला कुछ खाए का सामान लेने जाए रहे। इहां बैठे रहो हम अबही आत है।'

'फिर?'

'हमको बैठाकर पता नहीं कहां चला गवा? पुलिस वाले हमको इहां पहुंचा गए। बेचारा कितना परेशान हो रहा होगा।' बाबा की आंखों में अपने बेटे कलुवा के लिए चिंता उभर आई। कर्मचारी समझ चुका था, बीते कुछ दिनों में बाबा जैसे न जाने कितने लोग अपनों की तलाश और इंतजार में भटक रहे थे। 'बाबा, दस बार माइक पर कलुवा का नाम पुकारा जा चुका है। फोन नंबर याद है उसका?'

'फोन?'

'वापसी कब थी?'

'छः बजे की टरेन थी।'

'पर बाबा अब तो नौ बज रहे हैं।'

'नौ!' बाबा की आंखों के जुगनू धप्प पड़ गए।

'कलुवा आता ही होगा। हमें लिए बिना कैसे जाएगा?'

बाबा ने धीरे से बुदबुदाया। सामने गंगा मैया मंद-मंथर गति से बह रही थी। वह एक और पाप की साक्षी थी। जिसे कोई डुबकी धुल नहीं सकती थी। *

टी20 क्रिकेट : भारत ने दी ऑस्ट्रेलिया को 17 रन से शिकस्त

10 साल बाद भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया में जीती सीरीज, स्मृति रहीं प्लेयर ऑफ द मैच

एजेंसी ▸▸| एडीलेड

भारत ने उप कप्तान स्मृति मंधाना (82 रन) और करिश्माई बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स (59 रन) के बीच शतकीय साझेदारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत शनिवार को निर्णायक तीसरे और आखिरी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 17 रन से शिकस्त देकर इस मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक दशक में पहली द्विपक्षीय टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला अपने नाम की। स्मृति को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मंधाना (55 गेंद में आठ चौके और तीन छक्के) और रोड्रिग्स (46 गेंद में चार चौके) ने मिलकर 121 रन की साझेदारी निभाकर भारत को 6 विकेट पर 176 रन के बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

भारतीय गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाजी की, जिसमें युवा स्पिनर श्रेयंका पाटिल (22 रन देकर तीन विकेट) और तेज गेंदबाजी की अगुआई करने वाली रेणुका सिंह (29 रन देकर एक विकेट) ने ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को झकझोरते हुए स्कोर तीन विकेट पर 32 रन कर दिया। इन शुरुआती झटकों ने भारत के दबदबे भरे प्रदर्शन की शुरुआत की और अंत में उसने मेजबान टीम को 20 आवेर में 9 विकेट पर 159 रन पर रोककर टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 2-1 से यादगार जीत दर्ज की। इस तरह भारत ने 2016 के बाद ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीती। बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचरणी (32 रन देकर 3 विकेट) ने भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाते हुए तीन विकेट प्राप्त किए।

स्मृति और जेमिमा के बीच शतकीय साझेदारी

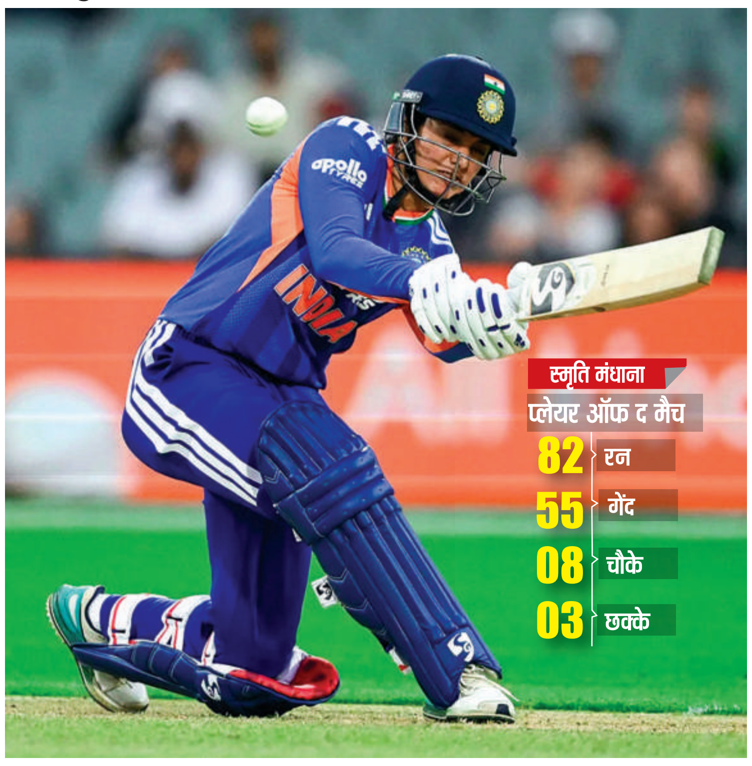

मंधाना ने खेली शानदार पारी

मंधाना 55 गेंदों में 3 छक्कों और 8 चौकों के साथ 82 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि जेमिमा रोड्रिगेज ने 46 गेंदों में 4 चौकों के साथ 59 रन की पारी खेली। ऋचा घोष ने 18 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। विपक्षी खेमे से एनाबेल सदरलैंड ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले। किम गार्थ और सोफी मोलिन्यूक्स ने 1-1 विकेट हासिल किया। मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया अपना ही छह साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले उन्होंने 2020 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 37 गेंदों में 66 रन बनाए थे। अब 82 रन बनाकर उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर किसी भारतीय महिला बल्लेबाज़ का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर दर्ज किया।

टी20 में जेमिमा के 2500 रन पूरे

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की दिग्गज बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिगेज ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध एडिलेड ओवल में खेले जा रहे तीसरे टी20 मैच में अर्धशतकीय पारी के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2,500 रन पूरे कर लिए हैं। जेमिमा ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध सीरीज के अंतिम मुकाबले में 46 गेंदों का सामना करते हुए 4 चौकों के साथ 59 रन की पारी खेली। अपना 118वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलते हुए जेमिमा ने भारत की पारी के पांचवें ओवर में किम गार्थ की गेंद पर चौका लगाकर इस आंकड़े को पार किया। इसी के साथ रोड्रिगेज कप्तान कौर, उप-कप्तान स्मृति मंधाना और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के बाद महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली चौथी भारतीय महिला बनीं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम 159 रन पर सिमटी

इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 9 विकेट खोकर 159 रन ही बना सकी। मेजबान टीम को 19 के स्कोर पर जॉर्जिया वोल (10) के रूप में झटका लगा, जिसके बाद इस टीम ने 63 के स्कोर तक 4 विकेट खो दिए। यहां से फोएबे लिचफील्ड (26) ने एशले गार्डनर के साथ चौथे विकेट के लिए 31 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 98 के स्कोर तक पहुंचाया, जिसके बाद गार्डनर ने जॉर्जिया वेयरहम (12) के साथ 35 रन, जबकि एनाबेल सदरलैंड (14) के साथ 30 रन जुटाते हुए टीम को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन ये प्रयास नाकाफी रहे। एशले गार्डनर 45 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 57 रन बनाकर आउट हुईं।

एलिस पेरी ने रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की दिग्गज खिलाड़ी एलिस पेरी ने इतिहास रच दिया है। भारत के खिलाफ तीसरे टी20 में उतरने के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के लिए 350 मैच खेलने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। 2007 से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का हिस्सा, पेरी से ज्यादा मैच सिर्फ दो महिला क्रिकेटरों ने खेले हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 357 और सूजी बेट्स ने 355 मैच खेले हैं। पेरी ने कहा, मेरे सामने कोई खास लैंडमार्क नहीं हैं। मैं बस यह अनुभव करना चाहती हूं कि यह टीम क्या कर रही है और जब तक मैं इसमें योगदान दे रही हूं और इसमें संतुष्टि पाती हूं, तब तक मैं यहां रहना पसंद करूंगी।

यह जीत काफी मायने रखती है : हरमनप्रीत

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा,' यह जीत काफी मायने रखती है । यह टीम प्रयास का नतीजा है । यह देखकर अच्छा लगा कि हर कोई योगदान दे रहा है। हर साझेदारी अहम है। गेंदबाजों को भी अपना काम बखूबी पता था कि विकेट लेने पर ही मैच जीतेंगे और उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया।'

गलत समय पर गंवाए अहम विकेटः सोफी

आस्ट्रेलिया की कप्तानी सोफी मोलिनू ने कहा,' यह अच्छी विकेट थी लेकिन हमने गलत समय पर अहम विकेट गंवा दिए। हम एलिसे पैरी को उसके 350वें मैच में जीत का तोहफा नहीं दे सके, जिसका दुख है।'

जेमिमा से लय हासिल करने में मिली मदद

एडीलेड। भारत की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि जेमिमा रौड्रिग्स के साहसी रवैये से उन्हें धीमी शुरुआत के बाद लय हासिल करने में मदद मिली। मंधाना ने कहा,' जब वह आई तब मैं 16 गेंद पर 15 रन बनाकर खेल रही थी। उसने आकर तीन चार चौके लगाए और मुझे लय हासिल करने के लिए समय मिल गया।' उन्होंने कहा,' ये छोटी छोटी चीजें हैं जिन पर ध्यान नहीं जाता लेकिन मुझे लगता कि उसके आकर दो तीन चौके लगाने से मुझे लय हासिल करने में मदद मिली। लिहाजा इसका श्रेय उसे जाता है।' उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को हराना बड़ी उपलब्ध है लेकिन टीम की नजरें अब ब्रिसबेन में मंगलवार से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला पर है। मंधाना ने कहा,'श्रृंखला जीतने में योगदान देना अच्छा रहा। आस्ट्रेलिया को आस्ट्रेलिया में हराना खास है।

खबर संक्षेप

संन्यास के 9 साल बाद रिंग में उतरेंगे दिग्गज मेवेदर

लॉस एंजिल्स। दिग्गज मुक्केबाज फ्लॉयड मेवेदर ने कहा है कि वह नौ साल के अपने संन्यास को समाप्त करके इस साल गर्मियों में प्रतिस्पर्धी मुक्केबाजी में वापसी करेंगे। मेवेदर ने 2017 के बाद से कोई पेशेवर मुक्केबाजी मुकाबला नहीं लड़ा है। तब उन्होंने कॉनर मैकग्रेगर को हराया था। इस मुकाबले के बाद मेवेदर (50-0, 27 नॉकआउट) ने अपने करियर में तीसरी बार संन्यास की घोषणा की थी। पांच बार के पूर्व विश्व चैंपियन मेवेदर का रिंग में कोई सानी नहीं है। उन्होंने अब तक हर पेशेवर मुकाबला जीता है। संन्यास लेने के बाद भी वह प्रदर्शनी मुकाबलों में हिस्सा लेते रहे हैं। मेवेदर ने पहले ही इस साल 59 वर्षीय माइक टायसन के खिलाफ एक प्रदर्शनी मुकाबले की घोषणा कर दी थी।

हॉकी : भारत की वापसी की उम्मीदें टूटी, स्पेन से हारा

होबार्ट। भारतीय टीम की एफआईएच पुरुष प्रो लीग में वापसी की उम्मीदें शनिवार को स्पेन से मिली 0-2 की हार से टूट गईं। भारत अब रविवार को प्रो लीग के होबार्ट चरण के अपने दूसरे मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। भारतीय टीम की खराब फॉर्म जारी रही। स्पेन के लिए इग्नासियो अबाजो ने छठे मिनट और इग्नासियो कोबोस ने 36वें मिनट में गोल किए। स्पेन की टीम ने मौकों का फायदा उठाया जबकि भारत लगातार आक्रमण के बावजूद अच्छे मौकों को भुना नहीं पाया।

हमने अपने ग्रुप की टीमों को कम करके आंकाः ब्रूक

पाल्लेकल। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने ग्रुप की कुछ टीमों को कम करके आंका और कहा कि उनकी टीम अब टी20 विश्व कप के सुपर आठ में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है। इंग्लैंड की टीम का ग्रुप चरण में प्रदर्शन अपेक्षित नहीं रहा तथा उसे एसोसिएट देशों के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए संघर्ष करना पड़ा जबकि वेस्टइंडीज ने उसे हराया था।

जेनेसिस इनविटेशनल

भारतीय मूल के तीन गोल्फरों ने कट में बनाई जगह

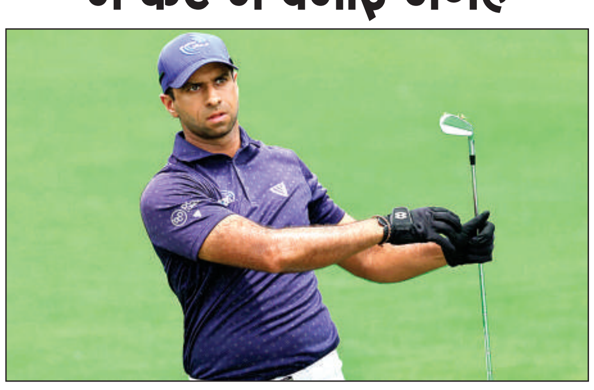

एजेंसी ▸▸| लॉस एंजिल्स

भारतीय मूल के तीन गोल्फर आरोन राय, अक्षय भाटिया और साहित थीगाला पीजीए टूर के सत्र के दूसरे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट जेनेसिस इनविटेशनल में कट हासिल करने में सफल रहे।

पहले दौर में 66 का स्कोर बनाकर शीर्ष 10 में जगह बनाने वाले राय ने दूसरे दौर में 70 का स्कोर किया और वह संयुक्त रूप से 12वें स्थान पर हैं। भाटिया (68-71) संयुक्त 21वें और थीगला (70-71) संयुक्त रूप से 33वें स्थान पर हैं। राय ने दूसरे दौर में चार बोगी की और पांच बर्डी लगाई।

भाटिया ने तीन बर्डी और तीन बोगी जबकि थीगला ने दो बोगी और तीन बर्डी की। मार्को पेंज और जैकब ब्रिजमैन ने रिवेरा कंट्री क्लब में सात अंडर 64 का स्कोर बनाया, जिससे वे रॉरी मैकलॉराय के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

कट में जगह बनाने में सफल रहे अहलावत और शर्मा

नैरोबी। भारत के वीर अहलावत ने तीन अंडर 67 और शुभंकर शर्मा ने पांच अंडर 65 का स्कोर बनाया, जिससे वे मैजिकल कीनिया ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में कट में जगह बनाने में सफल रहे। अहलावत ने पहले दो दौर में 67-67 का स्कोर बनाया और वह छह अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 28वें स्थान पर हैं। शर्मा ने दूसरे दौर में शानदार प्रदर्शन किया तथा छह बर्डी और एक बोगी करके पांच अंडर 65 का स्कोर बनाया। दो दिनों के बाद उनका कुल स्कोर चार अंडर पर है और वह संयुक्त 55वें स्थान पर हैं। भारत के एक अन्य गोल्फर युवराज संधू 69-71 के स्कोर के साथ कट से चूक गए।

सुपर-8 : रणनीति में बदलाव के बाद सूर्या और तिलक पर दारोमदार

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया की भिड़ंत आज शाम 7 बजे से

एजेंसी ▸▸| अहमदाबाद

ग्रुप चरण में अपने चारों मैच जीतकर खिताब बचाने की अपनी दावेदारी को मजबूत करने वाली भारतीय टीम को टी20 विश्व कप के सुपर आठ में रविवार को दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा, जिसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा की बड़े शॉट खेलने के बजाय स्थिर बल्लेबाजी करने की बदली हुई रणनीति की परीक्षा होगी।

दक्षिण अफ्रीका की टीम के पास कागिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन, केशव महाराज और एडन माक्रम के रूप में मजबूत गेंदबाजी आक्रमण है, जो मौजूदा चैंपियन भारत की कड़ी परीक्षा लेने के लिए तैयार है। दोनों टीमें पिछले दो महीनों में छठी बार एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी और यह देखना बाकी है कि रविवार को कौन सी टीम परिस्थितियों का बेहतर फायदा उठाएगी।

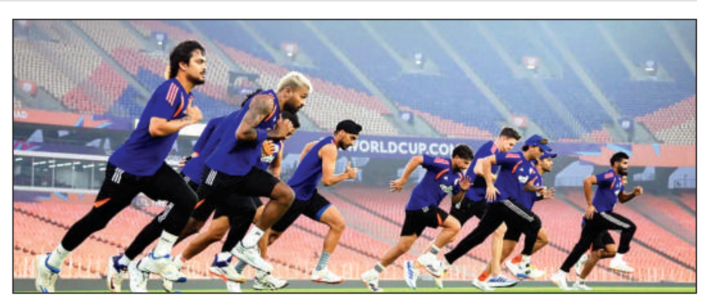

भारत को बल्लेबाजी में सुधार की जरुरत

भारतीय टीम को ग्रुप चरण में खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा लेकिन वह इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि उसकी बल्लेबाजी में काफी सुधार की जरूरत है। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन (दो अर्धशतक और 202 का स्ट्राइक रेट) को छोड़कर शीर्ष चार में शामिल अन्य तीन बल्लेबाजों ने अभी तक कोई खास कमाल नहीं दिखाया है। अभिषेक शर्मा लगातार तीन मैच में शून्य पर आउट हो चुके हैं और उन्हें टूर्नामेंट में अपने पहले रन का इंतजार है। सूर्यकुमार और तिलक ने हालांकि सूत्रधार की भूमिका निभाई है लेकिन इन दोनों ने ऐसी पिचों पर सहज प्रदर्शन नहीं किया है, जहां गेंद रुककर आ रही हो। भारत रन बनाने के लिए हार्दिक पंड्या (स्ट्राइक रेट 155) और शिवम दुबे (स्ट्राइक रेट 178) पर भी काफी हद तक निर्भर रहा है।

यानसन, एनगिडी और महाराज करेंगे वापसी

जहां तक टीम में बदलाव की बात है तो भारत अर्शदीप सिंह की जगह कुलदीप यादव और वाशिंगटन सुंदर की जगह अक्षर पटेल को वापस अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है।
जहां तक दक्षिण अफ्रीका की बात है यानसन, एनगिडी और महाराज वापसी करेंगे। उन्हें यूएई के खिलाफ मैच में आराम दिया गया था।

टीमें इस प्रकार

भारत : सुयकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्क्रम (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकलटन, डेवाल्ड ब्रेविस, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर, मार्को यानसन, कैगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, केशव महाराज, कॉर्बिन बॉश, एनरिक नार्किया, क्वेना मफाका, जॉर्ज लिंडे, जेसन स्मिथ। **मैच :** शाम सात बजे।

बारिश में धुला पाकिस्तान-न्यूजीलैंड सुपर-8 मैच

दोनों टीमों को एक-एक अंक मिले, सेमीफाइनल के लिए सभी मैच जीतना जरूरी

कोलंबो। टी-20 वर्ल्डकप में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच का पहला सुपर-8 मैच बारिश की भेंट चढ़ गया है। शनिवार शाम 6:30 बजे पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। लेकिन, मैच शुरू होने से पहले बारिश आ गई। करीब ढाई घंटे के इंतजार के बार मैच रेफरी ने इसे रद्द कर करने का फैसला लिया। ऐसे में दोनों टीमों को एक-एक अंक दे दिए। इस टूर्नामेंट में दूसरा मैच रद्द हुआ है। इससे पहले जिम्बाब्वे और आयरलैंड का मैच रद्द हुआ था।

उपलब्धि

जसप्रीत ने पार्किंग में सीखा क्रिकेट, टैक्सी चलाई, टी20 वर्ल्ड कप में मिला खेलने का मौका

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप के जरिए कई ऐसे खिलाड़ियों को दुनिया के सामने अपने खेल को दिखाने का मौका मिला, जिन्हें आमतौर पर बहुत कम मौके मिलते हैं।

ऐसा ही एक नाम रहा तेज गेंदबाज जसप्रीत सिंह का। वे इटली की तरफ से टी20 वर्ल्ड कप में खेले। जसप्रीत सिंह भारत में पैदा हुए लेकिन पिता के इटली चले जाने के बाद वे भी वहां गए और आगे चलकर खेलने लगे। जसप्रीत ने टी20 वर्ल्ड कप में दो मैच खेले और एक विकेट लिया। वे नेपाल और इंग्लैंड के सामने मुकाबले में उतरे। जसप्रीत ने पार्किंग में क्रिकेट सीखा और टैक्सी भी चलाई।

जसप्रीत का संबंध पंजाब के फगवाड़ा जिले के धनद्वार गांव से हैं। जब वह 3 साल के थे तब उनके पिता तीरथ सिंह बेहतर जिंदगी की तलाश में विदेश चले गए।

टेप लगी टेनिस बॉल से खेला क्रिकेट

जसप्रीत टेप लगी टेनिस गेंद से ही खेला करते थे। इटली में फुटबॉल की धूम थी और वह भी इस खेल से जुड़ गए। वह स्कूल और गांव की फुटबॉल टीम की तरफ से खेले। एक दोस्त ने बाद के सालों में जब उनसे कहा कि पहले तो क्रिकेट खेलते थे तो अब फुटबॉल क्यों खेलते हो। तब जसप्रीत फिर से क्रिकेट की तरफ लौटे। उन्होंने क्रिकेट क्लब्स की तलाश की और अपनी सीम बॉलिंग से सबको प्रभावित किया। 2019 में उन्होंने इटली में टी20 इंटरनेशनल और लिस्ट ए डेब्यू किया।

इंग्लैंड में लिया ट्रक चलाने का लाइसेंस

जसप्रीत तीन साल पहले इंग्लैंड गए और वहां पर बर्मिंघम लीग में खेलने लगे। यहां खेलने से उन्हें काफी अनुभव मिला। लेकिन जसप्रीत का खेल तो सुधर रहा था लेकिन आर्थिक स्थिति बिगड़ रही थी। तब उन्होंने उबर ड्राइवर के तौर पर काम किया। साथ ही अगर क्रिकेट में भविष्य नहीं बने तो करियर बनाने के लिए ट्रक ड्राइविंग का लाइसेंस भी ले लिया। लेकिन खेल में सुधार की वजह से उन्हें इटली की टीम में जगह मिली और वे वर्ल्ड कप में खेले।

1-15 मार्च तक होने वाले टूर्नामेंट में विलियम्स एकल और डबल्स में लेंगी हिस्सा

45 की वीनस फिर कोर्ट पर, इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

दिग्गज अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी और 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को इस साल के इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने वीनस को वाइल्ड कार्ड एंट्री दिए जाने की पुष्टि की है। 1-15 मार्च तक दक्षिणी कैलिफोर्निया में होने वाले इस टूर्नामेंट में वीनस विलियम्स एकल और डबल्स दोनों श्रेणियों में हिस्सा लेंगी।

कैलिफोर्निया में अपने घर लौटना बहुत अच्छा

वाइल्ड कार्ड एंट्री मिलने से उत्साहित वीनस विलियम्स ने कहा, "इंडियन वेल्स वापस जाना और कैलिफोर्निया में अपने घर लौटना बहुत अच्छा है। जबरदस्त फैंस के सामने खेलने जैसा कुछ नहीं है। मैंने इतने सालों में यहां बहुत सारी यादें बनाई हैं। मैं आयोजकों की शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे वापस बुलाया।" पूर्व वर्ल्ड नंबर वन और चार बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट विलियम्स ने पहले भी इंडियन वेल्स में काफी सफलता हासिल की है। वह तीन बार सेमीफाइनल तक पहुंची हैं। आखिरी बार 2024 में वाइल्ड कार्ड एंट्री के माध्यम से ही उन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी मिली थी वाइल्ड कार्ड एंट्री

45 साल की विलियम्स ने 2026 का कैंपेन ऑस्ट्रेलियन ओपन से शुरू किया था। उन्हें वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली थी। हालांकि, वह पहले दौर से ही बाहर हो गई थीं, लेकिन ओपन एरा में ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड उन्होंने अपने नाम कर लिया। विलियम्स ने शुरुआती सेट में कड़ा मुकाबला जीता, लेकिन दूसरे सेट में डैनिलोविच ने बेसलाइन से वापसी की। सर्बियाई खिलाड़ी ने डिसाइडर में भी अपना नियंत्रण बनाए रखा, और अहम मौकों पर विलियम्स की सर्विस तोड़कर मैच अपने नाम कर लिया। हार के बावजूद, विलियम्स ने नौ एस और फर्स्ट-सर्व पॉइंट्स पर 71 प्रतिशत सफलता दर से सबको प्रभावित किया।

एफसीआई मध्यप्रदेश क्षेत्र का अंतर-जिला क्रिकेट टूर्नामेंट

मंडल कार्यालय ने क्षेत्रीय कार्यालय को हराकर जीती ट्रॉफी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

क्षेत्रीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रोत्साहन समिति, भोपाल (आरएससीपीसी) के अध्यक्ष एफसीआई मध्यप्रदेश की महाप्रबंधक सूफिया फारूकी वली (आईएएस) एवं उपाध्यक्ष उप महाप्रबंधक, संजीव कुमार कौशिक के तत्वावधान में भारतीय खाद्य निगम क्षेत्रीय कार्यालय - मध्य प्रदेश के अंतर-जिला क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन 18 से 20 फरवरी तक फेथ क्रिकेट क्लब, रातीबड़ ग्राउंड में किया गया। टूर्नामेंट में भारतीय खाद्य निगम, मध्यप्रदेश क्षेत्र की कुल 8 टीमों ने भाग लिया।

टीमों को 4-4 के आधार पर पूल 'ए' एवं पूल 'बी' में विभाजित किया गया। फाइनल मुकाबला क्षेत्रीय कार्यालय - भोपाल और मंडल कार्यालय - भोपाल के मध्य खेला गया। यह मुकाबला अत्यंत रोमांचक रहा और मैच का निर्णय दूसरी अंतिम गेंद पर हुआ। अंततः मंडल कार्यालय - भोपाल ने क्षेत्रीय कार्यालय - भोपाल को पराजित कर वर्ष 2025-26 की अंतर-जिला क्रिकेट ट्रॉफी अपने नाम की। फाइनल मैच में सोमांश मुदलियार की शानदार ताबड़तोड़ पारी के लिए उन्हें 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया। मैच के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में आईजी एसएएफ इरशाद वली उपस्थित रहे।

टूर्नामेंट सर्वश्रेष्ठ

- ▶▶ बल्लेबाज – प्रणव सील
- ▶▶ गेंदबाज – विक्रम सिंह
- ▶▶ फील्डर – व्योमेश ओझा
- ▶▶ मैन ऑफ द सीरीज – सोमांश मुदलियार

मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी में प्रशिक्षु डीएसपी के बीच मैत्री वॉलीबाल मैच

■ 44वें बैच की पुरुष एवं महिला टीम और 45वें बैच की पुरुष एवं महिला टीम टीम रही उप विजेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भौंरी भोपाल में प्रशिक्ष ले रहे 44वें एवं 45वें बैच के प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षकों के मध्य टीम भावना के निर्माण तथा नेतृत्व क्षमता के गुणों के विकास के उद्देश्य से अकादमी स्थित वॉलीबाल ग्राउंड में मैत्री वॉलीबाल मैच का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अकादमी के उप निदेशक संजय कुमार अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, पीटीएस भौंरी यास्मिन जहरा, सहायक निदेशक (बाह्य प्रशिक्षण) ज्योति उमठ बघेल, उप पुलिस अधीक्षक तिलकराज प्रधान आरक्षक नारायण चौधरी, अमरीश पटेल सहित अकादमी का समस्त स्टाफ, प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस फैमिली लाइन के परिवारजन भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में 44वें बैच की पुरुष एवं महिला टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब प्राप्त किया, जबकि 45वें बैच की पुरुष एवं महिला टीम उप विजेता रही। यह आयोजन प्रशिक्षुओं के मध्य आपसी समन्वय, अनुशासन, खेल भावना एवं नेतृत्व कौशल के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ।

खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त साधनः अशोक कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

एजीयू स्पोर्ट्स मीट–2026 का गरिमामय समापन

खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर गूंजा आरएनटीयू परिसर

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय फुटबॉल ग्राउंड पर आयोजित एजीयू स्पोर्ट्स मीट–2026 का भव्य समापन समारोह उत्साह, उल्लास और खेल भावना के वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के खिलाड़ियों, अधिकारियों एवं गणमान्य अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति रही। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और विजेता टीमों को ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर एसजीएसयू के कुलसचिव डॉ. सितेश सिन्हा, डॉ सीवी रमन यूनिवर्सिटी वैशाली बिहार के कुलसचिव डॉ. बृजेश सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी अशोक ध्यानचंद ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त साधन है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय स्तर की प्रतियोगिताएं युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचने का आत्मविश्वास प्रदान करती हैं।

अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि 'एजीयू स्पोर्ट मीट- 2026' समूह के सभी विश्वविद्यालयों को एक साझा मंच पर लाकर आपसी समन्वय और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देता है। "हम चाहते हैं कि हमारे विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ खेल और कौशल विकास में भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएं। विश्वविद्यालय की उप कुलाधिपति डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने कहा कि एजीयू स्पोर्ट्स मीट केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि विभिन्न विश्वविद्यालयों के बीच समन्वय और एकता का उत्सव है।

क्रिकेट में आरएनटीयू ने जीती चैंपियनशिप

प्रतियोगिताओं के परिणामों में क्रिकेट में रबिन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप अपने नाम की। फाइनल के मैन ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट संजय मानिक (रबिन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय) रहे, जबकि बेस्ट बॉलर का खिताब भरत (रबिन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय) को मिला। बेस्ट बैट्समैन हिमांशु (सी.वी रमन विश्वविद्यालय खंडवा) घोषित हुए। एसजीएसयू भोपाल रनर-अप रहा।

आईसेक्ट झारखंड ने जीता फुटबॉल का खिताब

फुटबॉल प्रतियोगिता में आईसेक्ट विश्वविद्यालय (झारखंड) ने खिताब जीता। फाइनल के मैन ऑफ द मैच नितेश कुमार और गोल्डन बॉल विजेता हिमांशु पासवान आईसेक्ट विश्वविद्यालय (झारखंड) रहे। गोल्डन बूट के. पुंष्टी तथा गोल्डन ग्लोव आरोन के.एम. (रबिन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल) को प्रदान किया गया। रबिन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल उपविजेता रहा।

आरएनटीयू ने जीते महिला फुटसल और वॉलीबॉल के मुकाबले

महिला फुटसल में रबिन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप जीती। फाइनल की वुमन ऑफ द मैच प्रियांशू रहीं, जबकि एकता पवार को गोल्डन बॉल और वैदेही यादव को गोल्डन बूट प्रदान किया गया। गोल्डन ग्लव करिश्मा कुमारी (आईसेक्ट विश्वविद्यालय, झारखंड) को मिला। आईसेक्ट विश्वविद्यालय (झारखंड) उपविजेता रहा। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भी रबिन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल विजेता बना। फाइनल की मैन ऑफ द मैच योगिनी रहीं। मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर का पुरस्कार करण (सी.वी रमन विश्वविद्यालय, बिलासपुर) को मिला। स्किल बेस्ट प्लेयर अंकित (रबिन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय) घोषित हुए, जबकि सी.वी रमन विश्वविद्यालय बिलासपुर उपविजेता रहा।

लाइफ स्टाइल

रजनीकांत-कमल हासन की फिल्म 'आरके एक्स केएच' का पोस्टर जारी

मुंबई। साउथ के 2 दिग्गज रजनीकांत और कमल हासन एक साथ आने के लिए तैयार हैं। निर्माताओं ने आखिरकार उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'आरके एक्स केएच' का पोस्टर जारी कर दिया है। इसी के साथ प्रोमो रिलीज पर अपडेट दे दिया है। पिंकविला की रिपोर्ट में बताया गया था कि प्रोमो के लिए दोनों ने रेट्रो लुक में शूटिंग की है, जिसका सबूत पोस्टर में देखने को मिला है। इसे 'कूल रेट्रो स्वैग' नाम दिया गया है, जिसे देखने के लिए लोग उतावले हैं। 'आरके एक्स केएच' के पहले पोस्टर में 2 व्यक्तियों के हाथ दिखाए गए हैं। एक ने सोने की चमचमाती हुई घड़ी पहन रखी है, जबकि दूसरे के हाथ में सोने की अंगूठी नजर आ रही है।

लाइफ Style

भूमि
काश मैं सिस्टम का हिस्सा होती

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने हाल ही में अपनी फिल्म 'द लेडी किलर' की भारी असफलता और उससे जुड़े विवादों पर पहली बार खुलकर बात की है। अर्जुन कपूर संग बनी इस फिल्म को भारतीय सिनेमा की अब तक की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्मों में से एक माना जाता है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भूमि ने एक इंटरव्यू में बतायो कि फिल्म का जो वर्जन दर्शकों ने देखा, वो अधूरा था। भूमि बोलीं कि इस फिल्म की असफलता ने उन्हें बुरी तरह तोड़ दिया था। मीडिया से बातचीत के दौरान भूमि ने अपनी फिल्म 'द लेडी किलर' की विफलता को याद किया, जो हाल के वर्षों में बॉलीवुड की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्मों में से एक बनकर उभरी। उन्होंने खुलासा किया कि फिल्म का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा कभी शूट ही नहीं किया गया था। हमने जो स्क्रिप्ट पढ़ी थी, वो पूरी थी, लेकिन सेट पर फिल्म को अधूरा छोड़ दिया गया और जो कुछ रिलीज हुआ, वो एक अधूरी फिल्म थी।

भूमि ने बताया क्यों फ्लॉप हुई फिल्म : भूमि बोलीं कि जो फिल्म सिनेमाघरों में पहुंची, वह उस वर्जन से कोसों दूर थी, जिसे कलाकारों ने शुरुआत में साइन किया था। उन्होंने बताया, काश मुझे बेहतर पता होता, शायद अगर मैं सिस्टम का हिस्सा होती तो चीज़ों को अलग तरह से संभाल सकती थी। मैं सदमे में थी। मैं बस यही सोचती रह गई कि आखिर हो क्या रहा है, क्योंकि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। आखिरकार, मैंने खुद को समझाया कि यह एक सीख थी।

हॉलीवुड मसाला

हाउस ऑफ द... का टीजर जारी

लॉस एंजिल्स। एचबीओ की सबसे चर्चित वेब सीरीज 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' लंबे समय से लोगों का ध्यान खींच रही है। निर्माताओं ने आखिरकार इसके तीसरे सीजन को लेकर बड़ी खुशखबरी साझा कर दी है। पोस्टर के बाद, उन्होंने आधिकारिक टीजर जारी किया है, जिसने आते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। रैनीरा टार्गेरियन के प्रभावशाली किरदार में, अभिनेत्री एम्मा डी'आर्सी ने दमदार वापसी की है। इसके अलावा, आयरन थ्रोन के लिए चल रहे युद्ध की पहली झलक दिखाई गई है।

'लोका चैप्टर-2' को लेकर झूम उठेंगे फैंस

मुंबई। साउथ अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन की चर्चित फिल्म 'लोका चैप्टर 1- चंद्रा' की अपार सफलता के बाद फैंस इसके सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि फिल्म के क्लाइमैक्स में दुलकर सलमान के कैमियो ने एक बड़ा सस्पेंस छोड़ा था जिसके बारे में जानने के लिए लोग उतावले हो रखे हैं। सलमान के प्रोडक्शन हाउस, वेफरर फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के सीक्वल पर अब खुद कल्याणी ने बड़ा अपडेट साझा किया है। मनी कंट्रोल के मुताबिक, कल्याणी ने 'लोका चैप्टर 2' पर एक अहम अपडेट साझा करते हुए पुष्टि की है कि उनका किरदार सीक्वल में वापसी करेगा। नक्षत्र, 2026 कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, 'लोका चैप्टर 2' की कहानी शुरू हो चुकी है। हम सितंबर, 2026 तक शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

GANDHI P.R. COLLEGE
(Minority Institution)
D-1 Danish Nagar Narmadapuram Road, Bhopal- 462026

Job opportunity at your door step For the prestigious college of Bhopal city, require qualified Assistant Professors in all the subject of Science, Arts, Commerce, Yogic Science, Education & Physical Education, Computer Science, Library Science and Humanities Salary and Qualifications as per norms-Send your Bio-data with all testimonials either by post or by Email- principal@gandhiprcollege.com, within 5 days.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930